हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 18 जनवरी 2026

इंडिगो पर 22 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने दिसंबर में बड़े पैमाने पर कैंसल हुईं

फ्लाइट्स के मामले में इंडिगो एयरलाइन पर 22.2 करोड़ का जुर्माना लगाया है। साथ ही, कंपनी के सीईओ पीटर एल्बर्स को भी चेतावनी दी गई है। इंडिगो के एक वरिष्ठ अधिकारी को हटाने का भी आदेश दिया गया है। यह जानकारी शनिवार को रेगुलेटर ने एक बयान जारी करके दी।

ओडगी के मोहरसोप का मामला

प्रधानपाठक नहीं जाते स्कूल, अपनी जगह रख लिया किराए का शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

सूरजपुर जिले के ओडगी विकासखंड अंतर्गत ग्राम मोहरसोप में पदस्थ प्रधानपाठक स्वयं स्कूल नहीं आते बल्कि अपनी ड्यूटी के लिए 2 हजार रुपए में एक शिक्षक रखकर स्वयं शासकीय वेतन का घर बैठे लाभ उठा रहे हैं। ऐसे में बच्चों की शिक्षा गुणवत्ता का अंदाजा ▶▶|शेष पेज 7 पर

की जाएगी कार्रवाई

बीईओ को मामले की जांच करने के निर्देश दिए गए है। सोमवार को जांच प्रतिवेदन मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी
-अजय मिश्रा
डीईओ, सूरजपुर

कलेक्टर, मंत्री का नाम नहीं पता

स्कूल में जिस किराए के शिक्षक द्वारा बच्चों को पढ़ाने का काम किया जा रहा था उसने खुद 12वीं तक पढ़ाई करने का दावा किया। किराए के शिक्षक पूर्व देव यादव ने बताया कि प्रधान पाठक ने उसे स्कूल में पढ़ाने के लिए रखा है और वे 11 दिनों से पढ़ा रहा है। उसे कोई नियुक्ति नहीं दी गई है। इस दौरान जब उससे जिले के कलेक्टर, प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री, विधायक, शिक्षा विभाग के बीईओ का नाम पूछा गया तो वह कोई जवाब नहीं दे पाया। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है ▶▶|शेष पेज 7 पर

डीवीसीएम दिलीप बेड़जा और एक महिला को भी सुरक्षाबलों ने मार गिराया

अंतिम सांसें गिन रहा लाल आतंक, मुठभेड़ में मारे गए शीर्ष माओवादी समेत चार नक्सली

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ में शीर्ष उग्रवादी दिलीप बेड़जा समेत चार नक्सलियों को मार गिराया। जिले के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के पहाड़ी जंगलों में तड़के मुठभेड़ शुरू हो गई, जहां सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर नक्सल-विरोधी अभियान पर निकली थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि जिले के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के जंगल, पहाड़ी इलाकों में माओवादियों की नेशनल पार्क एरिया कमेटी के डीवीसीएम दिलीप बेड़जा एवं अन्य सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी, कोबरा, एसटीएफ की संयुक्त टीम सर्च ऑपरेशन पर निकली थी। 17 जनवरी की सुबह से संयुक्त टीम एवं माओवादियों के बीच रुक-रुककर फायरिंग होती रही। ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़ स्थल से एक ▶▶|शेष पेज 7 पर

- मौके से एके-47 और 303 राइफल ग्रेडेड हथियार बरामद

दिलीप बेड़जा

नक्सल नेटवर्क को बड़ा झटका

डीवीसीएम दिलीप बेड़जा को नक्सली संगठन का सक्रिय और प्रभावशाली नेता माना जाता था। उसके मारे जाने से बीजापुर और आसपास के इलाकों में सक्रिय नक्सली नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। सुरक्षा एजेंसियां इस सफलता को नक्सल विरोधी अभियान में अहम मान रही हैं।

वामपंथी उग्रवाद को खत्म करने समय सीमा तय

तीन जनवरी को बीजापुर सहित सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में दो मुठभेड़ों में 14 नक्सली मारे गए थे। पिछले साल छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 285 नक्सली मारे गए थे। केंद्र सरकार ने वामपंथी उग्रवाद ▶▶|शेष पेज 7 पर

नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बीजापुर के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के दुर्गम जंगल–पहाड़ी इलाकों में डीआरजी, कोबरा और एसटीएफ के साहसी जवानों ने सघन सर्च ऑपरेशन के दौरान महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए एक महिला नक्सली सहित 04 हार्डकोर माओवादियों को न्यूट्रलाइज किया है। हमारी सरकार का संदेश स्पष्ट है- हिंसा छोड़िए, विकास की मुख्यधारा से जुड़िए।

ग्रीनलैंड पर कब्जे का विरोध पड़ा महंगा

आठ देशों पर फूटा ट्रंप का टैरिफ बम

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की योजना पर डोनाल्ड ट्रंप का विरोध करने वाले 8 देशों पर अमेरिका ने 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूके, नीदरलैंड्स और फिनलैंड पर 10 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। अगर ग्रीनलैंड की खरीद वाली डील नहीं पूरी हो पाती है तो इस टैरिफ को बढ़ाकर 25 फीसदी कर दिया जाएगा। ट्रंप की धमकियों के बीच कांग्रेस के एक द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल ने डेनमार्क और ग्रीनलैंड को अपने समर्थन का आश्वासन देने की कोशिश की।

डेनमार्क के समर्थन में यूरोपीय देश

यूरोपीय देशों ने डेनमार्क के समर्थन में कदम बढ़ाए हैं। फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन, नॉर्वे, फिनलैंड, नीदरलैंड और ब्रिटेन ग्रीनलैंड में एक निगरानी मिशन के तहत सीमित संख्या में सैनिक भेज रहे हैं। जर्मन विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने में डेनमार्क का समर्थन करने के लिए 13 लोगों की एक टीम भेजेगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कल, नितिन नबीन के प्रस्तावक समर्थक बने साय सहित राष्ट्रीय परिषद के 17 सदस्य

रायपुर में ही राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के हस्ताक्षर लेकर भरा गया नामांकन फार्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव के लिए 19 जनवरी को नामांकन भरा जाएगा। अध्यक्ष के नाम का ऐलान 20 जनवरी को होगा। कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन को ही पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाया जा रहा है। नितिन नवीन के लिए जो नामांकन भरे जाएंगे, उसमें एक नामांकन छत्तीसगढ़ की तरफ से भी भरा जाएगा। प्रदेश के राष्ट्रीय परिषद के जो 17 सदस्य बने हैं, इनमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, दोनों डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा के साथ प्रदेश के मंत्री, विधायक, सांसद और भाजपा नेता शामिल हैं। नामांकन फार्म में इनके प्रस्तावक, समर्थक के रूप में हस्ताक्षर लेकर रायपुर में ही फार्म तैयार किया गया है। दिल्ली में 19 जनवरी को नामांकन के समय छत्तीसगढ़ की तरफ से यह नामांकन दाखिल किया जाएगा। राष्ट्रीय परिषद के सभी सदस्यों के साथ ही भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव सहित और कई भाजपा नेता रविवार को अलग-अलग नियमित विमानों से दिल्ली जाएंगे। मुख्यमंत्री साय रविवार की रात या फिर सोमवार की सुबह जाएंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने बीते साल के अंतिम माह में अचानक बिहार के मंत्री और

छत्तीसगढ़ के प्रदेश प्रभारी नितन नवीन को कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया। अब पूर्णकालिक अध्यक्ष का चुनाव 19 जनवरी को किया जा रहा है। 19 जनवरी को दोपहर दो बजे से लेकर चार बजे तक नामांकन होगा। इसके बाद चार से पांच बजे तक नामांकन पत्रों की जांच होगी पांच से छह बजे तक नाम वापसी का समय है। वैसे नितिन नवीन के नाम से ही अलग-अलग राज्यों के राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों द्वारा नामांकन भरे जाएंगे। अगले दिन मंगलवार 20 जनवरी को जरूरत पड़ने पर 11.30 बजे से 1.30 तक मतदान का समय तय किया गया है। इसके बाद अध्यक्ष का ऐलान किया जाएगा। ठीक इसी तरह से 2019 में पहले जेपी नड्डा को कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था और 20 जनवरी 2020 को उनको पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाया गया था। एक बार से से छह साल बाद वही इतिहास दोहरा जा रहा है।

ये हैं राष्ट्रीय परिषद के सदस्य

- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय
- डिप्टी सीएम अरुण साव
- डिप्टी सीएम विजय शर्मा
- प्रदेश के मंत्री दयालदास बघेल
- प्रदेश के मंत्री केदार कश्यप
- केंद्रीय मंत्री तोखन साहू
- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय
- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी
- सांसद बृजमोहन अग्रवाल
- सांसद संतोष पांडेय
- सांसद विजय बघेल
- सांसद रूपकुमारी चौधरी
- राज्य सभा सांसद देवेंद्र राजा प्रताप सिंह
- विधायक विक्रम उसेंडी
- विधायक पुन्नूलाल मोहिले
- पूर्व विधायक ननकी राम कंवर
- वरिष्ठ भाजपा नेता खूबचंद पारख

जिन किसानों को 31 को टोकन जारी, उन्हें दो दिन पहले धान लाने कहा गया

धान खरीदी का अंतिम चरण, तुंहर एप से टोकन अब नहीं, 29 तक धान बेच सकेंगे किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

धान खरीदी अब अंतिम दौर में है। अब तक 20 लाख से अधिक किसानों से धान की खरीदी हो चुकी है। शेष दिनों के लिए समितियों में धान खरीदी के लिए टोकन भी जारी कर दिए गए हैं, इसके बावजूद जिन किसानों के पास धान बचा है, उन्हें टोकन जारी करने अब समितियों में आवेदन देना होगा। आवेदन का सत्यापन करने के लिए पटवारी और तहसीलदार भौतिक सत्यापन करने के बाद टोकन जारी करेंगे।

बताया जाता है कि 10 जनवरी तक किसानों को 31 जनवरी तक के लिए टोकन जारी किए गए थे। अब तुंहर टोकन एप के जरिए टोकन जारी नहीं किया जा रहा है। समितियों के प्रबंधक से मिली जानकारी के अनुसार समितियों से धान खरीदी को लेकर शासन नए नियम के तहत टोकन जारी कर रहा है। अधिकतर किसानों को जारी टोकन के बाद भी उनके पास धान शेष होने या आधा बिके होने पर बिक्री के लिए टोकन की मांग की जा रही है। ऐसे मामलों में पटवारी द्वारा भौतिक सत्यापन के बाद ही जारी किया जा रहा है।

परिवहन बंद, धान का बफर स्टॉक

समितियों से धान का उठाव करने के लिए बनाए गए डिलीवरी एप को बंद कर दिया गया है। समितियों में धान रखने की जगह नहीं बची है। ऐसे में समिति प्रबंधक परेशान हैं। डीएमओ द्वारा डीओ और आरओ नहीं काटे जाने के कारण धान का उठाव नहीं हो रहा है। प्रदेश के 2739 समितियों में से लगभग 1700 समितियों में बफर स्टॉक से अधिक धान रखा हुआ है। अधिक धान की वजह से बेमेतरा, महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद, कवर्धा और अन्य जिलों में धान की खरीदी लिमिट से कम की जा रही है। कलेक्टर से समिति प्रबंधक उठाव कराने लगातार मांग कर रहे हैं, पर अब तक ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

31 को जारी टोकन से अब 29 को खरीदी

सूत्रों के अनुसार किसानों को धान बेचने के लिए 31 जनवरी को टोकन जारी किया गया था। उनका धान अब दो दिन पूर्व 29 जनवरी को खरीदने के लिए समितियों ने सूचना जारी की है। बताया जाता है कि खरीदी के अंतिम दिन शनिवार होने के कारण खरीदी बाधित होने की संभावना है। ऐसे में वे किसान वंचित न हों, इसे देखते हुए दो दिन पूर्व ही उनका धान लिया जा रहा है। उन सभी किसानों को समिति प्रबंधकों ने दो दिन पूर्व ही धान लाने के लिए लिखा है।

दृष्टिहीन पूर्व आईएएस ने लिख डालीं छह किताबें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

अलग खबर

जिले के फरसाबहार विकासखंड निवासी पूर्व आईएएस एवं पूर्व सरगुजा कमिश्नर एमएस पैंकरा ने यह साबित कर दिया कि जज्बा हो तो अंधेरा भी रास्ता नहीं रोक सकता। आंखों की रोशनी पूरी तरह जाने के बावजूद उन्होंने लेखनी को अपना सहारा बनाया और अब तक 6 किताबें लिखकर प्रकाशित करवा दीं। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी पुस्तकों की 3 हजार से अधिक प्रतियां समाज में निःशुल्क वितरित भी कर दी हैं। एमएस पैकरा ने बताया कि स्कूल जीवन के दौरान एक बार आए फ्लू के बाद उनकी आंखें ड्राई हो गई थीं। इसके बाद कोरोना काल से उनकी दृष्टि लगातार कमजोर होती गई और धीरे-धीरे पूरी तरह चली गई। लेकिन इस शारीरिक बाधा ने उनके विचारों और लेखन को नहीं रोका। वर्ष 2021 से उन्होंने लेखन कार्य प्रारंभ किया। अब तक जिंदगी के सुरता, महुआ फूल, करमडार, कंवर जनजाति, जनजातीय समाज का सामाजिक एवं आर्थिक विकास और बदलता अबूझमाड़ जैसी चर्चित पुस्तकें लिख चुके हैं।

बेटी बनी आंखें, पिता बने शब्द

दृष्टिहीनता के बाद लेखन कार्य में उनकी बेटी रुपाली पैंकरा ने अहम भूमिका निभाई। वर्तमान में रायगढ़ जिले में व्याख्याता के पद पर पदस्थ रुपाली, पिता द्वारा बोले गए शब्दों को टाइप करती थीं। इसी अनूठे तालमेल से एक के बाद एक छह किताबें तैयार हुईं। इस पूरे सफर में उनकी पत्नी सुशीला पैंकरा ने भी निरंतर सहयोग दिया।

कलेक्टर से कमिश्नर तक

एमएस पैंकरा का जन्म फरसाबहार विकासखंड के ग्राम सिंगीबहार में हुआ। वे मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले और छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में कलेक्टर के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। इसके अलावा वे लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष और सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

रायपुर
रविवार 18 जनवरी 2026
माघ कृष्ण पक्ष अमावस्या
वर्ष : 24, अंक : 179
पृष्ठ : 12+8 =20 मूल्य : 5 .00**

मौसम
अधि. 30.7
न्यून. 12.5

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सौगात

मालदा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हावड़ा एवं गुवाहाटी के बीच देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पूरी तरह वातानुकूलित स्लीपर ट्रेन से हावड़ा-गुवाहाटी मार्ग पर यात्रा समय लगभग 2.5 घंटे कम होने की उम्मीद है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

हवाई अड्डे पर 2.89 करोड़ का सोना जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने म्यांमा के तीन नागरिकों के पास से 2.89 करोड़ रुपएके 2.15 किलोग्राम से अधिक सोना जब्त किया है एवं उनपर मामला दर्ज किया है। ये तीनों यात्री 14 जनवरी को म्यांमा के यांगून से दिल्ली पहुंचे थे और टर्मिनल-तीन के अंतरराष्ट्रीय आगमन क्षेत्र में ग्रीन चैनल से गुजरते समय उन्हें पकड़ा गया। उनकी और सामान की तलाशी लेने पर उनके पास से सोने की 13 ईंट बरामद की गईं। बरामद सोने का कुल वजन 2,158 ग्राम है।

23 जनवरी को टी-20 में दिखेगी बल्ले और गेंद की बराबर की टक्कर

छत्तीसगढ़ की मिट्टी से बनेगी टी-20 की पिच बनेगा शानदार स्कोर, कीवी टीम को होगा कष्ट

टी-20 मैच को लेकर शहीद वीर नारायण स्टेडियम में क्रिकेट की तैयारियां तेज हो चुकी है। 23 जनवरी को भारत और न्यूजीलैंड टी-20 मैच में छत्तीसगढ़ की मिट्टी से पिच बनाई गई थी। उस मैंच में दर्शकों को खूब आनंद आया था। इस बार भी टी-20 में छत्तीसगढ़ महतारी की मिट्टी से पिच बनाई जा रही है। छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ और एक्सपर्ट ने हरिभूमि को बताया कि पिच का निर्माण छत्तीसगढ़ की मिट्टी से होगा, जिसमें भारत और न्यूजीलैंड के खिलाड़ी खेलेंगे। दिसंबर में हुए वनडे मैच में भी काली मिट्टी का इस्तेमाल हुआ, जिससे भारत को पहले बल्लेबाजी में काफी फायदा हुआ था।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

विराट और रितुराज गायकवाड़ ने शतकीय पारी खेली थी। इस बार ऐसा ही मैंच दर्शकों को देखने मिल सकता है। एक्सपर्ट की माने तो पिच दो तरह की बनती है, पहली लाल और काली मिट्टी से। रायपुर में काली मिट्टी की पिच होने से बल्लेबाज को ज्यादा फायदा होगा। छत्तीसगढ़ की लाल मिट्टी में स्वाभाविक रूप से कड़ापन होता है। इससे पिच पर ट्रू बाउंस मिलता है। गेंद टप्पा खाने के बाद तेज़ी से और अच्छे उछाल के साथ निकलती है। भारतीय तेज़ गेंदबाज़ जैसे जसप्रीत बुमराह या अर्शदीप सिंह इस उछाल का फायदा उठाकर कीवी बल्लेबाज़ों को बैकफुट पर धकेल सकते हैं।

अलग खबर

पिच 200 से अधिक स्कोर बनाने में मदद करेगी

छत्तीसगढ़ की काली मिट्टी के पिच में इस बार जो पहले बल्लेबाजी करने उतरेगा उसे फायदा होगा। एक्सपर्ट का कहना है कि काली मिट्टी में गेंद पिच पर फंसती नहीं है और सीधे बल्ले पर आती है, बल्लेबाजों को शॉट खेलने में बहुत आसानी होती है। गेंद की गति का इस्तेमाल करते हुए खिलाड़ी बड़े शॉट आसानी से लगा सकेंगे। रायपुर का मैदान बड़ा है, लेकिन पिच की रफ़्तार बड़े स्कोर 180 से 200 से अधिक बनाने में मदद करेगी। अगर ओस अधिक पड़ी तो दूसरी इनिंग में बल्लेबाजों को समस्या हो सकती है।

काली मिट्टी की पिच 180 से 200 से अधिक स्कोर बनाने में करेगी मदद

फाइल फोटो

दूसरी पारी में भी पिच पहले की तरह काम करेगी

पिच एक्सपर्ट का कहना कि स्थानीय मिट्टी की बाइंडिंग क्षमता अच्छी होती है। पूरे 40 ओवर के खेल के दौरान पिच टूटेगी नहीं। इसलिए दूसरी पारी में भी पिच का व्यवहार वैसा ही रहेगा जैसा पहली पारी में था। इससे टॉस का असर थोड़ा कम हो जाता है और मुकाबला बराबरी का रहता है। रायपुर में जनवरी की शाम को ओस एक बड़ा फैक्टर होती है। स्थानीय मिट्टी पानी को अच्छे से सोखने की क्षमता रखती है, जिससे अगर हल्की ओस गिरती भी है, तो पिच गीली होकर धीमी नहीं पड़ती और खेल की गति बनी रहती है।

बांग्लादेश में थम नहीं रहा अत्याचार

एक हिंदू को कुचला, दूसरे को पीट-पीटकर मार डाला

एजेंसी ⏭ ढाका

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बीते दो दिनों में दो अलग-अलग जिलों से दो हिंदुओं की हत्या के मामले सामने आए हैं। शनिवार सुबह एक हिंदू होटल व्यवसायी लिटन चंद्र घोष उर्फ काली (60) की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। लिटन घोष इलाके में बोयीशाखी स्वीट एंड होटल नाम से एक होटल चलाते थे।

जानबूझकर गाड़ी से कुचलकर हत्या

इससे एक दिन पहले भी बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या का मामला सामने आया था। घटना राजबाड़ी जिले के सदर उपजिला की थी, जहां 30 वर्षीय रिपन साहा की कथित तौर पर जानबूझकर गाड़ी से कुचलकर हत्या कर दी गई। यह घटना शुक्रवार को हुई। मृतक रिपन साहा राजबाड़ी के गोलांदा मोड़ के पास स्थित करीम फिलिंग स्टेशन पर काम करते थे।

तीन आरोपी हिरासत में

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, स्थिति को नियंत्रित किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में यह मामला मामूली विवाद से जन्मा हिंसा का लग रहा है, हालांकि जांच जारी है।

सुरक्षित वतन लौटते ही छलक उठे जज्बात, लौटी मुस्कान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ईरान में बिगड़ते सुरक्षा हालात के बीच शनिवार तड़के दिल्ली एयरपोर्ट पर राहत और भावुक पुनर्मिलन के दृश्य देखने को मिले। जैसे ही ईरान से लौटे भारतीय नागरिकों के विमान उतरे, बाहर इंतजार कर रहे परिजनों ने अपने अपनों को गले लगा लिया। किसी ने फूलों की माला पहनाई तो कहीं पिता ने बेटी को सीने से लगाकर राहत की सांस ली, आंखों में आंसू और चेहरे पर मुस्कान साफ झलक रही थी। शुक्रवार रात से ही इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आगमन टर्मिनल के बाहर परिवारों की भीड़ जुटी थी। हर यात्री समूह को उत्सुक निगाहों से देखा जा रहा था, इस उम्मीद में कि शायद अगला चेहरा उनका अपना हो।

संकटग्रस्त ईरान से लौटे भारतीय, बताई जमीनी हकीकत

इंटरनेट नहीं, अंतरराष्ट्रीय कॉल भी काम नहीं कर रहे

ईरान में 28 दिसंबर से हो रही हिंसा, 3 हजार से ज्यादा मौतें

छात्रों ने बताया कि ईरान के हालात बेहद तनावपूर्ण

ईरान से लौटे कई छात्रों ने वहां के हालात को बेहद तनावपूर्ण बताया। एक छात्रा ने कहा कि सड़कों पर माहौल असहज था और इंटरनेट बंद होने से वे पूरी तरह अलग-थलग महसूस कर रहे थे। भारत पहुंचकर परिवार को सामने देखना उनके लिए सुरक्षा और राहत का अहसास लेकर आया। एक अन्य छात्र शाजिद ने बताया कि अनिश्चित हालात और संचार की कमी ने चिंता बढ़ा दी थी। यात्रा व्यवस्था की जानकारी मिलते ही राहत महसूस हुई और घर लौटकर परिवार से मिलना बेहद सुकून देने वाला रहा। शिराज के एक मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा ने बताया कि इंटरनेट बंद होने के कारण देशभर की स्थिति की सही जानकारी नहीं मिल पा रही थी, हालांकि उनके शहर में हालात अपेक्षाकृत ठीक थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे वाणिज्यिक उड़ान से अपने स्तर पर लौटी हैं।

भारतीय दूतावास की मदद से राहत मिली- परिजन

परिजनों ने बताया कि इंटरनेट ब्लैकआउट के दौरान उनकी चिंता चरम पर पहुंच गई थी। बाद में भारतीय दूतावास द्वारा संपर्क बहाल किए जाने और मदद शुरू होने से राहत मिली। विदेश मंत्रालय के अनुसार, ईरान में करीब 9,000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं, जिनमें अधिकांश छात्र हैं। सरकार ने हालात सामान्य होने तक ईरान की यात्रा से बचने और उपलब्ध साधनों से देश छोड़ने की सलाह दी है।

ईरान में दो हफ्तों से जारी हिंसा में 3 हजार से ज्यादा मौतें

ईरान में वहां की करेंसी 'रियाल' के ऐतिहासिक रूप से नीचे गिरने और महंगाई के विरोध में 28 दिसंबर 2025 में प्रदर्शन शुरू हुए थे। देश के सभी 31 प्रांतों में हिंसा फैल गई है। इसमें 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

यूपी में कोहरे का कहर 15 जिलों में 40 गाड़ियां भिड़ीं, 100 ट्रेनें लेट

नई दिल्ली। यूपी में शनिवार को सीजन का सबसे घना कोहरा पड़ा। हालत इतने खराब हो गए कि सड़कों पर कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। गाड़ियों की लाइटें भी नजर नहीं आ रही थीं। मेरठ, बाराबंकी समेत 15 जिलों में 40 से ज्यादा गाड़ियां टकराईं। डेढ़ साल की बच्ची समेत 7 की मौत हो गई। 50 से ज्यादा घायल हैं। फतेहपुर में एनएच-2 पर 10 गाड़ियां टकराईं। यहां कार ड्राइवर की मौत हो गई।

बच्ची समेत 7 की मौत

मुरादाबाद में ट्रक ने बाइक सवारों को रौंद दिया, जिसमें जीजा की जान चली गई। ऐसे ही सुल्तानपुर में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को एक वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे 3 की मौत हो गई। वहीं, मेरठ में कोहरे की वजह से कार नाले में गिर गई। हादसे में डेढ़ साल की बच्ची की जान चली गई। विजिबिलिटी कम होने से रेलवे और हवाई सफर भी प्रभावित रहा। गोरखपुर, वाराणसी समेत तमाम स्टेशनों पर 100 से ज्यादा ट्रेनें लेट हैं। वीआईपी ट्रेनें भी समय पर नहीं हैं। लखनऊ एयरपोर्ट्स पर इंडिगो की 2 फ्लाइट्स कैंसिल हैं। इसके अलावा 14 उड़ानें देरी से उड़ीं।

बीएमसी नतीजों के बाद मुंबई में 'खेला'

मेयर पद पर शिंदेसेना ने फंसाया पेंच! सभी 29 पार्षद होटल में शिफ्ट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

बीएमसी चुनाव के नतीजों के बाद महाराष्ट्र सरकार की कैबिनेट बैठक में शनिवार को दोनों उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार नहीं पहुंचे। शिंदे मुंबई में ही हैं, वहीं अजित पवार पुणे में हैं, लेकिन फिर भी दोनों कैबिनेट बैठक में नहीं पहुंचे। शिंदे गुट और अजित पवार गुट को जितनी उम्मीद थी, परिणाम वैसा नहीं आया। दोनों डिप्टी सीएम अपनी पार्टियों की सीटें कम आने से भाजपा से नाराज हैं। जहां, शिवसेना की ओर से बताया गया है कि एकनाथ शिंदे बीमार हैं, वहीं, अजित पवार बारामती में अपने चाचा शरद पवार से मिलने उनके घर पहुंचे हैं।

बहुमत का आंकड़ा है 114

इसके अलावा शिंदे को पार्षद टूटने का भी डर है। 227 सदस्यीय बीएमसी में, बहुमत का आंकड़ा 114 है। भाजपा ने 89 सीटें जीतीं, जबकि शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 29 सीटें जीतीं है। इसके साथ सत्तारूढ़ गठबंधन 118 पर पहुंच गया। यह आंकड़ा, बहुमत से मात्र चार सीट अधिक है। शिंदे को डर है कि कहीं पार्षद दूसरे दलों की तरफ न भागने लगे। मुख्य रूप से उन्हें उद्धव ठाकरे की पार्टी से डर है। के डर के पीछे वजह है नंबर गेम। 227 सदस्यीय बीएमसी में, बहुमत का आंकड़ा 114 है। बता दें, मुंबई के 227 वार्डों में से भाजपा ने 89, शिवसेना (यूबीटी) ने 65, शिवसेना (शिंदे) ने 29, कांग्रेस ने 24, मनसे ने 6, एनसीपी (अजित पवार) ने 3 और एनसीपी (शरद पवार) ने 1 में जीत हासिल की है।

कैबिनेट मीटिंग से शिंदे-अजित पवार गायब
फडणवीस बोले, मैं और शिंदे मिलकर तय करेंगे मेयर
मुंबई के 227 वार्डों में भाजपा ने जीते हैं 89 वार्ड

उद्धव को भी अपना मेयर बनाने की आस

इन सबके बीच उद्धव ठाकरे ने एक खास संदेश जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा कि मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) का मेयर चुनने का उनका सपना अभी जिंदा है। उन्होंने कहा कि अगर भगवान ने चाहा तो ऐसा होगा। उद्धव ठाकरे के इस बयान के अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं।

शिंदे बनाना चाहते हैं अपना महापौर

रिपोर्ट के मुताबिक, शिवसेना (शिंदे) ने सभी 29 पार्षदों को ताज होटल शिफ्ट कर दिया है। शिवसेना (शिंदे) के इस फैसले को मुंबई के मेयर पद से जोड़कर देखा जा रहा है। शिवसेना के नगरसेवकों और नेताओं का कहना है कि मुंबई में ढाई–ढाई साल के लिए महापौर पद दिया जाए. शिंदे गुट की मांग है कि बालासाहेब ठाकरे की जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर शिवसेना का महापौर बैठे। इस मुद्दे पर भाजपा और शिवसेना के नेताओं के बीच चर्चा जारी है। अब सबकी नजर इस पर है कि इस बातचीत का नतीजा क्या निकलता है। उधर सीएम फडणवीस ने कहा, मेयर कौन बनेगा और कब चुना जाएगा। ये सभी फैसले मैं, शिंदे और हमारे पार्टी नेता मिलकर लेंगे। इस पर कोई विवाद नहीं है।

गोवा में 2 रशियन महिलाओं की बेरहमी से हत्या, रेता गला

दोनों का पहले रेता गला फिर हाथ पीठ के पीछे बांधे

एजेंसी ▶▶| पणजी

गोवा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां 2 रशियन महिलाओं की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है।

मामले में पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। मामला उत्तरी गोवा के अरम्बोल और मोरजिम गांवों का है। यहां 14 और 15 जनवरी को रूस की दो महिलाओं की हत्या हुई। इस हत्याकांड के आरोप में एक रूसी व्यक्ति एलेक्सी लियोनोव को गिरफ्तार किया गया है। मांड्रेम थाने के एक अधिकारी ने बताया, 'आरोपी ने 14 जनवरी को मोरजिम स्थित उसके कमरे में दोस्त एलेना वानीवा (37) की चाकू से गला काटकर हत्या कर दी। वानीवा की मकान मालकिन की शिकायत के अनुसार, यह घटना रात 11 बजे के बाद हुई।'

मोरजिम थाने के अधिकारी ने बताया, 'इसके बाद 15 जनवरी की शाम आरोपी, आठ किलोमीटर दूर स्थित अरम्बोल गांव में अपनी दोस्त एलेना कास्थानोवा (37) से मिलने गया। उसने उसे रस्सी जैसी सामग्री से बांध दिया और बाद में उसका गला रेत दिया।' दोनों के शव शुक्रवार को बरामद कर लिए गए। लियोनोव को मांड्रेम पुलिस ने गिरफ्तार किया है और मामले की जांच जारी है।

दोनों हत्याओं के तरीके समान

पुलिस के मुताबिक, दोनों हत्याओं के तरीके समान पाए गए, जिससे इनके आपस में जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, दोनों हत्याओं के तरीके समान पाए गए, जिससे इनके आपस में जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। जांच में पता चला कि वानीवा आरोपी और कस्थानोवा, दोनों की दोस्त थी।

'स्पिरिट' की रिलीज तारीख का ऐलान..

मुंबई। सुपरस्टार प्रभास की हालिया रिलीज फिल्म 'द राजा साब' लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही। इस बीच, अभिनेता ने अपनी बहुप्रतिक्षित फिल्म 'स्पिरिट' से जुड़ी सबसे बड़ी खुशखबरी साझा कर दी है। सोशल मीडिया पर आधिकारिक ऐलान करते हुए फिल्म की रिलीज तारीख का खुलासा किया गया है। संदीप रेड्डी वांगा में बन रही 'स्पिरिट' का पहला पोस्टर नए साल के पहले दिन जारी हुआ था। रिलीज का ऐलान होने से प्रशंसक डबल उत्साहित हो गए हैं। प्रभास की 'स्पिरिट' एक्शन-थ्रिलर फिल्म है जिसका हिस्सा तृप्ति डिमरी और विवेक ओबेरॉय भी हैं। निर्माताओं ने इसे रिलीज करने के लिए 2027 को चुना है। एक पोस्टर के साथ ऐलान किया गया है कि फिल्म 5 मार्च, 2027 को दुनियाभर में रिलीज होगी। उधर तारीख के ऐलान पर लोग भी सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं।

'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' से टीवी पर वापसी

मुंबई। बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार हर साल अपनी फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन करते हैं। इस बार वह टीवी पर भी यह जिम्मेदारी उठाते दिखेंगे क्योंकि उनका नया गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' आ रहा है। काफी समय से चर्चा बटोर रहा यह रियलिटी शो इसी महीने यानी, जनवरी में अपनी स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है। निर्माताओं ने शो का प्रोमो और स्ट्रीमिंग तारीख जारी कर दी है। यह क्लासिक शब्द खेल हैंगमैन पर आधारित है। 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के प्रोमो के साथ कैप्शन दिया गया, 'किस्मत आपकी, पैसा चैनल का...और ढेर सारी मस्ती मेरी तरफ से।' अक्षय ने होस्ट की जिम्मेदारी संभाली है जो प्रतियोगियों को पुरस्कार राशि जीतने का मौका देंगे। यह शो 27 जनवरी से सोनी लिव और सोनी टीवी पर रात 9 बजे प्रसारित होगा। 'खतरों के खिलाड़ी' होस्ट कर चुके अभिनेता की टीवी वापसी से प्रशंसक उत्साहित हैं।

फरवरी में सात फेरे लेने का दावा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

साउथ सुपरस्टार धनुष और मृणाल ठाकुर की कथित प्रेम-कहानी काफी समय से लोगों का ध्यान खींच रही है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दोनों दुनिया की नजरों से छिपकर एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। नई जानकारी और चौंकाने वाली है, क्योंकि दावा है कि दोनों अपने रिश्ते को आधिकारिक नाम देने की तैयारी में हैं। फरवरी में वैलेंटाइन डे के खास मौके पर मृणाल, 9 साल बड़े धनुष से शादी कर सकती हैं। मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 14 फरवरी यानी वेलेंटाइन डे को धनुष और मृणाल एक निजी समारोह में शादी की योजना बना रहे हैं। इस समारोह में सिर्फ दोनों सितारों का परिवार और करीबी रिश्तेदार शामिल होंगे। हालांकि, इन रिपोर्ट्स पर दोनों में से किसी ने भी आधिकारिक बयान नहीं दिया है और न कई दिनों से चल रहे अपने कथित रिश्ते की पुष्टि की है। इसलिए इन दावों में कितनी सच्चाई है, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। धनुष और मृणाल के डेटिंग की खबरों ने 'सन ऑफ सरदार 2' की स्क्रीनिंग के दौरान जोर पकड़ा था, जब दोनों सितारों को एक साथ कैमरे में कैद किया गया। इसके बाद, मृणाल के जन्मदिन पर धनुष को उनका हाथ थामे और मुस्कुराते हुए देखा गया। यही नहीं, धनुष और कृति सैनन की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप-अप पार्टी में मृणाल ने पहुंचकर लोगों को चौंका दिया। बस यहीं से दोनों के कथित रिश्ते के किस्से शुरू हो गए।

टीवी मसाला

कसम से सीरियल की तीन बहनें अब कैसी दिखती हैं बानी, पिया और रानो

नई दिल्ली। टीवी और बॉलीवुड जगत की मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर के लोकप्रिय सीरियल 'कसम से' ने अपने रिलीज के 20 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर एकता कपूर ने यादों को ताजा किया जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि यह सीरियल 16 जनवरी 2006 को पहली बार जी टीवी पर प्रसारित किया गया था।

तीन बहनों की थी कसम से की कहानी : टीवी सीरियल की कहानी तीन बहनों- बानी, पिया और रानो के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिनके जीवन में जय वालिया के आने से कई बदलाव आते हैं और उनकी आपसी बॉन्डिंग व रिश्तों की कसौटी को दिखाया गया था। इसमें प्राची देसाई ने बानी का किरदार निभाया था, जबकि राम कपूर ने जय वालिया का किरदार निभाया था। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को काफी पसंद आई थी।

ये अभिनेत्रियां बनीं थीं तीन बहनें : इस सीरियल में राम कपूर और प्राची देसाई (बानी) के अलावा, रोशनी चोपड़ा (पिया), अरुनिमा शर्मा (बानो) जया भट्टाचार्य, और अश्विनी कलसेकर (जिज्ञासा) जैसे कलाकार भी शामिल थे। यह सीरियल साल 2009 तक प्रसारित हुआ था। एकता कपूर ने इसे बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले रिलीज किया था।

शो से बॉलीवुड पहुंचे बानी और राम: यह शो जी टीवी पर काफी सफल रहा और इसने मुख्य किरदार प्राची देसाई को अच्छी पहचान दिलाई थी, बल्कि राम कपूर को भी घर-घर में मशहूर किया था। इस शो के बाद राम कपूर 'बड़े अच्छे लगते हैं' और प्राची देसाई ने बॉलीवुड फिल्मों जैसे 'रॉक ऑन' से अपनी पहचान बनाई। वहीं राम कपूर ने कई बॉलीवुड फिल्मों में काम कर अपनी अलग पहचान बना ली है।

इस्लामिक देश ईरान में रिकॉर्ड तोड़ मुद्रास्फीति, खाद्य पदार्थों की कीमतों और मुद्रा के अवमूल्यन को लेकर अराजकता का माहौल है। आमजन में निराशा के चलते विरोध प्रदर्शन जल्द ही एक व्यापक आंदोलन में तब्दील हो चुके हैं, जिसमें मौजूदा शासन को समाप्त करने की मांग की गई है। नागरिक, विशेषकर युवा पीढ़ी, कठोर मजहबी प्रतिबंधों एवं सामाजिक कानूनों के प्रति विद्रोही हैं। लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से असंतुष्ट हैं। उधर, अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहता है। वह अमेरिकी नेतृत्व वाले पश्चिमी हितों के अनुकूल नवशासन स्थापित कर ईरानी परमाणु कार्यक्रमों को पूरी तरह बंद करवाना चाहता है। ट्रंप की अतिवादी नीतियों ने जिस तरह ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसे आर्थिक रूप से कमजोर बनाने का खेल शुरू किया है, यह सीधे तौर पर भारत के लिए भी एक और मुसीबत खड़ी कर सकता है। ईरान स्थित चाबहार पोर्ट भारत के लिए अर्थनीतिक रूप में सबसे महत्वपूर्ण परियोजना है। अगर ईरान की स्थिति नियंत्रण से बाहर होती है, तो इससे वैश्विक स्तर पर तेल और वित्तीय बाजारों पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

ईरान का इस्लामिक दुनिया से जटिल रिश्ता

विश्लेषण
विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

रमजान के महीने में राजधानी दिल्ली में इस्लामिक देशों के राजनयिक आमतौर पर चाणक्यपुरी में स्थित सूडान एंबेसी में नमाज अदा करते हैं। ईरानी राजनयिक अपनी एंबेसी में ही नमाज अदा करते हैं। ईरान और शेष इस्लामिक संसार में दूरियों को इस उदाहरण से कुछ हद तक समझा जा सकता है। दरअसल, ईरान के इस्लामिक राष्ट्रों के साथ संबंध जटिल और बहुआयामी हैं। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान ने शिया इस्लाम को अपनी विदेश नीति का आधार बनाया है, जो सुन्नी-बहुल मुस्लिम दुनिया के साथ उसके संबंधों को प्रभावित करता है। ईरान की सरकार खुद को इस्लामिक एकता का समर्थक बताती है, लेकिन वास्तव में वह शिया प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश करती रहती है। ईरान की इस्लामिक क्रांति ने उसे मुस्लिम दुनिया में एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में स्थापित किया, जहां वह खुद को साम्राज्यवाद-विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक के रूप में पेश करता है। हालांकि, शिया-सुन्नी विभाजन के कारण ईरान की सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य सुन्नी-बहुल देशों के साथ प्रतिद्वंद्विता गहरी है। ईरान को सुन्नी राष्ट्रों द्वारा 'शिया विस्तारवादी' के रूप में देखा जाता है, जबकि ईरान इन देशों को अमेरिका की कठपुतली मानता है।

ईरान के इस्लामिक राष्ट्रों के साथ संबंध जटिल और बहुआयामी हैं। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान ने शिया इस्लाम को अपनी विदेश नीति का आधार बनाया है, जो सुन्नी-बहुल मुस्लिम दुनिया के साथ उसके संबंधों को प्रभावित करता है। ईरान की सरकार खुद को इस्लामिक एकता का समर्थक बताती है, लेकिन वास्तव में वह शिया प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश करती रहती है। ईरान की इस्लामिक क्रांति ने उसे मुस्लिम दुनिया में एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में स्थापित किया, जहां वह खुद को साम्राज्यवाद-विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक के रूप में पेश करता है।

विद्रोहियों को रहा समर्थन

1980 के दशक से ईरान ने लेबनान में हिज़बुल्लाह, इराक में शिया मिलिशिया, सीरिया में असद शासन और यमन में हूती विद्रोहियों को समर्थन दिया। यह नेटवर्क ईरान को क्षेत्रीय शक्ति प्रदान करता है, लेकिन इसे आतंकवाद का प्रायोजक भी बनाता है, जैसा कि अमेरिका और उसके सहयोगी दावा करते हैं। सऊदी अरब और ईरान में पुरानी अदावत है। दरअसल सऊदी अरब में एक शिया मौलवी को 2016 में फांसी की सजा दी गई थी और इसी मुद्दे पर 2016 में सऊदी अरब और ईरान के कूटनीतिक संबंध खत्म हो गए थे। तब से ये दोनों देश एक-दूसरे के जानी दुश्मन बन गए थे। सऊदी अरब खुद को सारी दुनिया के सुन्नी मुसलमानों का रहनुमा मानता है और ईरान अपने को शिया मुसलमानों का। आप जानते हैं कि दोनों ही देश तेल उत्पादक देश हैं। दोनों ही देश अपने व्यावसायिक दिलचस्पी के वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हैं। क्या सऊदी अरब और ईरान कभी चीन से यह पूछने की हिमाकत करेंगे कि चीन में मुसलमानों पर भीषण अत्याचार क्यों हो रहे हैं? वे कब थमेंगे? चीन ने अपने मुस्लिम बहुल शिनजियांग प्रांत में रहने वाले मुसलमानों को पूरी तरह से कसा हुआ है।

ईरान की अलगाववादी स्थिति

उन्हें खान-पान के स्तर पर वह सब कुछ करना पड़ा रहा है, जो उनके इस्लाम धर्म में पूर्ण रूप से निषेध है। इस बीच, ईरान अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे सुन्नी बहुल देशों के साथ व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाता है। वह मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे सुन्नी समूहों से भी संबंध रखता है, ताकि अमेरिकी प्रभाव का मुकाबला कर सके, लेकिन कुल मिलाकर, ईरान की अलगाववादी स्थिति बनी हुई है, विशेष रूप से सुन्नी अरब देशों के साथ। हालांकि यह बताना जरूरी है कि उसकी पाकिस्तान से तनातनी भी चलती रहती है। ईरान ने पाकिस्तान में 2021 में सर्जिकल स्ट्राइक किया था। इस हमले का नतीजा यह हुआ कि ईरान ने अपने कुछ अपहृत कर लिए गए नागरिकों को 'जैश उल अदल' नाम के आतंकी संगठन के कब्जे से छुड़वा लिया। जैश अल-अदल के आतंकी पाकिस्तान की ईरान से लगती सरहद पर लगातार हमले बोल रहे हैं। उनसे 2019 के हमले में 27 ईरानी नागरिक मारे गए थे। ओआईसी में ईरान की स्थिति ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) 1969 में स्थापित विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें 57 मुस्लिम बहुल देश शामिल हैं।

ओआईसी में भूमिका प्रभावित

ईरान इस संगठन का संस्थापक सदस्य होने के साथ-साथ शुरू से ही एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हालांकि, ईरान की स्थिति हमेशा विवादास्पद और उतार-चढ़ाव वाली रही है। सऊदी अरब के साथ क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता ने ओआईसी में ईरान की भूमिका को बार-बार प्रभावित किया।

उसे 1980 के दशक में ईरान-इराक युद्ध के दौरान ओआईसी में अलग-थलग करने की कोशिशें हुईं। फिर भी, ईरान ने इस संगठन में अपनी सक्रियता कभी कम नहीं होने दी। वह फिलिस्तीन के समर्थन, कश्मीर मुद्दे और इस्लामोफोबिया के खिलाफ लगातार मुखर रहा। हाल के वर्षों में, खासकर 2024-2025 में इजराइल के साथ बढ़ते तनाव और ईरान पर हुए हमलों के बाद उसने ईरान ओआईसी से मजबूत एकजुटता की मांग की। कतर, मलेशिया, इंडोनेशिया और तुर्की जैसे देशों ने कई बार ईरान के पक्ष में आवाज उठाई, लेकिन सऊदी अरब और उसके सहयोगियों के प्रभाव के कारण संगठन अक्सर निर्णायक कार्रवाई करने में असमर्थ रहा।

सुन्नी देशों के साथ तनाव

ईरान ओआईसी को मुस्लिम दुनिया की एकता का मंच मानता है, लेकिन ईरान की स्थिति प्रभावशाली तो है, परंतु पूर्ण नेतृत्व वाली नहीं है। आज ईरान के प्रमुख सहयोगी हैं: लेबनान में हिजबुल्लाह, गाजा में हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद, यमन में हूती, इराक में पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज। ये समूह ईरान को इजराइल और अमेरिका के खिलाफ 'प्रतिरोध' प्रदान करते हैं। ईरान रूस और चीन के भी करीब है, जो उसे प्रतिबंधों से बचाने में मदद करते हैं। दूसरी ओर, उसका सुन्नी देशों के साथ तनाव जारी है। सऊदी अरब के साथ यमन युद्ध और इराक में प्रभाव की लड़ाई ने संबंधों को बिगाड़ा है। हालांकि, 2023 में चीन की मध्यस्थता से कुछ सामान्यीकरण हुआ, लेकिन इजराइल-हमास युद्ध ने फिर तनाव बढ़ाया। ईरान खुद को मुस्लिम दुनिया का रक्षक बताता है, लेकिन कई राष्ट्र उसे संदेह की नजर से देखते हैं।

देश में विरोध प्रदर्शन

उनका मानना है कि वह क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाता है। ईरान में आजकल चल रही उथल-पुथल इस्लामिक दुनिया के साथ उसके संबंधों को और जटिल बना रही है। दिसंबर से तेहरान के ग्रैंड बाजार में दुकानदारों की हड़ताल से शुरू हुए विरोध प्रदर्शन तेजी से देशव्यापी हो गए, सभी 31 प्रांतों में फैल गए। शुरुआत में मुद्रा (रियाल) के पतन और 40% महंगाई के खिलाफ थे, लेकिन जल्दी ही राजनीतिक हो गए। प्रदर्शनकारी देश के शिखर नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ नारे लगा रहे हैं, रेजा पहलवी (पूर्व शाह के पुत्र) के पक्ष में चिल्ला रहे हैं, और शासन के अंत की मांग कर रहे हैं।

रूस-चीन की दिलचस्पी सैनिक कार्रवाई में नहीं

मुद्दा
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

साल 2026 के तीसरे ही दिन अमेरिका ने जिस तरह वेनेजुएला के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की, उसके बाद से विशेषकर सैनिक रूप से कमजोर देशों में चिंता की लहर है। अमेरिका के सर्वोच्च पद पर डोनॉल्ड ट्रंप के रहते ऐसी चिंताएं स्वाभाविक भी हैं। जिस तरह अपने ही खेमे के देश डेनमार्क के ग्रीनलैंड द्वीप पर ट्रंप ने अपनी नजर टिका रखी है, उससे दुनिया को चिंतित होना ही चाहिए। ऐसे में विश्व की निगाह दुनिया के सैनिक रूप से दूसरे शक्तिशाली देश रूस और आर्थिक रूप से दूसरे और सैनिक रूप से तीसरे ताकतवर देश चीन पर लगना स्वाभाविक है। दोनों ही देशों ने वेनेजुएला पर जिस तरह रस्मी प्रतिक्रिया जताई है, उससे लगता नहीं कि वे भविष्य में ऐसी अमेरिकी कार्रवाइयों के खिलाफ अपने मित्र देशों के पक्ष में खड़े होंगे।

जब तक सोवियत संघ अस्तित्व में रहा, कम से कम दुनिया के कमजोर और साधनहीन देशों को उम्मीद रहती थी कि अगर अमेरिका ने उनकी ओर आंख तरेरी तो सोवियत संघ का साथ मिलेगा और अगर सोवियत संघ ने निगाहें तीखी कीं तो अमेरिका उसकी मदद करने पहुंचेगा। सोवियत संघ के विघटन के बाद उसका सबसे बड़ा हिस्सा रूस शक्तिशाली तो बना रहा है, लेकिन मौजूदा अमेरिका-ब्रिटेन प्रेरित-पोषित आर्थिक दुनिया में सोवियत संघ जैसी ताकत बना नहीं रह सका। बेशक डॉलर, सोवियत और आज के रूस की मुद्रा रूबल की तुलना में ताकतवर था, लेकिन ऐसा भी नहीं था कि आर्थिक रूप से पूरी दुनिया को नियंत्रित कर सके। आज आर्थिक क्षेत्र में डॉलर को कोई चुनौती नहीं है। ब्रिक्स देशों ने अपनी-अपनी मुद्राओं को आपसी आर्थिक व्यवहार में आगे बढ़ाने की कोशिश तो की है, हालांकि वह डॉलर को चुनौती देने की स्थिति में नहीं आ पाई हैं। अमेरिका जानता है कि उसकी आर्थिक ताकत को बड़े स्तर पर चुनौती देने की हालत में दुनिया की दूसरी यानी चीन की अर्थव्यवस्था नहीं है, इसलिए ट्रंप बेफिक्र होकर कभी मैक्सिको को अपना उपनिवेश बनाने की वकालत करते हैं तो कभी कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का ऐलान करते हैं। ग्रीनलैंड पर निगाह और वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई उनकी इसी सोच का विस्तार है। वेनेजुएला पर कार्रवाई को लेकर रूस और चीन ने चिंताएं तो जाहिर कीं, लेकिन वे वेनेजुएला को सैनिक सहयोग करने के लिए इच्छुक नहीं दिखे। इसकी मोटे तौर पर दो वजहें सामने आती हैं। वेनेजुएला से रूस ने 2010 में समझौता तो किया, लेकिन वह रणनीतिक, तकनीकी और आर्थिक मामलों पर केंद्रित है। सैनिक सहयोग की बात उसमें नहीं है। दिलचस्प यह है कि वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार का सबसे ज्यादा फायदा उठाने वाला चीन भी इस मामले में उसको सैनिक सहयोग करने से दूर है। वेनेजुएला के तेल निर्यात का 50 से 89 प्रतिशत तक हिस्सा सिर्फ चीन जाता था। इसके बावजूद वह वेनेजुएला को सैनिक सहायता देने से हिचक रहा है। इसकी वजह यह है कि चीन की नीतियां कम से कम एशिया से बाहर सिर्फ और सिर्फ आर्थिक मुद्दों पर ही टिकी हैं। ट्रंप काल में अमेरिका से कारोबारी मुद्दे पर उसकी ठनी हुई है। जिसे वह सहज करने की कोशिश में है, इसलिए वह कोई ऐसा कदम नहीं उठाना चाहता, जिससे अमेरिका से उसके कारोबारी रिश्तों पर असर पड़े। चीन की पूरी कोशिश है कि अमेरिका से जारी व्यापार युद्ध को खत्म करे। उसकी कोशिश किसी तरह अमेरिका को खुश करने की भी होगी, ताकि वेनेजुएला से वह पहले की तरह तेल का भारी आयात कर सके। वेनेजुएला के मसले पर रूस की भी स्थिति बहुत बेहतर नहीं है। रूस यूक्रेन में फंसा हुआ है। वेनेजुएला से रूस की रणनीतिक संधि तो है, लेकिन उसमें साझा रक्षा का जिक्र नहीं है। फिर रूस के संसाधन, सेना, सैन्य उपकरण आदि यूक्रेन युद्ध में लगे हुए हैं। ऐसे में अगर वह वेनेजुएला का सैन्य सहयोग करता है तो एक तरह से अमेरिका के खिलाफ नया मोर्चा खोलना होगा। रूस इस वजह से बचना चाहता है, इसीलिए जब रूसी झंडा लगे पोत को अमेरिकी सेना ने रोका तो रूस ने सिर्फ अमेरिका से रूसी नागरिकों की हिफाजत और उन्हें छोड़ने की अपील ही की। जाहिर है कि लगातार अर्थकेंद्रित होती दुनिया में देशों की प्राथमिकताएं बदल गई हैं। रूस और चीन इसी मानस से ग्रस्त हैं, इसीलिए वेनेजुएला ही नहीं, ऐसे अपने किसी और साथी के सहयोग के लिए सक्रिय रूप से सामने आने में अब उनकी दिलचस्पी नहीं है। ऐसे में दुनिया, विशेषकर अमेरिकी कोप से आशंकित देशों को चिंतित होने की जरूरत है। उन्हें वैकल्पिक राह भी तलाशनी होगी।

वेनेजुएला के तेल निर्यात का 50 से 89 प्रतिशत तक हिस्सा सिर्फ चीन जाता था। इसके बावजूद वह वेनेजुएला को सैनिक सहायता देने से हिचक रहा है। इसकी वजह यह है कि चीन की नीतियां कम से कम एशिया से बाहर सिर्फ और सिर्फ आर्थिक मुद्दों पर ही टिकी हैं।

पर्शिया से ईरान बनने तक : सत्ता संस्कृति और संघर्ष की गाथा

सफरनामा
सेंट्रल डेस्क

आज जिसे दुनिया ईरान के नाम से जानती है, वह सदियों तक पर्शिया या फारस कहलाता रहा। दिलचस्प तथ्य यह है कि देश के भीतर इसे हमेशा ईरान ही कहा गया, नाम बदला तो केवल बाहरी दुनिया की दृष्टि में। इसका नाम चाहे जो रहा हो, इस भूभाग की शक्ति, संस्कृति और महत्व कभी कम नहीं हुए। इतिहास के पन्ने पलटकर देखें तो ईरान की सभ्यता लगभग चार हजार वर्ष पुरानी है। इलेमाइट, अस्सीरियन और मेडियन सभ्यताओं के बाद हमदान राजधानी बना और यहीं से संगठित राजशाही की नींव पड़ी। इसी परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाई सायरस द ग्रेट ने, जिन्होंने एकेमेनिड साम्राज्य खड़ा किया। उनका साम्राज्य पूर्वी यूरोप से लेकर सिंधु नदी तक फैला था। सायरस केवल विजेता नहीं थे, वे कुशल प्रशासक भी थे। क्षत्रप प्रणाली, धार्मिक सहिष्णुता और यहूदियों की मुक्ति जैसे फैसलों ने उन्हें इतिहास में विशिष्ट स्थान दिलाया। भारत और फारस के भाषाई और सांस्कृतिक रिश्ते भी इसी दौर में मजबूत हुए।

सायरस के उत्तराधिकारी डेरियस द ग्रेट के समय फारस दुनिया की लगभग आधी आबादी पर शासन करता था। भारत को 'हिंदुस्तान' नाम देने का श्रेय भी इसी काल को जाता है। हालांकि ग्रीस पर आक्रमण फारस की वह रणनीतिक भूल साबित हुई, जिसने साम्राज्य की नींव हिला दी। 331 ईसा पूर्व में सिकंदर ने डेरियस तृतीय को हराकर पर्शिया पर अधिकार कर लिया। यह जीत केवल सत्ता परिवर्तन नहीं थी, बल्कि एक युग के अंत का संकेत थी। सिकंदर के बाद सेल्युकिड और पार्थियन आए, लेकिन फारसी गौरव का पुनरुत्थान सासानी वंश में हुआ। शापुर प्रथम ने रोमन सम्राट वैलेरियन को बंदी बनाकर रोम की अजेयता के मिथक को तोड़ा। इसके बाद सातवीं सदी में इस्लाम का आगमन हुआ। अरब विजय के साथ जोरोस्ट्रियन धर्म पर दबाव बढ़ा और यही समुदाय आगे चलकर पारसी कहलाया। जीवन रक्षा के लिए इन लोगों का भारत आगमन हुआ, जिसने भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता को नई पहचान दी।

सिकंदर की अंगूठी, शाहनामा की गाथाएं और शाह की ताजपोशी आज भी ईरान की राजनीति और चेतना में एक साथ जीवित हैं।

मध्यकाल में फारसी भाषा और संस्कृति ने फिर उन्नति की। फिरदौसी की शाहनामा ने ईरान को उसकी ऐतिहासिक स्मृति लौटाई, लेकिन मंगोल आक्रमणों ने इस समृद्धि को तहस-नहस कर दिया। चंगेज खान और बाद में तैमूर के हमलों ने फारस और भारत दोनों को गहरे घाव दिए, जिनकी छाप सदियों तक बनी रही। आधुनिक ईरान की पहचान सफवी वंश के शिया धर्म को राज्य धर्म बनाने से बनी। यही कारण है कि आज ईरान शिया इस्लाम का केंद्र है। नादिर शाह के दिल्ली आक्रमण ने मुगल साम्राज्य के पतन को तेज किया और भारतीय इतिहास की दिशा बदल दी। उन्नीसवीं सदी में पर्शिया ब्रिटेन और रूस की साम्राज्यवादी राजनीति में उलझ गया। 1935 में रेजा शाह पहलवी ने देश का आधिकारिक नाम ईरान किया। तेल के राष्ट्रीयकरण और 1953 के अमेरिकी-समर्थित तख्तापलट ने ईरान की राजनीति को निर्णायक रूप से प्रभावित किया। शाह की भव्यता और जनता की बदहाली के बीच खाई बढ़ती गई। 1979 की इस्लामी क्रांति ने राजशाही का अंत कर दिया, लेकिन स्थायी स्थिरता नहीं दे सकी। आज ईरान एक बार फिर अपने अतीत और वर्तमान के बीच झूल रहा है। इतिहास गवाह है कि यह देश जितनी बार आगे बढ़ा, उतनी बार उसका अतीत उसके सामने खड़ा हो गया। शायद यही कारण है कि सिकंदर की अंगूठी, शाहनामा की गाथाएं और शाह की ताजपोशी आज भी ईरान की राजनीति और चेतना में एक साथ जीवित हैं। गौरतलब है कि ईरान में पिछले दो हफ्तों से विरोध प्रदर्शनो जारी हैं। इनकी वजह से वहां की स्थिति अब भी तनावपूर्ण बनी हुई है। बताया जा रहा है कि इन विरोध प्रदर्शनों में अब तक करीब 114 सरकारी अधिकारी व कर्मचारी भी मारे गए हैं। हालांकि, सही संख्या का जानना मुश्किल है क्योंकि देश में अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों पर पाबंदियां हैं।

तेल बाजारों के लिए कितने मायने रखता है ईरान का भविष्य

अराजकता
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

ईरान में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल भारत के लिए सिर्फ एक विदेशी संकट नहीं है, बल्कि यह भारत की सुरक्षा, व्यापार और रणनीति से सीधे जुड़ा मामला बनता जा रहा है। ईरान और भारत के रिश्ते दशकों पुराने हैं।

ये रिश्ते सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं, बल्कि भूगोल, रणनीतिक संतुलन और क्षेत्रीय पहुंच से जुड़े हैं। अगर ईरान कमजोर हुआ या वहां सत्ता परिवर्तन हुआ, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान भारत को हो सकता है। भारत के लिए ईरान सिर्फ एक देश नहीं, बल्कि पश्चिम की ओर खुलने वाला एकमात्र भरोसेमंद दरवाजा है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान और मध्य एशिया के लिए भारत के जमीनी रास्ते बंद कर रखे हैं। ऐसे में ईरान ही भारत को उस क्षेत्र से जोड़ता है, जहां से ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक पहुंच मिलती है। ट्रंप की अतिवादी नीतियों ने जिस तरह ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसे आर्थिक रूप से कमजोर बनाने का खेल शुरू किया है, यह सीधे तौर पर भारत के लिए भी एक और मुसीबत खड़ी कर सकता है। अगर ईरान की स्थिति नियंत्रण से बाहर होती है, तो इससे वैश्विक स्तर पर तेल और वित्तीय बाजारों पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा। वेनेजुएला में निकोलस मादुरो को हटाए जाने के बाद ऐसा नहीं हुआ था, लेकिन ईरान के मामले ने सभी को चिंता में डाल दिया है क्योंकि ईरान, वेनेजुएला की तुलना में चार गुना अधिक तेल का उत्पादन करता है। ओपेक देशों में ईरान तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है। दुनिया की कुल तेल मांग का लगभग चार फीसदी हिस्सा ईरान से आता है, जबकि वेनेजुएला सिर्फ एक फीसदी ही उत्पादन करता है। संघर्ष के समय में इतिहास इसका गवाह रहा है। फिलहाल, बाजार 'इंतजार करो और देखो' की स्थिति में है। क्रूड की कीमतों में उथल-पुथल का असर भारत पर सीधे पड़ता है। भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा आयात से पूरा करता है। इस भारी निर्भरता के कारण उसे अपने विदेशी मुद्रा भंडार का काफी बड़ा खर्च इस पर करना पड़ता है। इससे भारत का इंपोर्ट बिल बढ़ता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जरा भी तेजी भारत में पेट्रोल, डीजल और माल ढुलाई की लागत बढ़ा देती है। दूसरी तरफ, हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। सत्ता परिवर्तन के संक्रमण काल में भारत को अमेरिका और ईरान के बीच संतुलन बनाना बहुत कठिन हो सकता है। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण चोक प्वाइंट बना हुआ है। यहां से वैश्विक एलएनजी व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत और कच्चे तेल के निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है। ईरान इस रास्ते को बंद कर सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास किसी भी तरह की बाधा से इराक, सऊदी अरब और यूएई से तेल की खेप प्रभावित हो सकती है। इस रास्ते में बाधा आने से तेल लाने की लागत बढ़ जाएगी। इससे समय के साथ-साथ लागत के मामले में भारत के निर्यात को नुकसान हो सकता है।

भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा तेल आयात से पूरा करता है। इस भारी निर्भरता के कारण उसे अपने विदेशी मुद्रा भंडार का काफी बड़ा खर्च इस पर करना पड़ता है।

साफ है, यदि सत्ता परिवर्तन हिंसक होता है तो ईरान में लंबे समय तक अस्थिरता रह सकती है। इससे भारत के करोड़ों डॉलर के निवेश अधर में लटक सकते हैं। वर्तमान में अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत ईरान से तेल नहीं खरीद पा रहा है। यदि नई सरकार आती है और अमेरिका के साथ उसके संबंध सुधरते हैं, तो भारत को फिर से ईरान से सस्ता और गुणवत्तापूर्ण कच्चा तेल मिल सकेगा। इसमें कोई संदेह नहीं स्थिर ईरान भारत के लिए बहुत मायने रखता है। ईरान में सत्ता परिवर्तन यदि लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से होता है तो यह भारत के लिए दीर्घकालिक लाभ लेकर आएगा।

आंतरिक और बाह्य संकटों में उलझा ईरान

विरोध
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

इस समय ईरान गहन आंतरिक तथा बाह्य संकटों में उलझा हुआ है। गत वर्ष जून में अमेरिका के साथ प्रक्षेपास्त्रीय युद्ध में अपनी सामरिक शक्तियों के ध्वस्त होने के बाद इस देश में अर्थव्यवस्था का भी तीव्र पतन हुआ। ईरान की सबसे बड़ी समस्या आर्थिक बदहाली और राजनीतिक कठोरता का मिश्रण है। दशकों से लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। यहां मुद्रास्फीति उच्च स्तर पर है। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। ईरानी रियाल का मूल्य निरंतर कम हो रहा है। सबसे बड़ी समस्या जो इस देश में है, वो 'इस्लामिक रिपब्लिक' शासन व्यवस्था है। यह शासन लोकोपकारी भूमिका में है ही नहीं। शासकीय कुव्यवस्था ने नागरिकों की स्वतंत्रता छीन ली है।

नागरिक, विशेषकर युवा पीढ़ी, कठोर मजहबी प्रतिबंधों एवं सामाजिक कानूनों के प्रति विद्रोही हैं। लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से अति असंतुष्ट हैं। ईरान के नवीन आंदोलनों की सबसे बड़ी लहर 2022 में महसा अमीनी की मौत के बाद शुरू हुई थी, जिसे ठीक से 'हिजाब' न पहनने के कारण नैतिकता प्रबंधन पुलिस ने अभिरक्षा में लिया था। हालांकि, इन दिनों के जनप्रदर्शन केवल हिजाब-प्रकरण तक सीमित नहीं रहे, बल्कि इनके होने के पीछे अनेक कारण हैं। व्यक्तिगत स्वतंत्रता इनमें प्रमुख है।

स्त्रियां एवं युवा 'स्त्री, जीवन, स्वतंत्रता' नारे के साथ व्यक्तिगत अधिकारों की मांग कर रहे हैं। भ्रष्टाचार व शासकीय कुप्रबंधन ने भी जन विद्रोह में वृद्धि की है। जनता पूर्णतः आश्वस्त है कि देश के संसाधन आम लोगों के कल्याण की तुलना में विदेशी संघर्षों तथा सत्ता संरक्षण में निर्धारित हैं। यही कारण है कि प्रदर्शनकारी अब केवल शासन पद्धति में सुधार नहीं, बल्कि धार्मिक नेतृत्व के अंत की कठोर मांग भी कर रहे हैं। अमेरिका तो ईरान के पीछे तब ही से पड़ा हुआ है, जब से उसे ईरान में परमाणु अस्त्रों के प्रथम परीक्षण की भनक लगी थी। जहां ईरान स्वभूमि पर विद्यमान प्राकृतिक तेल भंडारों की सुरक्षा के लिए सामरिक शक्तियों से संचित होने की कामना से भरा रहा है, वहीं अमेरिका की मंशा आरंभ से ही इस कोण पर केंद्रित रही है कि ईरान को स्वतंत्र रूप में परमाणु अस्त्र की शक्ति से संपन्न नहीं होने देना है, क्योंकि ऐसा हो जाने पर अमेरिका उसके तेल संसाधनों का मनमाना दोहन नहीं कर सकेगा। अपने इस दृष्टिकोण को विश्व में स्वीकार्यता देने के उद्देश्य से वह ईरान के इन आंदोलनों को अपने स्तर पर तीव्र कर रहा है। वह इन्हें 'लोकतंत्र के समर्थन' के रूप में प्रचारित कर रहा है। अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहता है। वह अमेरिकी नेतृत्व वाले पश्चिमी हितों के अनुकूल नवशासन स्थापित कर ऐसे शासन के माध्यम से ईरानी परमाणु कार्यक्रमों को पूरी तरह बंद करवाना चाहता है।

अमेरिका की मंशा यह रही कि ईरान को स्वतंत्र रूप में परमाणु अस्त्र की शक्ति से संपन्न नहीं होने देना है, क्योंकि वह उसके तेल संसाधनों का मनमाना दोहन नहीं कर सकेगा।

अमेरिकी कामना ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव को कम करने की भी है। चूंकि ईरान मध्य पूर्व में इजरायल और सऊदी अरब का कट्टर प्रतिद्वंद्वी है। अमेरिका इस स्थिति का सामरिक, आर्थिक व राजनीतिक लाभार्जन चाहता है। वह आंदोलनों व जनप्रदर्शनों के माध्यम से ईरान के प्रभाव को सीमित करना चाहता है। अमेरिका आंदोलनों की आड़ में अत्यधिक कठोर प्रतिबंध लगाकर ईरानी शासन पर दबाव बनाना चाहता है ताकि वह परमाणु समझौते पर सीधे-सीधे उसकी शर्तों को मान ले। प्रत्यक्ष रूप में भारत भले ही ईरान-प्रकरण पर तटस्थ प्रतीत हो, किंतु अनेक स्तर पर स्वहितों की रक्षा हेतु भारत, आंदोलनकारी स्थितियों को नियंत्रित करने की दिशा में ईरान के साथ कूटनीतिक विमर्श में सम्मिलित है। यदि हमारे व ईरान के संबंधों को देखें तो इनका सबसे बड़ा आधार आर्थिक व व्यापारिक है। वैसे दोनों देशों के संबंध ऐतिहासिक और रणनीतिक रूप में भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण रहे हैं। ऊर्जा सुरक्षा दोनों के संबंधों का एक विशाल सेतु रही है। एक समय में ईरान, भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता था।

हालांकि, अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत का ईरान से तेल आयात कम हो गया है, परंतु तब भी दोनों ओर से ऊर्जा सहयोग की संभावनाएं बनी हुई हैं। ईरान स्थित चाबहार पोर्ट भारत के लिए अर्थनीतिक रूप में सबसे महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके माध्यम से भारत पाकिस्तान के पारगमन मार्ग को अनस्तित्व कर अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधी पहुंच बनाता है। इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर अर्थात व्यापार मार्ग रूस और यूरोप तक पहुंचने के लिए भारत और ईरान के बीच एक प्रमुख कड़ी है।

भारत व पारंपरिक ईरान के बीच सांस्कृतिक सह-संबंध भी था। दोनों देशों में प्राचीन भाषायी एवं सांस्कृतिक समानताएं हैं, जो द्विपक्षीय आधुनिक कूटनीति को शक्तिसंपन्न करती है। इस आधार पर भारत आंदोलन के कारण हिंसक, अस्थिर तथा अस्त-व्यस्त ईरान के हितों की रक्षा हेतु कूटनीतिक पहल कर सकता है।

बिजनेस साइट

राडा ऑटो एक्सपो 2026: नई कारों की बौछार और टैक्स में बड़ी राहत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर एक बार फिर ऑटोमोबाइल उद्योग के सबसे बड़े आयोजन की साक्षी बनने जा रही है। रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (राडा) की ओर से आयोजित 'राडा ऑटो एक्सपो-2026' का भव्य आयोजन 20 जनवरी से 5 फरवरी तक श्रीराम बिजनेस पार्क (ऑटो एक्सपो ग्राउंड) में किया जाएगा। 17 दिवसीय यह मेगा इवेंट मध्य भारत का सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल मेला माना जा रहा है। इस अवसर को और भी खास बनाते हुए छत्तीसगढ़ शासन के परिवहन विभाग ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए ऑटो एक्सपो ग्राउंड से खरीदे जाने वाले वाहनों पर लाइफटाइम रोड टैक्स में 50 प्रतिशत की छूट की घोषणा की है। इस फैसले से मध्यम वर्गीय परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी और वाहन खरीदना पहले से कहीं अधिक आसान होगा। राडा ने इसे ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए 'गेम चेंजर' बताया है। एक्सपो का औपचारिक उद्घाटन 21 जनवरी को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वित्त मंत्री ओपी चौधरी और परिवहन मंत्री केदार कश्यप सहित कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति प्रस्तावित है। राडा अध्यक्ष रविंद्र भसीन के अनुसार पिछले एक्सपो में 29 हजार से अधिक वाहनों की बिक्री हुई थी, जिससे सरकार को 800 करोड़ रुपए से ज्यादा का जीएसटी राजस्व मिला। इस वर्ष टैक्स छूट के चलते 50 हजार से अधिक वाहनों की बिक्री का लक्ष्य रखा गया है। एक्सपो में देश-विदेश की प्रमुख कंपनियों के नवीनतम मॉडल, इलेक्ट्रिक वाहन, आसान फाइनेंस, ऑन-द-स्पॉट बुकिंग और इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। राडा ने प्रदेशवासियों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

अविनाश ट्विन सिटी फेज-2 की भव्य लॉन्चिंग

रायपुर। ग्रेटर रायपुर क्षेत्र में स्थित अविनाश ट्विन सिटी फेज-2 एक्सटेंशन की भव्य लॉन्चिंग हुई। इस अवसर पर चेयरमैन अरुण सिंघानिया, डायरेक्टर्स मुकेश सिंघानिया, सुनील अग्रवाल, विजय अग्रवाल, कन्हैया अग्रवाल, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट रमेश सिंह, मृत्युंजय सुधाकर, जीएम सेल्स राकेश कौशिक, साइट सेल्स हेड डी. राघवेंद्र कृष्णा एवं अविनाश ग्रुप के स्टाफ और कस्टमर भी उपस्थित रहे। लॉन्चिंग कार्यक्रम में 500 से अधिक नए रेजिडेंशियल प्लॉट्स प्रस्तुत किए गए। लगभग 250 एकड़ में विकसित की जा रही यह मेगा टाउनशिप सुव्यवस्थित प्लानिंग और आधुनिक जीवनशैली का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जा रही है। एनएच-53 पर कुम्हारी टोल प्लाजा के समीप स्थित होने के कारण इस प्रोजेक्ट को बेहतरीन रोड कनेक्टिविटी का लाभ प्राप्त है। साथ ही भविष्य के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और क्षेत्र में तेजी से बढ़ती रियल एस्टेट वैल्यू इसे निवेशकों एवं गृह खरीदारों दोनों के लिए आकर्षक विकल्प बनाती है। अविनाश ट्विन सिटी को अब तक 1000 से अधिक परिवारों का भरोसा मिल चुका है, जिन्होंने यहां बुकिंग कर परियोजना की गुणवत्ता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर अपनी मुहर लगाई है। यह प्रोजेक्ट रेरा अप्रूव्ड है और इसे छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित अविनाश ग्रुप द्वारा विकसित किया जा रहा है।

500+ नए रेजिडेंशियल प्लॉट्स उपलब्ध

24-25 जनवरी को स्वास्तिक ग्रुप के नए लक्जरी प्रोजेक्ट 'फ्लोरिया' का भव्य लॉन्च

रायपुर। शहर के तेजी से विकसित होते प्राइम लोकेशन सड्डू क्षेत्र में अब एक नया लक्जरी रेजिडेंशियल डेस्टिनेशन साकार होने जा रहा है। प्रतिष्ठित स्वास्तिक ग्रुप अपने बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट 'फ्लोरिया' की भव्य ग्रैंड लॉन्चिंग 24 एवं 25 जनवरी को डेकाथलन के पीछे, सड्डू (अंबुजा मॉल के पास) स्थित प्रोजेक्ट साइट पर करने जा रहा है। इस अवसर पर स्वास्तिक ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर सुनील साहू ने बताया कि नए वर्ष में ग्रुप ने हर महीने एक नए प्रोजेक्ट की लॉन्चिंग का लक्ष्य तय किया है, जिसकी सशक्त शुरुआत जनवरी माह में 'फ्लोरिया' प्रोजेक्ट से की जा रही है। उन्होंने कहा कि फ्लोरिया उन लोगों के लिए डिजाइन किया गया है जो प्रीमियम लोकेशन, एक्सक्लूसिव डिजाइन और अल्ट्रा लक्जरी लाइफस्टाइल की तलाश में हैं। फ्लोरिया प्रोजेक्ट में सीमित यूनिट्स के साथ विशेष पेशकश की गई है, जिसमें 1100 से 2000 वर्गफीट के केवल 60 प्रीमियम प्लॉट, 3 एवं 4 बीएचके के 84 अल्ट्रा लक्ज़री फ्लैट उपलब्ध होंगे। सीमित उपलब्धता के कारण 'पहले आएं, पहले पाएं' के आधार पर बुकिंग की जाएगी।

सार्वजनिक घोषणा

(लैंको इन्फ्राटेक लिमिटेड, माननीय NCLT हैदराबाद द्वारा स्वीकृत अधिग्रहण योजना के कार्यान्वयन के तहत, आदेश दिनांक: 26.09.2022 के अनुसार
L.A. No. 5 No. 561 of 2021 in CP (IB) 111/07/HDB/2017)

1.	कंपनी का नाम	लैंको इन्फ्राटेक लिमिटेड
2.	निगमन की तारीख	26/03/1993
3.	वह अथॉरिटी जिसके तहत कंपनी को निगमित किया गया है	कंपनी रजिस्ट्रार-हैदराबाद
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या	U45200TG1993PLC015545
5.	पंजीकृत कार्यालय का पता	एफ-2, दूसरी मंजिल, नैना रेजीडेंसी, प्लॉट नंबर-344, रोड नंबर 07, काकतीय हिल्स, माधापुर, हैदराबाद-500081, तेलंगाना।
6.	ईएमडी के भुगतान की अंतिम तिथि	29 जनवरी 2026 समय: 15.00 बजे ईएमडी का भुगतान लैंको इंफ्राटेक लिमिटेड - डेजिग्नेटेड बैंक अकाउंट के पक्ष में किया जाएगा, चालू खाता संख्या-0126102000003780 IFSC-IBKL0000126
7.	बोली लगाने वाले की प्रोफाइल जमा करने की अंतिम तिथि	29 जनवरी 2026 समय: 15.00 बजे, प्रस्तुति इस प्रकार किए जाएंगे। (i) ई-ऑक्शन पोर्टल/Rpad/Spad/Email के माध्यम से: F-2, दूसरी मंजिल, नैना रेजिडेंसी, प्लॉट नंबर-344, रोड नंबर 07, काकतिया हिल्स, माधापुर, हैदराबाद -500081, तेलंगाना। ईमेल द्वारा: <Info@lancogroup.com> (या) <Info@krsepl.com>
8.	ई-नीलामी की तारीख	31/01/2026 समय: 11.00 बजे
9.	निरीक्षण की तारीख	यह जानकारी <info@lancogroup.com> (या) <info@krsepl.com> पर ईमेल करके रिक्वेस्ट करने पर मिलेगी।
10.	लॉट का विवरण साथ ही आरक्षित मूल्य एवं ईएमडी	अनुसूची ए (see below)
11.	प्रक्रिया दस्तावेज प्राप्त करने का तरीका	संभावित आवेदकों से अनुरोध है कि वे प्रोसेस डॉक्यूमेंट के लिए "info@lancogroup.com (या) Info@krsepl.com" पर ईमेल भेजें, जिसका डॉक्यूमेंट कॉस्ट 1000/- (सिर्फ एक हज़ार रुपये) है, जो RTGS/NEFT/IMPS द्वारा "lanco Infratech Limited Account" के नाम पर देय है। नामित बैंक चालू खाता संख्या-0126102000003780 IFSC-IBKL0000126
12.	प्रक्रिया दस्तावेज जारी करने की अंतिम तिथि	24 जनवरी 2026, शनिवार को या उससे पहले
13.	विषय - वस्तु	माननीय नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल, हैदराबाद द्वारा 26.09.2022 के आदेश, 03.12.2025 के जॉइंट मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग, और लैंको इन्फ्राटेक लिमिटेड (LITL) द्वारा पारित प्रस्तावों के अनुसार, कंपनी भारत भर में निम्नलिखित साइटों पर स्थित पहचाने गए फिजिकल एसेट्स की बिक्री के लिए योग्य बोलीदाताओं से एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (EOI)/बोली आमंत्रित करती है: वर्धा (महाराष्ट्र), कोराडी (महाराष्ट्र), एन्नोर (तमिलनाडु), फाटा और अन्य स्थान। बिक्री "जैसा है, जहां है, जैसा है वैसा ही और जो कुछ भी है, बिना किसी शर्त के" आधार पर ऑनलाइन ई-नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से की जाएगी।

अनुसूची ए

लॉट नं.	संपत्तियों वाली साइटों का स्थान	आरक्षित मूल्य (भारतीय रू. में)	ईएमडी राशि (भारतीय रू. में)
लॉट नं.I	वर्धा, नागपुर	₹2,00,65,000	₹20,06,500
लॉट नं.II	करोडी, महाजेनको	₹2,01,71,500	₹20,17,200
लॉट नं.III	एननोर, टैंगेडको	₹3,91,05,000	₹39,10,500
लॉट नं.IV	फाटा, रुद्रप्रयाग	₹1,36,16,411	₹13,62,000
लॉट नं.V	अन्य साइट्स	₹3,44,00,000	₹34,40,000
अनुसूची बी			
लॉट नं.VI	लॉट नं. I से V सभी साइट्स	₹12,73,57,911	₹1,27,36,200

-बोली लगाने वाले लॉट नंबर I से लॉट V में बताए गए लॉट के साथ-साथ लॉट VI के लिए भी अलग-अलग बोली लगा सकते हैं।
-यह साफ किया जाता है कि लॉट VI के लिए मिली बोलियों को अलग-अलग लॉट यानी लॉट I से लॉट V के लिए मिली बोलियों पर प्राथमिकता दी जाएगी।

ध्यान दें:
1) इसमें दी गई कोई भी बात कंपनी की बताई गई जगहों पर ऊपर बताई गई किसी भी संपत्ति को बेचने के लिए कोई बाध्यकारी प्रस्ताव या प्रतिबद्धता नहीं मानी जाएगी।
2) इस प्रक्रिया में भाग लेने वाले किसी भी इच्छुक आवेदक द्वारा किए गए किसी भी खर्च के लिए कंपनी किसी भी स्थिति में जिम्मेदार नहीं होगी।
3) कंपनी बिना कोई कारण बताए, किसी भी समय और किसी भी तरह से, इस आमंत्रण में संशोधन करने और/या इसे रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखती है।

कृते-लैंको इन्फ्राटेक लिमिटेड

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड दिला सकते हैं बेहतर रिटर्न

- इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमाने का मौका
- निवेश करने से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय करें

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन हो सकते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों में निवेश कर बाजार की अस्थिरता का असर कम करते हैं, जिससे लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इसलिए आप भी इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि निवेश से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय कर लें। इसके बाद ही निवेया का फैसला लें, वरना कई बार परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले साल में बाजार सतर्क रह सकता है, ऐसे में हाइब्रिड फंड निवेशकों को स्थिर रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं।

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड क्या हैं

एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड ऐसे फंड होते हैं, जो इक्विटी (शेयर बाजार) और डेट (बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूतियां, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट) दोनों में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि इनमें 65% से 80% तक का निवेश इक्विटी में किया जाता है, जबकि शेष 20% से 35% तक डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है। इक्विटी में ज्यादा निवेश होने की वजह से इन्हें इक्विटी फंड की तरह टैक्स बेनिफिट मिलता है, वहीं डेट का हिस्सा बाजार की अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसका फायदा यह है कि जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो डेट निवेश से नुकसान कम होता है। ऐसे फंड कंसर्वेटिव इक्विटी निवेशकों के लिए खास होते हैं, जो जोखिम लेने को तैयार हैं, लेकिन अत्यधिक उतार-चढ़ाव नहीं सह सकते। इससे लंबी अवधि में निवेशकों को धैर्यपूर्वक धन बढ़ाने का मौका मिलता है।

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए बेहतर ऑप्शन

लाभ और टैक्स की सुविधा

इन फंडों का एक बड़ा फायदा है नियमित प्रॉफिट बुकिंग। जब बाजार में इक्विटी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर स्टॉक्स बेचकर असाइनमेंट बनाए रखते हैं। यह लंबी अवधि में रिटर्न बढ़ाने में मदद करता है। व्यक्तिगत निवेशक अगर ऐसा करते हैं, तो 1 लाख रुपये से ज्यादा के लाभ पर टैक्स देना पड़ता है, जबकि म्यूचुअल फंड के निवेशकों को इस पर टैक्स की सुविधा मिलती है। हालांकि, नियमित डिविडेंड की उम्मीद से इन फंडों में निवेश करना उचित नहीं है।

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड कौन से हैं

पिछले कुछ वर्षों के प्रदर्शन, फंड मैनेजमेंट और रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न के आधार पर भारत में कई एग्रीसिव हाइब्रिड फंड निवेशकों के बीच पसंद किए जा रहे हैं। ये फंड निवेशकों को अच्छा मुना देने की क्षमता रखते हैं। इनमें निवेश करना भी ठीक रहता है। इनमें प्रमुख हैं।

- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड
- एसबीआई इक्विटी हाइब्रिड फंड
- कोटक इक्विटी हाइब्रिड फंड
- एचडीएफसी हाइब्रिड इक्विटी फंड
- यूटीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- क्वांट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- कनारा रोबेको इक्विटी हाइब्रिड फंड
- मिराए एसेट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड

इनमें निवेश करना फायदेमंद

अगर निवेशक शुद्ध इक्विटी फंड के उच्च जोखिम से बचना चाहते हैं, लेकिन फिक्स्ड डिपॉजिट या डेट फंड जैसे कम रिटर्न से संतुष्ट नहीं हैं, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड संतुलित विकल्प हैं।

इन फंड्स का उद्देश्य

- इक्विटी से ग्रोथ का लाभ मिले
- डेट से स्थिरता और सुरक्षा बनी रहे
- लंबी अवधि (5 से 7 साल या उससे अधिक) में इन फंड्स ने औसतन 10–14% तक का वार्षिक रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है, हालांकि रिटर्न बाजार स्थितियों पर निर्भर करता है।
- जब बाजार में ज्यादा उतार-चढ़ाव होता है, तब पूरी रकम इक्विटी में निवेश करना कई निवेशकों को असहज कर सकता है। ऐसे समय में एग्रीसिव हाइब्रिड फंड का डेट हिस्सा वोलैटिलिटी को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है।

यह भी रखें ध्यान

- ये फंड पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते
- बाजार में तेज गिरावट आने पर इनमें भी अस्थायी नुकसान हो सकता है
- शुद्ध इक्विटी फंड की तुलना में इनकी गिरावट अक्सर थोड़ी कम देखी जाती है। इसलिए जिन निवेशकों को बाजार की चाल समझने में दिक्कत होती है या जो भावनात्मक फैसले लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए ये फंड उपयोगी हो सकते हैं।

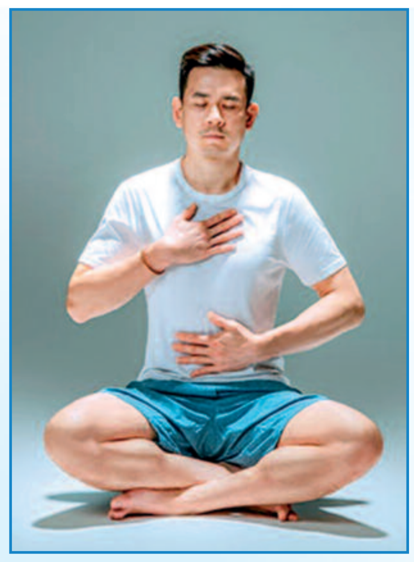

इन दिनों पूरी दुनिया में जेन जी की काफी चर्चा हो रही है। बिल्कुल युवा इस पीढ़ी का चीजों को देखने का, जीवन को जीने का अलग अंदाज है। ये हर तरह के दबाव, तनाव और बंदिशों से मुक्त होकर जीने के कायल हैं। निकट भविष्य में इनकी जीवनशैली, फैशन सेंस और उनके वर्क पैटर्न में कई बदलाव देखने को मिलेंगे।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आने वाले दिनों में बदल जाएगी जेन जी की लाइफस्टाइल

जेन जी का जिक्र आते ही उत्साह-उमंग से भरी युवा पीढ़ी की छवि मन में उभरती है। लेकिन कई मायने में यह जेनरेशन बहुत समझदार, व्यावहारिक और जीवन को पूरी तरह जीने में यकीन करती है। आने वाले दिनों में इनकी जीवनशैली, फैशन और कार्यशैली में कुछ नए बदलाव दिखेंगे।

कूल लाइफस्टाइल को महत्व: जेन जी के युवाओं का इंटेंशनल लिविंग पर जोर रहेगा। डिजिटल शोर से दूर रहने के लिए जेन जी, पुरानी आदतों जैसे हाथ से पत्र लिखना और शांतिपूर्ण व्यक्तिगत स्थान बनाने की ओर झुकाव दिखाएगी। वर्क कल्चर भी इस तरह बदलेगा कि वे अब केवल सैलरी नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ, फ्लेक्सिबल वर्क और अपने वैल्यूज के साथ मैच करने वाले काम को प्राथमिकता देंगे।

सबसे जरूरी हेल्थ-वेलनेस: बढ़ती मानसिक बीमारियों के बीच जेन जी के युवा फिजिकल से ज्यादा मेंटल हेल्थ को लेकर अवेयर रहेंगे। कुछ अध्ययन साबित करते हैं कि 92 प्रतिशत युवा कार्यस्थल और स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना चाहेंगे। युवा ऐसे भोजन और पेय पदार्थों की मांग करेंगे, जो न केवल स्वाद दें, बल्कि तनाव कम करने और ब्रेन हेल्थ मेंटेन करने में मदद करें। योग के साथ-साथ 'ब्रीदिंग टेक्नीक' (सांस लेने की तकनीक) तनाव प्रबंधन के लिए एक बड़ा ट्रेंड बनेगा।

टेक्नोफैशन का ट्रेंड: जल्द ही 'व्हाइट लग्जरी' (शांत विलासिता) का दौर खत्म होगा और जेन जी बोल्ड कलर्स, चमकदार एक्सेसरीज और लेयर्ड ड्रेसेस को अपनाएंगे। युवाओं में विंटेज ब्लेजर, ओवरसाइज्ड टर्टलनेक और मैसेंजर बैग जैसे 'राइटर लुक' का चलन बढ़ेगा। ड्रेस बनाने में नए मैटीरियल आजमाए जाएंगे। जैसे प्लांट बेस्ड फैब्रिक्स और स्मार्ट टेक हुडीज। 'स्मार्ट टेक हुडी' एक ऐसी ड्रेस है, जिसमें नई तकनीक या स्मार्ट फैब्रिक को आराम और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए शामिल किया जाता है, जो इसे सामान्य हुडी से अलग बनाता है। इन हुडीज में स्वास्थ्य की निगरानी करने वाले सेंसर या यात्रा के अनुकूल कई पॉकेट जैसी सुविधाएं हो सकती हैं। जैसे वियरेबल टेक्नोलॉजी के उपयोग से कुछ हाई-एंड स्मार्ट हुडीज में ऐसे सेंसर लगे होते हैं, जो बायोमेट्रिक और फिजिकल डेटा जैसे हृदय गति और तापमान को ट्रैक कर सकते हैं। ये अकसर ब्लूटूथ के माध्यम से स्मार्टफोन एप से जुड़ते हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी फिटनेस मेट्रिक्स की निगरानी कर सकते हैं। या फिर टेक्निकल फैब्रिक्स इस्तेमाल होंगे। जैसे कई 'टेक' हुडीज फाइन फैब्रिक से बनाई जाती हैं, जिनमें नमी सोखने, दुर्गंध-रोधी और दाग-धब्बे हटाने जैसी विशेषताएं होती हैं। ये विशेष रूप से एथलीटों और यात्रियों के लिए डिजाइन की जाती हैं ताकि उन्हें पूरे दिन आरामदायक

रखा जा सके। कुछ हुडीज को 'स्मार्ट' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनमें कई विशेष रूप से डिजाइन की गई पॉकेट्स होती हैं। कुछ कंपनियों की ट्रैवल हुडीज में 15 से अधिक पॉकेट्स होती हैं, जिनमें पासपोर्ट, पावर बैंक, धूप का चश्मा और पानी की बोतल रखने के लिए पॉकेट्स होते हैं।

प्रोफेशन में मेंटल पीस को प्रायोरिटी: आने वाले दिनों में जेन जी के लिए वर्क लाइफ बैलेंस और मानसिक स्वास्थ्य लाभ सर्वोच्च प्राथमिकता पर होंगे। लगभग 61 प्रतिशत जेन जी ऐसी नौकरी छोड़ने को तैयार होंगे, जो बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं देती हैं। केवल 23 प्रतिशत जेन जी ही पूरी तरह से रिमोट काम करना चाहेंगे, जबकि अधिकांश हाइब्रिड या ऑफिस में सहयोग को प्राथमिकता देंगे। एक अध्ययन के मुताबिक लगभग 44 प्रतिशत जेन जी उन नौकरी प्रस्तावों को अस्वीकार कर सकते हैं, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों या नैतिकता के खिलाफ होंगे। यह पीढ़ी जॉब सिक्योरिटी के लिए ब्लू-कॉलर जॉब्स में रुचि लेगी।

टेक्नोलॉजी का पॉजिटिव यूज: आने वाले दिनों में जेन जी ज्यादा जिम्मेदारी और समझ से तकनीक के उपयोग की तैयारी में है। जेन जी के युवा एआई को केवल एक टूल नहीं, बल्कि एक रचनात्मक साथी के रूप में देखेंगे। वे एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीरों और वीडियो में पारदर्शिता की मांग करेंगे। टेक्नोलॉजी के यूज से खरीदारी का तरीका भी बदलेगा। *

आ चुकी है नई पीढ़ी जेनरेशन बीटा

जेन जी के बारे में जानने के साथ यह जानना भी दिलचस्प है कि नेक्स्ट जनरेशन का उदय हो चुका है। 2025 से 2039 के बीच पैदा होने वाले बच्चों को 'जनरेशन बीटा' कहा जाएगा, जो जेन जी और जेन अल्फा के बाद की सबसे एडवांस जेनरेशन होगी। यह जेनरेशन तो एआई के साथ खेलते-जीते बड़ी होगी। उनका भविष्य आगामी वर्षों में होने वाली टेक्नो डेवलपमेंट पर डिपेंड करेगा।

डीपफेक के मिसयूज से आपको रहना होगा कॉन्शस

तकनीक ने हमारे जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, उसके दुरुपयोग ने कई खतरे भी बढ़ाए हैं। डीपफेक तकनीक का मिसयूज भी इन खतरों में से एक है। इससे बचने के लिए हम सभी का कॉन्शस रहकर तकनीक का यूज करना जरूरी हो गया है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

किसी के भी चेहरे को लेकर एआई जनरेटेड कंटेंट बनाने की नकारात्मक प्रवृत्ति अब खूब देखने को मिल रही है। तकनीक के दुरुपयोग की यह मानसिकता व्यक्तिगत रूप से किसी इंसान की साख खराब करने के साथ ही आपराधिक घटनाओं का भी कारण बन रही है।

किए जा रहे हैं रोकने के प्रयास: डीपफेक के मिसयूज पर लगाम लगाने के लिए पिछले महीने लोकसभा में रेग्युलेशन बिल पेश किया गया। इस बिल का उद्देश्य लोगों के चेहरे का गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर लगाम लगाना है। इस बिल में किसी भी एआई जेनरेटेड सामग्री को इंटरनेट पर डालने से पहले उस व्यक्ति की अनुमति लेनी जरूरी होगी। साथ ही एआई जेनरेटेड कंटेंट के गलत इस्तेमाल को लेकर जुर्माने और सजा का प्रावधान किया जाएगा। तकनीक के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए अत्याधुनिक टेक्निकल टूल्स और कानून के साथ सेल्फ रेगुलेशन भी जरूरी है।

तकनीक का करते हैं मिसयूज: डीपफेक टेक्नीक के जरिए किसी फोटो में दूसरे का चेहरा लगाया जा सकता है। किसी वीडियो में दूसरी आवाज सेट कर दी जाती है। फेक चेहरा लगाने के बावजूद बिल्कुल असली लगने वाली इस एडिटिंग को मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अंजाम दिया जाता है। रीयल लगने वाले ऐसे फेक वीडियो और ऑडियो को विशेष सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार करने का खेल किसी भी इंसान की छवि बिगाड़ सकता है। इसमें ना केवल तस्वीर बिल्कुल असली लगती है, बल्कि वॉयस क्लोनिंग के माध्यम से आवाज भी हूबहू कॉपी की जा सकती है। इस तरह डीपफेक तकनीक के जरिए तैयार किए गए फेक कंटेंट का इस्तेमाल फाइनेंशियल और दूसरे कई तरह की धोखाधड़ी, सेलिब्रिटी पोर्नोग्राफी, पर्सनल या सोशल दुष्प्रचार, पहचान की चोरी जैसे गलत उद्देश्यों के लिए किए जाने के मामले सामने आए हैं। फोटो मॉर्फिंग कर एकदम रीयल लगने वाली अश्लील तस्वीरें बनाने से लेकर वीडियो में किसी और की आवाज कॉपी कर कुप्रचार करने तक अनगिनत खतरे हमारे सामने हैं। ऐसे में डीपफेक तकनीक से जुड़े खतरों का सामना करने के लिए आम यूजर्स में आत्मनियमन का भाव जरूरी है। तस्वीर हो या वीडियो, अपने जीवन का हर पहलू सोशल मीडिया में साझा करने से पहले सोचना जरूरी है। शेयर की जा रही सामग्री के बढ़ते दुरुपयोग पर लगाम लगाने में खुद यूजर्स की समझदारी भी मददगार बन सकती है।

कंटेंट शेयरिंग में समझदारी: किसी जमाने में पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर केवल चर्चित चेहरों के फोटो और वीडियो ही मौजूद होते थे। फिल्म, राजनीति या खेल की दुनिया के जाने-माने लोगों की आवाज या तस्वीरें ही वर्चुअल मंचों पर मिला करती थीं। स्मार्ट गैजेट्स की बढ़ती दखल के मौजूदा दौर में स्थितियां बदल गई हैं। सोशल मीडिया के बहुत से प्लेटफॉर्म्स पर चर्चित चेहरों के ही नहीं आम लोगों के भी आडियो, वीडियो और फोटोज मौजूद होते हैं। ऐसे में आम लोग भी तकनीक का दुरुपयोग करने वाले लोगों की विकृत मानसिकता के शिकार बन रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक ने आम और खास हर इंसान की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। आए दिन एआई टेक्निक के दुरुपयोग के मामले सामने आ रहे हैं। न केवल डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं बल्कि नेगेटिव न्यूज, ऑडियो-वीडियो और अश्लील तस्वीरें फैलाने का काम भी किया जा रहा है। 2019 एआई फर्म डीपट्रेस ने इंटरनेट पर 15 हजार डीपफेक वीडियो का पता लगाया था। जिनमें 96 फीसदी पोर्नोग्राफी से जुड़े थे। समझना मुश्किल नहीं कि बीते छह-सात वर्ष में तकनीकी एडवांसमेंट भी बढ़ा है और आम लोगों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जा रहा कंटेंट भी। ऐसे में फेक कंटेंट तैयार करने के मामलों में भी इजाफा हुआ है। जरूरी है कि यूजर पर्सनल कंटेंट शेयर करने में सतर्कता बरते। *

गजल
कृष्णा बिहारी

तुम्हारी सोहबत में

बड़ी खुशबू मिली हमको तुम्हारी सोहबत में,
जड़ों से जुड़ गए देखो तुम्हारी सोहबत में।

मेरे कदमों की आहट गली भी जानती है,
उसे भी मिल रही शोहरत तुम्हारी सोहबत में।

सफर में मुश्किलें तो थीं मगर था हौसला भी,
सितारों तक पहुंच पाया तुम्हारी सोहबत में।

सादगी में कब ढंका है रूप का दरिया मगर,
आइने में उतर आया तुम्हारी सोहबत में।

जमाना भी कहां जाने ये किसकी ताकत है,
हिमालय तक उठा लाया तुम्हारी सोहबत में।

तपी थी दोपहर फिर भी मुकद्दर से मिली हमको
मुसीबत में घनी छाया तुम्हारी सोहबत में।

व्यंग्य / अशोक वाधवानी

जीने के लिए खाना या खाने के लिए जीना

अमूमन मनुष्य कोई काम-धंधा करे या फिर नौकरी, यह कहना नहीं भूलता कि 'पापी पेट के लिए ये सब करना पड़ता है!' जबकि सच्चाई यह है कि पेट के लिए मनुष्य मुश्किल से 20-25 प्रतिशत ही खर्च करता है। बाकी आवश्यकताओं पर पेट से ज्यादा खर्च करना पड़ता है। ये और बात है कि इस तथ्य को लोग अपनी सहूलियत अनुसार सिरे से नकार देते हैं। खाने-पीने वालों की दो प्रजातियां पाई जाती हैं। पहले, जीवन जीने के लिए जितना जरूरी है, उतना ही नाप-तौल कर, ठोक-बजाकर खाते हैं। दूसरे, जो जी में आए, जब जी चाहे, जैसा भी मिले सहर्ष स्वीकारते हैं। शान से बताते हैं कि वे 'खाते-पीते' परिवार वाले हैं। उनका तर्क होता है कि जब तक जान है, हर तरह के खाद्य पदार्थों को चखना चाहिए। ऐसे लोग जिस तरह से हर खाने-पीने की चीजों को पेट के सुपुर्द करते हैं, उससे लगता है कि धरती पर खाने-पीने के लिए ही जन्मे हैं। अर्थात इन लोगों को दिन-रात खाने-पीने की ही चिंता सताती है। जीने के लिए जितना जरूरी है उतना खाने-पीने वाले लोग भी, कभी-कभार आकर्षक व्यंजनों को देखकर 'पिघल' जाते हैं। ऐसे लोग विवाह समारोह आदि जगहों पर इस कठोर नियम को अपनी सुविधा के लिए 'शिथिल' कर देते हैं, जिस तरह उड़ते पतंग को इच्छानुसार ढील दी जाती है। कई 'चटोरे-चटोरियां' पेट को प्रयोगशाला मानकर, हर तरह के सलाद, नमकीन, खट्टा, मीठा, तीखा, फीका, फल। सब कुछ एक के बाद एक पेट को अर्पण-समर्पण करते जाते हैं।

कुछ लोगों का नियम होता है कि सांझ ढलने के बाद दही, छाछ छूते नहीं हैं। अचार खाना तो दूर की बात है। ऐसे लोग इन बातों को नजरअंदाज करके इन जगहों पर ऐसी चीजों का भी स्वादानुसार सेवन करते हैं। मधुमेह वाले मजबूरन सिर्फ फीकी चाय पीना अनिवार्य समझते हैं। या फिर स्वाद के लिए 'शुगर फ्री' गोलियां डालकर पीते हैं। ऐसे लोग भी यहां आकर मीठी चीजें बड़े चाव से चखते हैं। किसी ने इस बाबत रोका-टोका तो खिसियाते हैं। खुलकर, बहाना बनाते कहते हैं, 'फलां व्यक्ति ने आग्रहपूर्वक जबरदस्ती प्लेट में डाल दिया है, वर्ना आप तो जानते ही हैं कि ये सब वर्जित है मेरे लिए।'

कइयों की दृष्टि में फल खाने का सही समय सुबह खाली पेट है। ज्यादा से ज्यादा नाश्ते या दोपहर के भोजन के पहले/बाद में फल खाना स्वास्थ्य के लिए हितकारक बताते हैं। ऐसों में से कुछ को रात के समारोह में तरह-तरह के फल खाते हुए देख सकते हैं। समारोह में घुसते ही कुछ लोग सारे स्टॉल पर नजरें दौड़ाकर सुनिश्चित करते हैं कि कौन-सा खाद्य पदार्थ 'टेस्टी' होगा। देखने के बाद तय करते हैं कि पहले, बीच में और अंत में क्या खाना श्रेयस्कर होगा?

जल्दी पहुंचने वाले कुछ रायता पहले ही खा लेते हैं। उन्हें पता होता है कि थोड़ी देर कर दी तो रायते को 'पतला' होने से कोई रोक नहीं सकता है। ऐसे समारोहों में पानी पूरी के स्टाल पर भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसा प्रतीत होता है कि पानी पूरी दुनिया में अब कहीं और नहीं मिलेगा। बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग, स्त्री-पुरुष सभी हाथ में 'कटोरी' लिए हुए छीना-झपटी करते हुए दिखते हैं। कुछ अपनी बारी की प्रतीक्षा बड़ी बेसब्री से करते रहते हैं।

ऐसे ही एक कार्यक्रम में मुझसे चटोरेमल टकरा गए। उन्होंने अपने खाद्य ज्ञान की कई बातें बताईं। जैसे वे सबसे पहले आइसक्रीम खाते हैं। उसके बाद हल्का-फुल्का नाश्ता करके फिर आइसक्रीम खाना अपना कर्तव्य समझते हैं। भोजन बाद 'कार्यक्रम' समाप्ति की घोषणा अंतिम बार आइसक्रीम खाकर ही करते हैं। उन्होंने एक पते की बात बताई कि शौकीन होने पर भी आइसक्रीम कभी खरीदकर खाना जरूरी नहीं समझा।

मानव के रूप में कोई महामानव भी मिल सकते हैं जो कि पेट को 'पीड़ा' पहुंचाना नहीं चाहते हैं। इस तरह के उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ जापानी पद्धति 'हारा हचिबू' पर अमल करते हुए भूख से कम ही खाते हैं ताकि वे सदा चुस्त, दुरुस्त, तंदुरुस्त रहें। ऊंट के मुंह में जीरा समान ऐसे लोगों की थाली में सिर्फ दाल और चावल दिखता है। वे सब्जी तक नहीं खाते। ये महानुभाव दाल, चावल में ही संतुष्ट होते हैं। हालांकि ऐसी प्रजाति के लोग कम ही पाए जाते हैं। *

लघुकथा / सिराज अहमद

उड़ान

काफी देर तक होमवर्क करते हुए सोहन बहुत थक और ऊब चुका था। मन बोझिल हुआ तो उसने कॉपी का पिछला पन्ना फाड़ा और अपनी कल्पनाओं को कागज पर उकेरने लगा। देखते ही देखते उसने उसमें रंग भरे और एक प्यारा सा कागज का हवाई जहाज तैयार कर लिया। जैसे ही उसने जहाज उड़ाने के लिए हाथ ऊपर उठाया, तभी कमरे में उसके पापा ने प्रवेश किया। हाथों में खिलौना देख पापा का पारा चढ़ गया। उन्होंने सोहन को जोर से डांटा और होमवर्क पूरा करने का आदेश देकर चले गए। सोहन सहम गया। थके हुए शरीर और बेमन से उसने अपना बचा हुआ होमवर्क पूरा किया। रात होने पर सोहन को खाना खिलाकर सुला दिया गया, क्योंकि सुबह स्कूल जाने के लिए जल्दी उठना था। देर रात जब पापा कमरे में आए, तो उनकी नजर सोहन के बेड के नीचे पड़े उसी कागज के हवाई जहाज पर पड़ी। उन्होंने झुककर उसे उठाया और गौर से देखा, तो उनकी आंखें सुखद आश्चर्य से भर गईं। वो महज एक खिलौना नहीं, कला का एक सुंदर नमूना था। एक सादे से पन्ने में सोहन ने रचनात्मकता के रंग भर दिए थे। उन्हें लगा कि यह केवल एक खिलौना नहीं, नन्हे कलाकार की उड़ान है। *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

यहां घुसपैठिए लोगों का हक छीन रहे निर्दयी-भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकें

मालदा। पश्चिम बंगाल के मालदा में रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र सरकार की योजनाओं, भाजपा के विस्तार और तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखे हमलों के साथ बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। पीएम मोदी ने कहा कि वह चाहते हैं कि बंगाल के हर गरीब परिवार के पास पक्का घर हो, हर जरूरतमंद को मुफ्त राशन मिले और केंद्र सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ गरीबों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से बंगाल में ऐसा नहीं हो पा रहा है। उन्होंने घुसपैठ के मुद्दे को उठाते हुए टीएमसी सरकार पर बड़ा हमला बोला। रैली में उन्होंने कहा कि आप सभी लोगों का हक घुसपैठिए छीन रहे हैं। भाजपा सरकार बनते ही सभी घुसपैठिओं पर कार्रवाई करेंगे और बंगाल के लोगों का हक और उनके अधिकार सुरक्षित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार बेहद असंवेदनशील और निर्दयी रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गरीबों के लिए जो पैसा भेजती है, उसे टीएमसी के नेता लूट लेते हैं।

यूएस सीनेटरों ने लिखी ट्रंप को चिट्ठी

अमेरिकी दालों पर भारत से आयात शुल्क घटाने की मांग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केविन क्रेमर स्टीव डेंस

अमेरिका के रिपब्लिकन पार्टी के दो सीनेटर केविन क्रेमर और स्टीव डेंस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भारत के साथ किसी भी संभावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते में दालों के लिए अनुकूल प्रावधान सुनिश्चित करने की अपील की है। यह मांग ऐसे समय सामने आई है, जब भारत-अमेरिका के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार समझौता अब भी ठोस नतीजे से दूर है। यह घटनाक्रम भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच हालिया फोन बातचीत के कुछ ही दिनों बाद सामने आया है। सीनेटर केविन क्रेमर और स्टीव डेंस ने राष्ट्रपति ट्रंप को लिखे पत्र में कहा कि जैसे-जैसे भारत के साथ व्यापार वार्ताएं आगे बढ़ें, अमेरिकी कृषि उत्पादकों खासकर नॉर्थ डकोटा और मोंटाना के किसानों के हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इन दोनों राज्यों को अमेरिका में दालों का सबसे बड़ा उत्पादक बताया गया है, जिनमें मटर भी शामिल हैं।

कृषि क्षेत्र को लेकर भारत सतर्क

बता दें, भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते के बीच कृषि क्षेत्र मतभेद का एक प्रमुख बिंदु बना हुआ है। अमेरिका भारत के कृषि बाजार में अधिक पहुंच की मांग करता रहा है, जबकि भारत इसे लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए है। भारत में करीब 40-45 प्रतिशत आबादी की आजीविका कृषि पर निर्भर है, जहां अधिकांश किसान दो हेक्टेयर से कम भूमि पर खेती करते हैं। ऐसे में अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलने से छोटे और सीमांत किसानों पर गंभीर असर पड़ने की आशंका जताई जाती है।

आयात शुल्क कम करने से दोनों देशों को फायदा

सीनेटरों के मुताबिक, अगर दालों पर टैरिफ को लेकर भारत से बातचीत होती है तो इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूती मिलेगी और अमेरिकी उत्पादकों के साथ-साथ भारतीय उपभोक्ताओं को भी लाभ होगा। अप्रैल 2025 में, संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने पाया था कि कृषि उत्पादों पर भारत की औसत लागू शुल्क दर 39% थी, जबकि अमेरिका ने कृषि वस्तुओं पर सिर्फ 5% का औसत शुल्क लगाया था। इसने व्यापार में तकनीकी बाधाएं, नियामक बाधाएं और कृषि सहित कुछ क्षेत्रों में बाजार तक पहुंच पर प्रतिबंध भी पाया, जिससे भारत को अमेरिकी निर्यात कम हो गया है।

भारतीय बाजार में नुकसान उठा रहे

सीनेटरों ने कहा कि इन अनुचित टैरिफ के कारण अमेरिकी दाल उत्पादकों को भारतीय बाजार में गंभीर प्रतिस्पर्धात्मक नुकसान उठाना पड़ रहा है। पत्र में ट्रंप के पहले कार्यकाल का जिक्र करते हुए सीनेटरों ने कहा कि वर्ष 2020 में व्यापार वार्ताओं के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने इस मुद्दे पर उनका पत्र स्वयं पीएम नरेंद्र मोदी को सौंपा था। उन्होंने अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार पहुंच बढ़ाने के ट्रंप के प्रयासों का समर्थन करते हुए कहा कि अमेरिकी किसान वैश्विक मांग को पूरा करने की क्षमता रखते हैं।

योगी बोले-अहिल्याबाई की टूटी मूर्ति का वीडियो एआई से बना

एजेंसी ▶▶ काशी

काशी में मणिकर्णिका घाट पर रानी अहिल्याबाई की मूर्ति टूटने के विवाद पर सीएम योगी ने शनिवार को इसके लिए कांग्रेस को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा- रानी की मूर्ति सुरक्षित रखी है। कांग्रेस ने एआई से मूर्ति टूटने का वीडियो बनाया। यह काशी को बदनाम करने की साजिश है, इसलिए मुझे खुद यहां आना पड़ा। साजिश का पर्दाफाश होना चाहिए। योगी ने कहा, मंदिर तोड़े गए हैं, इससे ज्यादा बड़ा झूठ नहीं हो सकता। अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा को संरक्षित किया गया है। जब जीर्णोद्धार का काम पूरा हो जाएगा, तब प्रतिमा नई तरह से दिखेगी। कांग्रेस मंदिर तोड़ने के एआई वीडियो से जनता को गुमराह कर रही, यह अपराध है। सीएम ने कहा- अहिल्याबाई का कांग्रेस ने सम्मान नहीं किया। इनके नेताओं की टिप्पणी पर हंसी और दया आती है। ये वैसा ही है, जैसे 100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। मैं एआई से तस्वीर बनाने वालों को चेतावनी देता हूं, इसे कतई स्वीकार नहीं करेंगे।

यह है मामला

दरअसल, 10 जनवरी को इंदौर के होल्कर ट्रस्ट ने दावा किया था कि मणिकर्णिका घाट पर देवी अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति तोड़ दी गई। कई धार्मिक प्रतीकों को भी नुकसान हुआ। कुछ मूर्तियां टूटकर मलबे में दब गईं। इसके बाद कुछ तस्वीरें भी सामने आई थीं। तब, वाराणसी के डीएम ने इन्हें एआई जनरेटेड करार दिया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव ने भी इसके लिए भाजपा को जिम्मेदार बताया था। फिलहाल, मणिकर्णिका घाट पर नए निर्माण का काम अभी रुका है।

कांग्रेस पर दया आती है

सीएम ने कहा- विरासत का सम्मान कैसे होता है, ये हमें कांग्रेस से पूछने की आवश्यकता नहीं है। अयोध्या में 500 वर्षों के बाद राम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ, ये तीर्थ स्थल हो या विरासत...पीएम मोदी ने ये काम करवाए हैं। यूपी और देश में सकुशल ये काम पूरे हो रहे हैं। कांग्रेस की अनर्गल टिप्पणी हंसी भी आती है। दया भी आती है।..ये कृत्य वैसा ही है, जैसे सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। सच्चाई तो यही है कि इन लोगों ने डेवलपमेंट के प्रोजेक्ट में सिर्फ बाधक बनने का काम किया।

एआई वीडियो से मंदिर तोड़ने का दुष्प्रचार कर रही कांग्रेस

अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा को संरक्षित किया गया। जब ये बनकर तैयार होगा, तब ये प्रतिमा नई तरह से दिखेगी। कांग्रेस के द्वारा जो दुष्प्रचार किया जा रहा है, वो एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो अपराध है। एआई द्वारा मंदिर को तोड़ने का दुष्प्रचार किया गया है। लेकिन ये लोग लगातार दुष्प्रचार कर रहे हैं, ताकि ये प्रोजेक्ट बदनाम कर दिया जाए। इसके साथ ही उनके देश की विरासत को बदनाम करने वाली कांग्रेस और उनके सहयोगियों को ध्यान में रखना चाहिए, ये उनके द्वारा जनभावनाओं का खिलवाड़ करने काम काम किया जा रहा है।

झारखंड : आदिवासी संगठनों का बड़ा प्रदर्शन

रांची। झारखंड के खूंटी जिले में इस महीने की शुरुआत में एक ग्राम प्रधान की हत्या के विरोध में बंद के आह्वान के बीच शनिवार को आदिवासी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने कई जिलों में सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। आदिवासी बहुल जिलों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरुद्ध करने के लिए जगह-जगह टायर जलाए। झारखंड बंद का व्यापक असर शनिवार सुबह खूंटी, सिमडेगा, चाईबासा और गुमला जिलों में देखने को मिला। इन क्षेत्रों में दुकानें पूरी तरह बंद रहीं और सड़कों से सार्वजनिक परिवहन नदारद रहा। इसके साथ ही राज्य के अधिकांश हिस्सों में स्कूल भी बंद रहे। राज्य की राजधानी रांची में बंद का खास प्रभाव नहीं दिखा क्योंकि यहां बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान सामान्य रूप से खुले रहे तथा लोग अपने कार्यस्थलों पर जाते हुए नजर आए।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

नागपुर मंडल में LC गेट्स की इंटरलॉकिंग के लिए ई-निविदा

वरिष्ठ मंडल सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उन की ओर से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:

निविदा सूचना क्रमांक: ST-Interlocking-NMNC-26-7 दिनांक: 08.01.2026

कार्य का नाम: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल में एसएंडटी सम्बंधित कार्य - TVU>10,000 वाले नॉन-इंटरलॉक LC गेट्स **NC-7** और **NC-8** (NIR-KLZ सेक्शन), **NC-75** (CHAU-JLY सेक्शन) **NM-12, NM-18, NM-41** (NIR-MFR सेक्शन) की इंटरलॉकिंग और गेट सिग्नलिंग से इंटरलॉक करना।

निविदा मूल्य: ₹ 3,60,51,860/-.

बिड सिक्युरिटी: ₹ 3,30,300/-

समापन अवधि: 12 (बारह) महीने।

निविदा प्रस्तुति: बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां दि. **03.02.2026** के **15:00** बजे तक जमा कर सकेंगे। अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

मंडल सिग्नल व दूरसंचार अभियंता,

MS/63-278 **दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर**

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं, निर्मला भारद्वाज पति राजेश कुमार सिंह भारद्वाज (ऑन द रिटायर्ड कैप्टन) निवासी 21/185 जमातपारा वार्ड नं. 21, शहर तहसील व जिला राजनांदगांव (छ.ग.) 491441 की निवासी हूँ।

यह कि मेरे समस्त शैक्षणिक एवं अन्य दस्तावेजों में मेरी जन्मतिथि 09/10/1956 दर्ज है जो कि सत्य एवं सही है, किन्तु आधार कार्ड नंबर 7199-6654-3151 में जन्मतिथि 10/10/1956 एवं ईएसएम कार्ड नं. JB 0000 0925 4713 में जन्मतिथि 02/02/1954 त्रुटिवश दर्ज हो गया है जो कि गलत है। अतः मेरी जन्मतिथि 09/10/1956 जो कि सत्य है, इसे ही सही जाना, समझा, पढ़ा व लिखा जावें।

श्रीमती निर्मला भारद्वाज
पति राजेश कुमार सिंह भारद्वाज
(ऑन द रिटायर्ड कैप्टन) निवासी 21/185
जमातपारा वार्ड नं. 21, राजनांदगांव

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

नागपुर मंडल में LC गेट्स की इंटरलॉकिंग के लिए ई-निविदा

वरिष्ठ मंडल S&T अभियंता, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उन की ओर से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:

निविदा सूचना क्रमांक: STinterlocking-GJ08No दिनांक: 09.01.2026

कार्य का नाम: नागपुर मंडल में एसएंडटी सम्बंधित कार्य - TVU>10,000 वाले नॉन-इंटरलॉक LC गेट्स **GJ-8, GJ-9, GJ-10, GJ-19, GJ-21, GJ-30, GJ-31** व **GJ-67** की इंटरलॉकिंग व गेट सिग्नलिंग से इंटरलॉक।

निविदा मूल्य: ₹ 4,66,25,581/-

बिड सिक्युरिटी: ₹ 3,83,100/-

समापन अवधि: 12 (बारह) महीने।

निविदा प्रस्तुति: बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां दिनांक **02.02.2026** के **15:00** बजे तक जमा कर सकेंगे। अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

मंडल सिग्नल व दूरसंचार अभियंता,

FL/62-276 **दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर**

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

गणतंत्र दिवस से पहले अलर्ट पर दिल्ली-यूपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी से पहले खुफिया एजेंसियों ने बड़ा अलर्ट जारी किया है। इनपुट के मुताबिक, खालिस्तानी आतंकी संगठन और बांग्लादेश-आधारित आतंकी नेटवर्क दिल्ली, यूपी समेत देश के कई शहरों को निशाना बनाने की साजिश रच सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अलर्ट में पंजाब आधारित गैंगस्टरों की बढ़ती गतिविधियों पर चिंता जताई गई है। बताया गया है कि ये गैंगस्टर विदेश में बैठे खालिस्तानी और कट्टरपंथी हैंडलर्स के लिए फुट सोल्जर की तरह काम कर रहे हैं। खुफिया सूत्रों का कहना है कि आपराधिक नेटवर्क के जरिए ये तत्व देश की आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल-17 (बीरगांव), तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग.

:: आम सूचना ::

दिनांक 16/01/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री तीजूराम पिता लेड़गाराम निवासी ठाकुरदेव चौक, गुमा द्वारा आवेदित ग्राम बोरझरा प.ह.नं. 87 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-17 (बीरगांव) स्थित भूमि खसरा नंबर 285/3 रकबा 0.1700 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/वाचक/ना. तह./ 2025 आदेश दिनांक 05.12.2025 के परिपालन में दिनांक 21.01.2026 को समय 1.00 PM बजे पश्चात् किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो, वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 87 बीरगांव के स्थित कार्यालय में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जाने।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-17 (बीरगांव)

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बलौदाबाजार, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
Tel.No.07727-223138 E-mail : cmobalodabazar@rediffmail.com & cmobalodabazar@ymail.com

क्रमांक / 951 / लो.नि.वि./ न.पा.प. / 2026 बलौदाबाजार, दिनांक 16/01/2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
main portal – http://cgeprocurment.gov.in
Sub portal-http://uadd.cgeprocurement.gov.in
Email-cmobalodabazar@rediffmail.com

नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार क्षेत्रांतर्गत निम्नलिखित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारो से ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम टेंडर के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि (एफ. डी. आर. के माध्यम से)	निविदा फार्म शुल्क (डी.डी.)	समयावधि	निविदा दरें प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
01	183557	निकाय में अकुशल / अर्द्धकुशल / कुशल / उच्च कुशल प्लेसमेंट श्रमिक एवं स्वच्छता कमाण्डों श्रमिकों की आपूर्ति कार्य (तृतीय निविदा)।	106.66	80000.00	3000.00	12 माह	27.01.2026

उपरोक्त कार्यों की निविदा की विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से एवं विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in एवं https://eproc.cgstate.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार

OFFICE OF THE NAGAR PANCHAYAT INDORI, DIST- KABIRDHAM (CHHATTISGARH)
Email – cmoindori@gmail.com

No./ 635 / N.P./PWD/2025-26 Indori, Date - 15/01/2026

E-Procurement Tender Notice (3rd Call)

नगर पंचायत इंदौरी, जिला - कबीरधाम (छ. ग.) द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु ऑनलाईन (online) के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम टेंडर क्रमांक	कार्य का विवरण	लागत राशि (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	183883	Design, Construction, Testing, Commissioning and setting up of Material Plant in Municipal Areas of Devbhog, Chhattisgarh	53.72	02.02.2026 05:00 PM

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http://epros.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http;uad.cg.gov.in

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत इंदौरी

जैकेट के शेष

प्रधानपाठक नहीं जाते ....

स्वयं ही लगाया जा सकता है। बताया जा रहा है कि सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड अंतर्गत मोहरसोप प्राथमिक शाला में डीएस सिंह की पदस्थापना प्रधान पाठक के रूप में की गई है लेकिन प्रधान पाठक डीएस सिंह महीने में सप्ताह भर भी स्कूल नहीं आते है।

कक्षा पहली से पांचवीं तक वाले विद्यालय में कुल 52 बच्चे अध्ययनरत है लेकिन स्कूल अभी भी एकल शिक्षकीय है। यही वजह है कि प्रधान पाठक ने भी बच्चों की पढ़ाई के लिए किराए पर शिक्षक रख लिया है।

प्रधान पाठक द्वारा स्कूल में महज 2 हजार रुपए में शिक्षक रखा गया है और खुद महीने में एक सप्ताह ही स्कूल आते है। प्रधान पाठक की अनुपस्थिति में भृत्य स्कूल खोलकर सफाई करता है जबकि किराए में रखा गया शिक्षक आकर बच्चों को पढ़ाने का काम कर रहा है। पूर्व में एक किराए के शिक्षक द्वारा काम छोड़ने के बाद पिछले 12 दिनों से पूर्व देव यादव नामक युवक बच्चों को पढ़ा रहा है जबकि शासकीय स्कूल में पढ़ाने के लिए उसकी कोई शासकीय नियुक्ति भी नहीं की गई है। **बच्चों ने भी कहा रोज नहीं आते :** गुरुवार को स्कूल में 52 में से 11 बच्चे स्कूल में मौजूद थे। इस दौरान बच्चों से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि प्रधान पाठक मीटिंग में जाते है तो स्कूल नहीं आते। बाकी समय पूर्व देव यादव द्वारा बच्चों को पढ़ाया जाता है। हैरानी की बात तो यह है क्षेत्र में प्रधान पाठक द्वारा किराए पर शिक्षक रखने की जानकारी ना ही क्षेत्र के संकुल समन्वयक को है और ना ही अधिकारियों को।

कलेक्टर, मंत्री का नाम ....

कि दूरस्थ क्षेत्र में मौजूद एकल शिक्षकीय विद्यालयों में बच्चों के शिक्षा गुणवत्ता का स्तर क्या है।

वामपंथी उग्रवाद को ....

को खत्म करने के लिए 31 मार्च की समय सीमा तय की है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

निर्माण कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा क्रमांकः सी.ए.ओ. / सी / बीएसपी / 25–26 / 21 दिनांक 01–01–2026 (ओपन टेंडर–टू पैकेट सिस्टम)

कार्य : सारागांव स्टेशन पर पुल संख्या 46 के निरीक्षण क्रैडल का निर्माण, अकलतरा स्टेशन पर प्लेटफॉर्म का संशोधन / निर्माण और अकलतरा और सारागांव स्टेशन के बीच चौथी लाईन के निर्माण से संबंधित शेष अन्य कार्य।

निविदा मूल्यः 10,67,12,455.82/-, (दस करोड़ सड़सठ लाख बारह हजार चार सौ पचपन रूपये और बियासी पैसे) मात्र। अमानत राशिः ₹ 6,83,600.00/-. (छः लाख तिरासी हजार छः सौ रूपये मात्र), निविदा दस्तावेज की लागत : शून्य, कार्य पूरा होने की अवधिः 09 (नौ) महीने स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से। निविदा बंद होने का समय एवं दिनांकः 23–01–2026 को 15.00 बजे तक, निविदा खोलने होने का समय एवं दिनांकः 23–01–2026 को 15.30 बजे।

विस्तृत जानकारी / निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) द.पू.म. रेलवे बिलासपुर पिन–495004, अथवा उप मुख्य अभियंता (निर्माण) दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर पिन–492009 अथवा मुख्य परियोजना प्रबंधक / पश्चिम / निर्माण / नागपुर दक्षिण पूर्व मय रेलवे नागपुर पिन–440001 के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउन लोड कर / देख सकते हैं।

उप मुख्य अभियंता / निर्माण
सीपीआर/10/FL/588 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

सावधान सावधान सावधान

हमें पता चला है कि कुछ बेईमान लोग/प्लेसमेंट एजेंसियां, जो गलत तरीके से ACB India Limited से जुड़े होने का दावा कर रहे हैं, नौकरी चाहने वालों को फीस लेकर नौकरी के ऑफर देकर लुभा रहे हैं और गुमराह कर रहे हैं। ये धोखेबाज लोग/एजेंसियां मैसेजिंग प्लेटफॉर्म जैसे WhatsApp वगैरह का इस्तेमाल करते हैं और हमारे साथ नौकरी दिलाने के नाम पर नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों से फीस/चार्ज वगैरह के रूप में पैसे मांगते हैं।

हम आपको बताना चाहते हैं कि हम नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों से उनके कैंडिडेटचर पर विचार करने के लिए या भर्ती प्रक्रिया के दौरान किसी भी समय कोई फीस/चार्ज नहीं लेते हैं, और न ही हमने किसी व्यक्ति, एजेंसी या फर्म को हमारे लिए उम्मीदवारों की भर्ती करने के लिए अधिकृत किया है। **ACB India Limited** में नौकरी चाहने वाले किसी भी व्यक्ति को सावधान रहना चाहिए और किसी भी एजेंसी या व्यक्ति पर भरोसा नहीं करना चाहिए, जो हमारा प्रतिनिधि होने का दावा करता है, और हमारे साथ नौकरी दिलाने के लिए फीस लेता है।

हम ACB India Limited में नौकरी चाहने वाले सभी लोगों को सलाह देना चाहते हैं कि कृपया निम्नलिखित बातों पर ध्यान दें:

A. हमारे कर्मचारी या अधिकृत एजेंट होने का दावा करने वाले व्यक्तियों/एजेंसियों से मिलने वाले किसी भी नौकरी के ऑफर का जवाब न दें, खासकर जो नौकरी के आवेदन के लिए फीस/चार्ज मांगते हैं। कृपया ध्यान दें कि पैसे मांगने वाला कोई भी कम्युनिकेशन जो **ACB India Limited** से आया हुआ लगता है, वह झूठा है।

B. हमारे साथ नौकरी पाने के लिए किसी भी व्यक्ति/एजेंसी को कोई पेमेंट न करें। हम अपने साथ नौकरी चाहने वाले व्यक्ति से कुछ भी चार्ज नहीं करते हैं।

C. बिना ठीक से वेरिफाई किए और सच्चाई की जांच किए बिना, बैंक अकाउंट डिटेल्स सहित कोई भी निजी और गोपनीय जानकारी शेयर न करें।

D. अगर आपको हमारे प्रतिनिधि होने का दावा करने वाले किसी व्यक्ति/एजेंसी के सोर्स और क्रेडेंशियल्स के बारे में थोड़ा भी शक हो, तो आप तुरंत हमारे ऑफिस या स्थानीय पुलिस अधिकारियों को इसकी रिपोर्ट कर सकते हैं।

E. नकली ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर या नकली लेटर हेड पर जारी किए गए कम्युनिकेशन से सावधान रहें। **ACB India Limited** किसी भी तरह से किसी भी नुकसान के लिए जिम्मेदार या जवाबदेह नहीं होगा जो ऐसे धोखेबाज लोगों के साथ डील करने के कारण किसी भी आम जनता को हो सकता है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बागबाहरा, जिला महासमुन्द, छ.ग.
दूरभाष क्रं. 07707-242178, ई-मेलः npbgbr5@gmail.com

क्रमांक/1273/लो.नि.वि./न.पा.प./2025-26 बागबाहरा, दिनांक 16/01/2026

!! मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना !!

नगर पालिका परिषद बागबाहरा, जिला महासमुन्द (छ.ग.) में अधोसंरचना मद अंतर्गत कुल 17 निर्माण/विकास कार्यों हेतु राशि रू. 96.26 लाख की लागत से एकीकृत पंजीकृत प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से त्रि-लिफाफा पद्धति में रजिस्टर्ड / पंजीकृत डॉक के माध्यम से मुहरबंद लिफाफा में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से एवं कार्यालय के सूचना पटल में कार्यालयीन समय मे प्राप्त की जा सकती हैं।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बागबाहरा

राशिफल

मेष मन परेशान हो सकता है। कारोबार में अभी कठिनाइयां बनी रहेंगी। सचेत रहें। कोई नया निवेश करने से बचें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में संयत रहें। कारोबार विस्तार के लिए परिवार से आर्थिक सहयोग मिल सकता है।

मिथुन मन परेशान हो सकता है। आत्मसंयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

कर्क किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में विदेश यात्रा पर जा सकते हैं।

सिंह आत्मविश्वास में कमी आएगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या मन में निराशा एवं असन्तोष रहेगा। मन अशान्त रहेगा। संयत रहें। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा।

तुला मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां तो रहेंगी, लेकिन परिश्रम भी अधिक रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

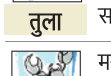
वृश्चिक मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में बदलाव भी हो सकता है।

धनु आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु अतिउत्साही होने से बचें। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

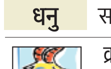
मकर क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है।

कुंभ आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। खर्चों की अधिकता से परेशान हो सकते हैं।

बंगाल के मुर्शिदाबाद में तनाव, 30 लोग गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में शनिवार को दूसरे दिन भी हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने एनएच-12 और रेलवे ट्रैक को फिर से जाम कर दिया है। स्थिति नियंत्रित करने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। यह विरोध बिहार में एक प्रवासी मजदूर पर हमले के बाद भड़का है। इससे एक दिन पहले झारखंड में प्रवासी मजदूर की मौत को लेकर बेलडांगा में हिंसक प्रदर्शन हुआ था, जिससे सड़क और रेल रूट घंटों ठप रहा था। एडिशनल एसपी ने बताया कि अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को शांति बनाए रखने की अपील की थी। इधर भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने शनिवार को कहा कि ट्रेनों को जलाया जा रहा है।

शब्द पहेली - 6112

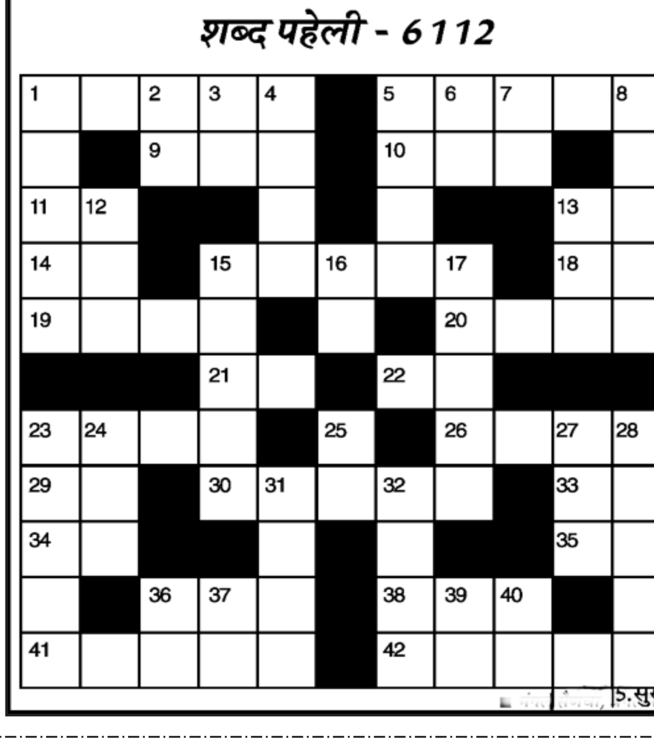

बाएँ से दाएँ
1.यश प्राप्त करना–5
5.चतुर, जहीन–5
9.दया, तरस–3
10.कामदेव–3
11.लीन, तल्लीन–2
13.बोली, आवाज–2
14.राजदुर्वा–2
15.एक प्रकार का बिस्किट–2,3
18.मत, सलाह–2
19.जो लायक न हो–4
20.अधीनस्थ–4
21.कहानी, गाथा–2
22.श्रवणेंद्रिय–2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा–4
26.दान देने वाला–4
29.वरदान, दूल्हा–2
30.पत्नी का नाना–2,3
33.सूर्य, दिनकर–2
34.भीगा हुआ–2
35.सुर आलाप–2
36.फूलों का रस,अर्क–3
38.तरंग, हिलोर–3
41.जरुरतमंद–5
42.सेंधमार–5

ऊपर से नीचे
1.नामकरण–5
2.टैक्स,हाथ–2
3.महीना, मास–2
4.नामवर, प्रसिद्ध–4
5.संधि, सामंजस्य–4
6.सरुर, नशा–2
7.झंकार–2
8.रमण योग्य–5
12.तगारी, नांद–3
13.सुअर–3
15.अभिमान मर्दित होना –2,3
16.समाप्त–2
17.नेकनीयत–5
23.हनुमान–3,2
24.मुलायम–3
25.उम्मीद, आशा–2
27.बहादुरी–3
28.शिव, रविलोचन–2,3
31.नामचीन–4
32.सुसंचालन–4
36.चेहरे का तेज, दर्प–2
37.रिश्तेदार–2
39.अधिकार–2
40.ईश्वर, भगवान–2

शब्द पहेली- 6111 का हल

सा	ल		ब	ला		य	म		श	र
या		क	ल		जो	श		जा	य	ज
	कै	द		श	र		का	न	न	
न	दी		खे	मा		का	त	ना		जा
म		जा	ल		का	य	र		ता	ल
	मा	न		र	म	ल		का	ला	
का	या		बी	न	ना		रा	म		सी
र		क	ह	र		शो	र		बा	धा
	की	च	ड़		सा	ला		री	त	
क	म	रा		ख	र		सी	ता		द
म	त		जी	त		मा	मा		दा	म

सूडोकु नवताल - 6122

★★★★☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6121 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

डी०एम०एफ०टी० मद से चतरा जिलान्तर्गत योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण कार्य मामले), झारखण्ड सरकार द्वारा समुचित श्रेणी के निबंधित संवेदको से द्वि (Two) लिफाफा पद्धति के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है। **ई–निविदा सूचना संख्या :– RDD/SD/CHATRA/10/2025-26**

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप० सं०	प्रखण्ड	पंचायत	ग्राम	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	लिफाफा पद्धति
1	टण्डवा	बचरा उत्तरी	हेमनदाग	Construction of High Level RCC Girder Bridge on Hemandag Nala at-Hemandag Main Road, Bachratand.	28435310.00	568800.00	10000.00	18 माह	द्वि (Two)
2	सिमरिया	चोपे	चोपे	Construction of High Level Girder Bridge Across Mahane River at-Gram Chope.	32908330.00	658200.00	10000.00	18 माह	द्वि (Two)

2.वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि – **24.01.2026**
3.ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक–**24.01.2026** से दिनांक–**05.02.2026** के अपराह्न 05:00 बजे तक
4.ई–निविदा खोलने का स्थान– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेश प्रमण्डल, चतरा।
5.ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – **07.02.2026** अपराह्न 02:00 बजे
6.ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेश प्रमंडल, चतरा।
7.ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9431060939 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8.परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,चतरा

PR 370940 (Rural Development)25-26*D

भारतीय नौसेना का पहला ट्रेनिंग स्क्वाड्रन सिंगापुर नेवी बेस पहुंचा

सिंगापुर। भारतीय नौसेना का पहला ट्रेनिंग स्क्वाड्रन (आईटीएस) सिंगापुर के चांगी नेवल बेस पहुंच गया है। इस स्क्वाड्रन में आईएनएस तिर, आईएनएस शार्दुल, आईएनएस सुजाता और इंडियन कोस्ट गार्ड शिप सारथी शामिल हैं। यह दक्षिण पूर्व एशिया में लंबी दूरी की ट्रेनिंग डिप्लॉयमेंट का हिस्सा है, जो दक्षिण पूर्व हिंद महासागर क्षेत्र में चल रही है।

झारखण्ड स्टेट फॉरेस्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड
(झारखण्ड सरकार का उपक्रम)

का०: अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-प्रबन्ध निदेशक,
झारखण्ड राज्य वन विकास निगम लि०, 455/A, रोड नं०–5, अशोक नगर, राँची।
E-mail – md_jsfdc@yahoo.co.in / mdjsfdc@gmail.com TOLL FREE NO. 18008891131

ई–निविदा सूचना संख्या ल० व० प० प० (के० प०)–04/2026
वर्ष 2026 मौसम में झारखण्ड राज्य में संग्रहित होनेवाली केन्दू पत्ती की अग्रिम बिक्री हेतु **ई–निविदा**
अतिअल्पकालीन ई–निविदा सूचना

निदेशानुसार विगत वर्ष की भांति वर्ष 2026 मौसम में झारखण्ड में संग्रहित होने वाली केन्दू पत्ती की प्रचयवार "शुद्ध एक मुश्त राशि" के आधार पर अग्रिम बिक्री हेतु ऑनलाईन ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदायें वेब पोर्टल www.jharkhandtenders.gov.in पर ऑनलाईन निम्न विवरण अनुसार प्राप्त की जायेंगी।

निविदा चक्र (निविदा रिफरेन्स सं०)	समय	निविदा अभिलेख डाउनलोड एवं समर्पण की तिथि	विक्रय समिति की बैठक की तिथि
चौदहवाँ चक्र (KL/14/2026)	प्रारम्भ 11.00 बजे पूर्वा० अन्त 5.00 बजे अप०	24.01.2026 27.01.2026	29.01.2026

क्रेता पंजीकरण पत्र, निविदा शुल्क, सत्यंकर राशि, निविदाकार का करारनामा, आयकर विभाग द्वारा निर्गत PAN की अभिप्रमाणित प्रति, पिछले तीन लेखा वर्षों के आयकर रिटर्न की अभिप्रमाणित प्रतियाँ, GST निबंधन संख्या के प्रमाण–पत्र की अभिप्रमाणित प्रति, विगत् लेखा वर्ष के GST रिटर्न की प्रति तथा अपलोड किये गये अन्य दस्तावेज की एक–एक प्रति निविदादाता विक्रय समिति की बैठक की तिथि के एक दिन पूर्व (3.00 बजे अपराह्न) तक प्रमण्डलीय प्रबन्धक के कार्यालय में जमा करेंगे। समस्त इच्छुक निविदाकारों को ऑनलाईन निविदा भरने हेतु Digital Signature Certificate प्राप्त करना अनिवार्य है।

विस्तृत जानकारी यथा निविदा प्रपत्र, लॉट सूची, निविदाकार का करारनामा, निविदा से संबंधित शर्तें एवं बंधेज आदि वेब साईट www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है। ऑनलाईन निविदा समर्पित करने के पूर्व निविदा प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लें। अधिक जानकारी के लिये वन निगम के प्रमण्डलीय/अंचलीय कार्यालयों से तथा वन निगम मुख्यालय के निम्न पदाधिकारी/कर्मी से भी सम्पर्क कर सकते हैं :–

(1) उप निदेशक (विपणन), राँची,	9431105100	(3) श्री प्रसून कुमार, FPI, राँची,	9153989366
(2) उप निदेशक (मुख्यालय), राँची,	9431170318	(4) TOLL FREE NO.	18008891131

ह०/– उप निदेशक (विपणन),
झारखण्ड राज्य वन विकास निगम लि०, राँची।

PR.NO.370911 Jharkhand State Forest Development Corp Ltd(25-26):D

चार धाम में अब मोबाइल फोन और कैमरे की 'नो एंट्री'

एजेंसी ▶▶ ऋषिकेश

2026 की आगामी चारधाम यात्रा को लेकर प्रशासन ने पूरी तरह से कमर कस ली है। इसके लिए 17 जनवरी यानी आज चारधाम यात्रा प्रबंधन एवं नियंत्रण संगठन ने फैसला लिया कि मोबाइल और कैमरा बैन किया जाएगा। इस बैठक में गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे और आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप मुख्य रूप से उपस्थित रहे. गढ़वाल कमिश्नर ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए चारधाम यात्रा से जुड़े तमाम विभागों के अधिकारियों से व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की और उन्हें व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कमी नहीं करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में मुख्य रूप से निर्णय लिया गया कि इस साल से बदरीनाथ धाम में सिंह द्वार से आगे कोई भी मोबाइल और कैमरा नहीं जाएगा। बदरीनाथ केदारनाथ टेंपल कमेटी इसके लिए व्यवस्था क्लॉक रूम के माध्यम से बनाएगी। केदारनाथ धाम में भी चबूतरे पर कैमरा चलाने की परमिशन नहीं होगी। इस नियम को सख्ती से लागू कराया जाएगा।गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा का ख्याल रखा जा रहा है।

मंदिर परिसरों में वीडियो और फोटोग्राफी बैन

फोटो खींचने को लेकर विवाद

बता दें कि, साल 2025 की चारधाम यात्रा में मंदिर परिसर में फोटो खींचने को लेकर कई बार विवाद हुए। इस दौरान श्रद्धालुओं के बीच झगड़े की भी खबर आई है, जिनके वीडियो भी सामने आए हैं। इसीलिए प्रशासन ने इस बार बदरीनाथ और केदारनाथ मंदिर परिसर में मोबाइल और कैमरे को बैन कर दिया है।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी — सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- कंप्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, 20000 मार्केटिंग ऑफिसर 3, 40000 योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, 15000 फील्ड अधिकारी 5, सुरक्षा गार्ड 66, 13000, 10000 वेतन योग्यतानुसार **संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06-जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ीनाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019.** (RO-348)

बिलिंग/ऑपरेटर

आवश्यकता है- थोक कपड़ा दुकान में स्टाफ की आवश्यकता है कम्प्युटर पर बिलिंग, कम्प्युटर ऑपरेटर, माल पैकिंग तथा दुकान कार्य हेतु 10 से 15 लड़के चाहिए। मिलने का समयः दोपहर 3 से 6 बजे तक चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर डी 29- 30 **प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर संपर्कः 9425506658, 9424200658, 9977252503.** (RO-7267)

शिक्षक/ड्रायवर

आवश्यकता है- लेडी वाईस प्रिंसीपल, इंचार्ज, क्लर्क, हिन्दी टाईपिंग टाईपिस्ट, हिंदी- अंग्रेजी माध्यमः एकाउंट, कॉमर्स, इकोनॉमिक्स, मैथ्स, साइंस, एसएसटी, इंग्लिश पढ़ाने हेतु शिक्षक/ शिक्षिकाओं, ड्राईवर की आवश्यकता। **साक्षात्कार 21.01.2026 प्रातः 9:30बजे, रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानीटंकी के पास खमतराई, 9826198065, 07712252855.** (RO-6951)

मुंशी/सुपरवाइजर/मैनेजर

अति शीघ्र आवश्यकता है- कोल्ड स्टोरेज मे कार्य करने हेतु - मुंशी/ सुपरवाइज 2 पद, मैनेजर 1, एकाउंटेंट 1 पद, कार ड्राईवर 2 पद, माली 1की आवश्यकता है, अनुभव 3 वर्ष, सैलरी योग्यता अनुसार। **पता - बेनी कोल्ड स्टोरेज रिंग रोड नं. 3, गिरोद, रायपुर. मो. नं.9131304450.** (RO-6534)

ड्रायवर

आवश्यकता है- घरेलू कार्य हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है (पचपेड़ी नाका के आस पास रहने वाले को प्राथमिकता) आधार कार्ड व ड्राइविंग लाइसेंस लेकर साथ आवे **आम्रपाली सोसायटी कलर्स मॉल के पीछे पचपेड़ी नाका रायपुर मोबाइल- 8818928932, 9424225624.** (RO-6535)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान मे कार्य करने हेतु युवको, व युवतियों की अवश्यकता है। योग्यता 8वी से 10वी पास **पता- अजंता बुक डिपो सदर बाजार रायपुर संपर्क करें- 8928612345.** (RO-6542)

आवश्यकता है- होलसेल खिलौना दुकान बंजारी चौक गोल बाजार के पास कार्य हेतु मेहनती लड़कों एवं लड़कियो की आवश्यकता है **संपर्क रायपुर 8349712577, 9981390074.** (RO-476)

नर्सिंग स्टाफ/ऑपरेटर

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित व अनुभवी नर्सिंग स्टाफ, वार्ड बॉय एवं महिला कंप्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है, **श्री कृष्ण हॉस्पिटल मेन रोड न्यू राजेंद्र नगर रायपुर संपर्क करें:- 9691631006, 9617952445.** (RO-6528)

मास्टर टेलर

आवश्यकता है- एक्सपीरियंस सूट कटिंग मास्टर की आवशकता हे। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करेः **मोबाइल एवं व्हाट्सएप 9200025372 प्रवीण, 9981995372 प्रणय। शुभकामना (बुटीक, रायपुर, छत्तीसगढ़)** (RO-7389)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है, उम्र 18-28, वेतन 10,000/- +कमीशन +बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री **संपर्क:- 7870192397, 7796880121.** (RO-455)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- फर्नीचर स्टोर में मार्केटींग हेतु लड़के लड़कियों की और फिटर की आवश्यकता है। **सम्पर्क मोहन एक्सपोर्ट्स, राधिका नगर मेन रोड भिलाई। 9907477591.** (RO-6541)

गार्ड/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीरचांपा, कोरबा, रायगढ़ हेतु वेल्डर, कटरफिटर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन, हेल्पर, कम्पयूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, चपरासी स्टोरकीपर, सुपरवाईजर 5वीं-ग्रेजुएट वेतन 11000 से 30000 रहना फ्री नया **पता- बस स्टैण्ड बिलासपुर 7898973405.** (RO-39659)

हरिभूमि क्लासीफाईड — छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सेल्समैन/ड्रायवर

आवश्यकता है- चायपत्ती के मार्केटिंग कार्य हेतु सेल्समेन जो बाहर रह सके एवं ड्राइवर की आवश्यकता है **संपर्क करें जैन ट्रेडर्स नियर SBI ATM के सामने गली आकृति विहार अम्लीडीह रायपुर छत्तीसगढ़ - 74699-80000, 0771-4075490.** (RO-6539)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है । ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 9 बजे तक , रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 बजे तक (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 25,000/-प्रतिमाह । रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी । जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें। **पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल करने का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क :- 9644720222.** (RO-22)

आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकता है लोकल आदमी को प्राथमिकता थोड़ा पढ़ा लिखा होना चाहिए लाइसेंस पुराना होना चाहिए रायपुर लोकल चलना है एंड्राइड मोबाइल हो **संपर्क मो. 831925 4400, 9329 578 999 तेलीबांधा रायपुर** (RO-136)

आवश्यकता

आवश्यकता है- दवा कंपनी में कार्य हेतु, आठवीं/दसवीं पढ़े लड़कियों की आवश्यकता है, दुर्ग-भिलाई निवासी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार **संपर्कः- डॉ.एच.सी.अग्रवाल मो.- 96177-89223, 94255-55659 मिलने का समय- शाम 5बजे से 8बजे तक पताः-स्टेशन रोड स्वरूप टॉकिज के सामने ब्राइट फर्नीचर के पीछे दुर्ग(छ.ग.)** (आरो न.-4134)

मेडिकल स्टोर कार्य

आवश्यकता है- हार्डवेयर नट-बोल्ट दुकान में काम हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता। योग्यता – पाँचवी / बारहवीं वेतन – 14,500/- से योग्यता अनुसार कार्य स्थान – बॉम्बे मार्केट, राज टॉकीज के सामने, रायपुर (छ.ग.) **कॉलिंग समय – सुबह 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक मो. 9827911777.** (RO-4066)

हरिभूमि

चौकीदार/ड्रायवर

आवश्यकता है- 500/- प्रतिदिन । चौकीदार (परिवार वाला) फटाका जमाना, पैकिंग, बिल बनाना, ड्राइवर। लड़कों की आवश्यकता । **सम्पर्क तापड़िया फटाका, नेमींचंद गली, तेलघानीनाका चौक, रायपुर** (RO-164)

कुक

आवश्यकता है- न्यू राजेंद्र नगर रायपुर में स्थित घर के लिए खाना बनाने हेतु फुलटाइम (महिला कुक) की आवश्यकता है। **संपर्क करें:- 8839036601, 9340240899.** (RO-472)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- मार्केटिंग कार्य हेतु लड़को एवं लड़कियों की आवश्यकता वेतन - 12000 -15000 ऑफिस का **पता - शंकर नगर, चौपाटी हाउसिंग बोर्ड कॉम्प्लेक्स, चौथी मंजिल, कार्यालय संख्या 414,415 संपर्क करे - 9039298264.** (RO-452)

रिसेप्शनिस्ट/आया मदर

आवश्यकता है- नर्सिंग होम /प्रसूतिगृह में कार्य हेतु अनुभव, प्रशिक्षित रिसेप्शनिस्ट एवं आयामदर की आवश्यकता है **केजीएन और चिकित्सालय फव्वारा चौक बैरन बाजार रायपुर 9425502209, 9893042209 मिले 11 से 5 तक** (RO-6538)

नर्सिंग सटाफ/ऑपरेटर

आवश्यकता है- हॉस्पिटल व घर हेतु 2 चौकीदार एवं घरेलु गाड़ी व एम्बुलेंस चलाने ड्राइवर की आवश्यकता है, रहने की सुविधा **संपर्कः बांठिया हॉस्पिटल राजातालाब रोड़ रायपुर 0771-2425009.** (RO-475)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- मेडिकल इक्विपमेंट (Medical equipments) की मार्केटिंग के लिए लड़के की आवश्यकता है . Contact AG ENTERPRISES KAMAL VIHAR RAIPUR M- **9329358582, 8435958582.** (RO-39139)

गार्ड/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। **पता- श्रीसांई सिक्युरिटी सर्विस, सांई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू में तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291.** (RO-39669)

मैनेजर

Requirment- Playzone–Raipur (C.G.), Playzone Manager, Teachers/Activity Facilitators, Support Staff Eligibility- Graduate/Freshers can apply Work Profile, Activity & workshop planning- Hobby classes, Parent interaction, Daily operations Salary: Negotiable Send CV on: WhatsApp: **7777805162.** Email: connect@tumble-

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- जॉब जॉब जॉब ऑफिस कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 10000/- से 15000/- **पता- शुभम केमार्ट बोरिया चौक संतोषी नगर रायपुर संपर्क- 7879020825.** (RO-6537)

सेल्स/मार्केटिंग

Requirment- Archies Fire Safety Services requires Sales & Marketing Executive. Qualification - Graduate/ Diploma/MBA- fresher/experienced. Bike mandatory. Attractive salary with incentives. Interview contact: **9202676607.** Office: Police Line, Nehru Nagar, Raipur. (RO-6540)

प्लेट मैन/फिटर

आवश्यकता है- मल्टीकलर ऑफसेट प्रिंटिंग मशीन (कमोरी) में काम करने के लिए प्लेट मैन एवं फिडर मैन की आवश्यकता है। **सम्पर्क - 9340739151 (वेतन योग्यतानुसार) पता : आमानाका, रायपुर (छ.ग.)** (RO-135)

डाटा ऑपरेटर

आवश्यकता है- COMPUTER DATA ENTRY OPERATOR FOR ACCOUNTS LADIES PREFERRED CONTACT: HAMARA PETROL PUMP, DURG RAVI- **7879665758.** (आरो नं.-10351)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

सुरक्षागार्ड

आवश्यकता है- महासमुंद में सुरक्षा गार्डों की आवश्यकता है शिक्षाः 10वीं ऊंचाईः 167 सेमी.वेतनः 16000/- प्रति माह.सुविधाएंः ईपीएफ, चिकित्सा और कमरा निःशुल्क। **संपर्क करें: 9021510849 / 9382515917 आवश्यक दस्तावेजः मार्कशीट, आधार कार्ड, बैंक पासबुक और 4 पासपोर्ट फोटो** (RO-A)

फील्ड वर्क

आवश्यकता है- यूनिटी कंस्ट्रक्शन वेलूवर फील्ड वर्क हेतु पुरूष उम्मीदवार की आवश्यकता है। अनुभव फ्रेशर (नए) उम्मीदवार आवेदन कर सकते है। उम्र 19से 40वर्ष **संपर्क करें:-75584-94487.** (आरो न.-212)

स्टोर मैनेजर

WANTED- Store Manager Sales Executive For Premium Luxury Designer Store Eligibility Graduate-Fashion / Design/Sales & Customer Handling with retail back-ground Location- Choubey Colony Salary-negotiable Mail or WhatsApp 7777805165. support@raahe.in (RO-4900)

अकाउंटेंट

आवश्यकता है- अकाउंटेंट चाहिए जिसको जीएसटी एवं टैलीप्राइम अनुभव हो संपर्क करें राजा स्टील ट्रेडर्स कृष्णा टॉकीज रोड रिसाली भिलाई **बायोडाटा व्हाट्सएप करें 98261380 80.** (आरो न.-213)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु ,रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़को की आवश्यकता है रूम बिजली की सुविधा फ्री है **पता बंजारी मंदिर के पास रावाभाटा रायपुर 7828735534.** (RO-39664)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152
क्लासीफाईड

आवश्यकता

आवश्यकता है- पार्ट टाइम गर्ल स्टाफ की जिसको MS ऑफिस और सोशल मीडिया प्रमोशन का अनुभव हो, रिज्यूम लेकर **संपर्क करें कवि राजेश जैन रही, कमला सुपर बाजार तेलगानी चौक रायपुर 9425286241.** (RO-4065)

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः- B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech,(अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करें) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai **9826196515, 9826896515.** (आरो न.-4129)

For Rent किराया

दुकान किराए से देना है- ऊपर नीचे श्री शिवम माल के बाजू स्टेशन रोड दुर्ग में स्थित है दुकान साइज 10x25 =250 वर्गफीट नीचे 200x50 बराबर 1000 वर्गफीट ऊपर नीचे साथ ही देना है **9302606203.** (आरो न.-211)

हरिभूमि क्लासीफाईड

किराये से देना है- किराया शहर के हृदय स्थल पुराना बस स्टैण्ड, टेलीफोन एक्सचेंज रोड, कपड़ा मार्केट रोड बिलासपुर में 12×45 की शानदार दुकान किराए से देना है **सम्पर्क करें- 9827478774.** (RO-39687)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - विनायिका फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज) (30% छूट) **संपर्कः- 7587708423.** (RO-477)

Property प्रापर्टी

RAIPUR Smart BUSINESS

GST रजिस्ट्रेशन नम्बर बनवाएं मात्र 3 दिन में

5 साल पुरानी ITR फाइल बनवाएं मात्र 5000/- में (व्हाट्सएप पर बनवाएं) www.onlytds.com

GST-Return | प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TDS रिफंड | CMA DATA | MSME रजिस्ट्रेशन | Food लाइसेंस

संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

CLASSIFIED RATE CARD

01 अप्रैल 2025 से लागू — हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Price per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply — 5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE (10X1)

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेकर व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क **जे.जे. अहमद दवाखाना**
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

इसे जरूर पढ़िये और समझिये

इसे नजर अंदाज कर क्षणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए क्योंकि यह जिद्दी व लाईलाज बीमारी है यह दवा से दबकर बार-बार फिर उभरता है। क्योंकि इसका जड़ चमड़ी में नहीं कहीं और है। क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रुसी, जोड़ों में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना नाखुनों का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है। क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है जैसे : शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि। ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई उपाय नही है, ये खुरापाती नीम हकीम आपको भ्रम में डालकर पागल बनाकर ही छोड़ेंगे सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्नुनो थैरिपी पर आधारित केवल रस-रसायन में ही हैं।

सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659,93039-48500
96177-89223,93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

छोटा लिंग निराश क्यों?

जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

ऑस्ट्रेलियाई ओपन: रिकॉर्ड बनाने से बस एक कदम दूर वीनस

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

वीनस विलियम्स 45 वर्ष की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में नया रिकार्ड बनाने के लिए तैयार हैं। अमेरिका की यह स्टार खिलाड़ी रविवार को कोर्ट पर उतरते ही वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के महिला एकल में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। उन्हें इस बात का अहसास तब तक नहीं हुआ जब तक कि उन्हें पांच साल में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश नहीं मिला। वीनस जापान की किमिको दाते का रिकॉर्ड तोड़ेगी, जिन्होंने 44 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था।

पहली बार 1998 में लिया था हिस्सा

वीनस ने कहा, 'जब तक यह खबर मीडिया में नहीं आई, मैंने इसके बारे में सोचा भी नहीं था। मेरे लिए यह बहुत खुशी की बात है।' मीडिया से बात करने के बाद वह सभागार से बाहर निकलीं और अपने पति एंड्रिया प्रीटी के हाथ में हाथ डालकर एक गलियारे से होते हुए खिलाड़ियों के क्षेत्र में वापस चली गईं। उन्होंने इससे पहले 2021 में आखिरी और कुल 21वीं बार मेलबर्न पार्क में प्रतिस्पर्धा की थी। वीनस जब 17 साल की थीं तब उन्होंने पहली बार 1998 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लिया था और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही थी। मेलबर्न पार्क की अपनी पहली यात्रा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'वह खूबसूरत समय था, क्योंकि मुझे बहुत सी चीजों के बारे में पता नहीं था। लेकिन न जानने का एक बड़ा फायदा यह है कि इससे आपको नए सिरे से शुरुआत करने का मौका मिलता है। मुझे बहुत कुछ सीखना था और फिर मैंने वह सब सीख लिया।'

25वें खिताब की ओर जोकोविच, अल्काराज और सिनर बड़ी चुनौती

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

नोवाक जोकोविच को अब भी पूरा भरोसा है कि वह अपना 25वां एकल ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने में सफल रहेंगे और उन्हें उम्मीद है कि रविवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वह कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर की कड़ी चुनौती से पार पाने में सफल रहेंगे।

जोकोविच पिछले साल चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे थे लेकिन वह अल्काराज और सिनर की चुनौती से पार पाने में असफल रहे थे। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में एक बार फिर से यह दोनों युवा खिलाड़ी उनकी राह में सबसे बड़ी बाधा बन सकते हैं। जोकोविच ने कहा, '2025 में मैंने सिनर या अल्काराज़ के खिलाफ खेले गए चार

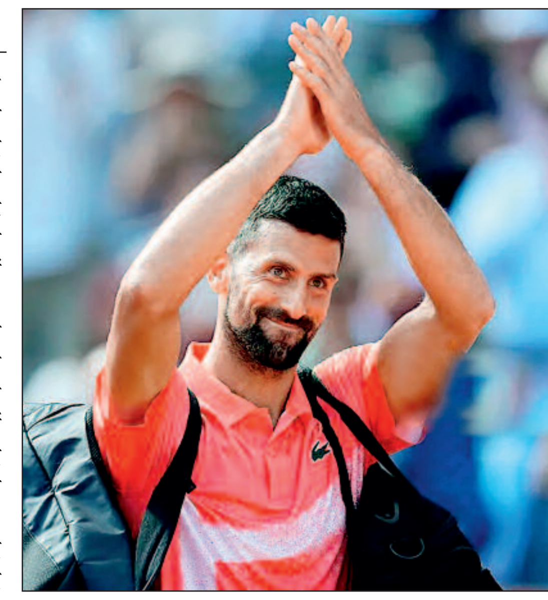

ग्रैंड स्लैम मैच में से तीन में हार का सामना किया।' उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'हमें उनकी ज्यादा तारीफ करने की जरूरत नहीं है। उनकी तारीफ पहले ही काफी हो चुकी है। हम जानते हैं कि वे कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। वे उस मुकाम के हकदार हैं, जहां वे अभी हैं। वे इस समय पुरुष टेनिस में सबसे मजबूत खिलाड़ी हैं।' जोकोविच अपने 25वें ग्रैंड स्लैम एकल खिताब की तलाश में तीसरा सत्र शुरू कर रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अपने दृष्टिकोण में थोड़ा बदलाव किया है। उन्होंने अपने एकमात्र निर्धारित अभ्यास टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया, क्योंकि वह युवा खिलाड़ियों का सामना करने के लिए पूरी तरह से फिट रहना चाहते हैं।

अंडर 19 विश्व कप : विहान मल्होत्रा ने 4 ओवर में 14 रन देकर झटके 4 विकेट

भारत की लगातार दूसरी जीत, बांग्लादेश को रोमांचक मुकाबले में दी शिकस्त, वैभव ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| बुलावायो

भारत ने अंडर 19 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। उसने ग्रुप बी के मुकाबले में बांग्लादेश को 17 जनवरी को डकवर्थ लुईस सिस्टम (डीएलएस) से 18 रन से हराया। डीएलएस के आधार पर 29 ओवर में मिले 165 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम 146 रन पर ढेर हो गई। विहान मल्होत्रा ने बॉलिंग में कमाल किया और चार ओवर में 14 रन देकर चार विकेट लिए। उनके अलावा खिलन पटेल ने दो शिकार किए। भारत की तरफ से वैभव सूर्यवंशी ने शानदार पारी खेलते हुए विश्व रिकॉर्ड बनाया। भारतीय टीम पहले बैटिंग करते हुए 238 रन बनाए। उसकी तरफ से अभिज्ञान कुंडु ने 80 और वैभव सूर्यवंशी ने 72 रन की पारी खेली लेकिन बाकी बल्लेबाज ऐसा खेल नहीं दिखा सके। बांग्लादेश की तरफ से अल फहद सबसे सफल रहे, जिन्होंने 38 रन पर पांच विकेट लिए।

डीएलएस टारगेट के बाद बिगड़ा बांग्लादेश का खेल

भारत और बांग्लादेश के मुकाबले में बारिश ने कई बार बाधा डाली। इससे बार-बार ओवर्स में कमी हुई। पहले भारत की पारी को 50 की जगह 49 ओवर का किया गया। फिर बांग्लादेश की बैटिंग में 18वें ओवर बारिश आई और मैच 29 ओवर का कर दिया गया। इस बाधा के बाद बांग्लादेश का खेल बिगड़ गया। इस व्यवधान से पहले बांग्लादेश ने दो विकेट पर 90 रन बना लिए थे। बारिश रुकने के बाद जब मैच शुरू हुआ तो उसने 56 रन में आठ विकेट गंवा दिए।

विहान के आगे फिसला बांग्लादेश

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने जवाद अबरार को पहले ही ओवर में गंवा दिया। लेकिन रिफत बेग (37), कप्तान अजीजुल हकीम (51) ने अहम रन जुटाते हुए बांग्लादेश को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। रिफत 62 के कुल स्कोर पर आउट हुए। लेकिन हकीम डटे हुए थे। इसके बाद बारिश आई और बांग्लादेश को नया लक्ष्य मिला। इसके बाद विहान ने गेंद थामी और उन्होंने लगातार विकेट लेते हुए भारतीय टीम को जीत दिला दी।

वैभव ने 30 गेंदों में लगाई फिफ्टी

वैभव को 30 गेंदों में अपने 50 रन पूरे किए। उन्होंने 13वें ओवर की छठी गेंद पर एक रन लेकर 50 रन का आंकड़ा छुआ। वैभव अंडर19 वर्ल्ड कप मैच खेलने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर (14 साल, 294 दिन) बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। उन्होंने कनाडा के बैट्समैन नीतीश कुमार का रिकॉर्ड तोड़ा। नीतीश 15 साल और 245 दिन के थे, जब उन्होंने 15 जनवरी 2010 को क्राइस्टचर्च में ज़िम्बाब्वे के खिलाफ कनाडा के लिए अपना पहला अंडर19 वर्ल्ड कप मैच खेला था।

सूर्यवंशी ने कोहली को छोड़ा पीछे

भारत की तरफ से यूथ वनडे में वैभव सूर्यवंशी ने सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। कोहली ने अपने यूथ वनडे करियर में कुल 28 मुकाबलों की 25 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 46.57 के बेहतरीन औसत के साथ कुल 978 रन बनाए थे। वहीं वैभव ने 20 पारियों में 50 से अधिक के औसत के साथ यूथ वनडे में अपने 1000 रनों का आंकड़ा पूरा कर लिया है। वह कोहली से भी आगे निकल गए हैं। वैभव भारत की तरफ से यूथ वनडे में सबसे कम पारियों में एक हजार रनों का आंकड़ा पूरा करने के मामले में तीसरे सबसे तेज भारतीय बने हैं।

आरसीबी को लगातार चौथी जीत दिल्ली कैपिटल्स को हराया

नवी मुंबई। कप्तान स्मृति मंधाना शतक से चार रन से चूक गई लेकिन उनकी बेहतरीन पारी की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराकर महिला प्रीमियर लीग में लगातार चौथी जीत दर्ज की। आरसीबी पांच टीमों की तालिका में शीर्ष पर है जबकि चार में से तीन मैच हारकर दिल्ली सबसे नीचे है। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के 41 गेंद में 62 रन की मदद से 166 रन बनाए थे। एक समय पर दिल्ली का स्कोर दूसरे ओवर में चार विकेट पर 10 रन था लेकिन शेफाली ने पारी को संभाला। मंधाना ने हालांकि उनकी पारी को बेनूर करते हुए आरसीबी को एकतरफा जीत दिलाई। आरसीबी ने तीसरे ओवर में ग्रेस हैरिस का विकेट गंवा दिया था लेकिन इसके बाद मंधाना और जॉर्जिया वोल ने दूसरे विकेट के लिए 142 रन की साझेदारी की। आरसीबी ने दस गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। मंधाना ने 61 गेंद में 13 चौकों और तीन छक्कों के साथ 96 रन बनाए। वहीं आस्ट्रेलिया की वोल ने 42 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों के साथ 54 रन जोड़े। मंधाना ने नंदिनी शर्मा की गेंद पर लूसी हैमिल्टन को कैच दिया लेकिन तब तक टीम की जीत तय कर दी थी।

डब्ल्यूपीएल

यूपी वॉरियर्स ने 3 दिन में दूसरी बार मुंबई इंडियंस को हराया

लैनिंग और लिचफील्ड के अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

यूपी वॉरियर्स ने कप्तान मेग लैनिंग (70 रन) और फीबी लिचफील्ड (61) के अर्धशतकों और दूसरे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से शनिवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को 22 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। दोनों टीम तीन दिन में दूसरी बार आमने सामने हुईं। दोनों ही बार यूपी वॉरियर्स ने मुंबई इंडियंस को पराजित किया। लैनिंग की अगुआई वाली यूपी वॉरियर्स ने आठ विकेट पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में मुंबई इंडियंस 20 ओवर में छह विकेट पर 165 रन ही बना सकी। मुंबई इंडियंस की आधी टीम 11वें ओवर में 69 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट चुकी थी। इसके बाद अमेलिया केर (नाबाद 49 रन) और अमनजोत कौर (41 रन) ने मिलकर छठे विकेट के लिए 45 गेंद में 83 रन की भागीदारी की। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। यूपी वॉरियर्स ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर खाता खोला था।

ऑकलैंड ओपन

मेनसिक ने किया तीखी सर्विस का शानदार नजारा पेश, जीता खिताब

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

तीसरी वरीयता प्राप्त जैकब मेनसिक ने अपनी तीखी सर्विस का शानदार नजारा पेश करते हुए सेबेस्टियन बाएज को सीधे सेटों में हराकर ऑकलैंड ओपन एटीपी 250 टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज मेनसिक ने फाइनल में 6-3, 7-6 (7) से जीत हासिल करने के लिए 18 ऐस लगाए। चेक गणराज्य के इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरे सेट के टाईब्रेक में तीन सेट प्वाइंट बचाकर अपना दूसरा एटीपी टूर खिताब जीता। अब वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लेंगे, जहां पहले दौर में उनका मुकाबला स्पेन के पाब्लो कैरेनो बुस्टा से होगा।

एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य बने विजेंदर

नई दिल्ली। मुक्केबाज विजेंदर सिंह को एशियाई मुक्केबाजी परिषद में सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है, जो एक शीर्ष खिलाड़ी से वैश्विक खेल प्रशासक बनने के उनके सफर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विजेंदर भारत के पहले ओलंपिक मुक्केबाज हैं, जिनके पास

एमेच्योर और पेशेवर मुक्केबाजी दोनों में खेल के सर्वोच्च स्तर पर खेलने का लगभग दो दशकों का अनुभव है। एशियाई मुक्केबाजी परिषद में उनकी नियुक्ति खेल की उनकी गहरी समझ और पूरे महाद्वीप में इसके विकास के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

एडिलेड इंटरनेशनल

18 साल की मीरा एंड्रीवा ने लगातार जीते 9 गेम, खिताब पर किया कब्जा

एजेंसी ▶▶| एडिलेड

तीसरी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने शुरू में 0-3 से पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी करते हुए लगातार नौ गेम जीतकर एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में विक्टोरिया एमबोको को 6-3, 6-1 से हरा दिया। यह मुकाबला डब्ल्यूटीए टूर की रैंकिंग में शीर्ष 20 में शामिल लेकिन 20 वर्ष से कम उम्र की खिलाड़ियों के बीच था। एंड्रीवा 18 वर्ष और एमबोको 19 वर्ष की हैं। कनाडा की खिलाड़ी एमबोको ने पहले सेट में 3-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद एंड्रीवा ने उनकी एक नहीं चलने दी और आसानी से मैच अपने नाम करके अपना पांचवां डब्ल्यूटीए खिताब जीता।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
क्षेत्रीय कार्यालय, जीवन प्रकाश, एलआईसी बिल्डिंग, पंडरी, रायपुर (छ.ग.)
फोन 0771-4222611, 4222612, ई-मेल: recovery.raipur@bankofbaroda.com

अचल संपत्ति का कब्जा नोटिस

यत: बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(12) के साथ पढ़े जाने वाली प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित बकायेदारो / जमानतदारों को मांग नोटिस निर्गत की गई थी | उक्त मांग नोटिसों में, वर्णित धनराशि को संबंधित बकाएदारों से, उक्त नोटिसों की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर बैंक को अदा करने की मांग की गई थी, जिसे निम्नलिखित नाम वाले बकायेदार / जमानतदार मांग की गई धनराशि को लौटाने में असफल रहे हैं। अत: एतद् द्वारा संबंधित बकायेदारों / जमानतदारों एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी ने संबंधित कॉलम में दी गई तिथियों को उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) के साथ पढ़े जाने वाली प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 तथा धारा 14 के साथ पठित उक्त नियमावली के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोलिखित सम्पत्तियों को उनके सम्मुख अंकित दिनांक को अपने कब्जे में ले लिया हैं जिनका विवरण निम्नानुसार हैं:-

क्र.	शाखा का नाम / फोन नं.	उधारकर्ता / जमानतदार का नाम	प्रतिभूतिकृत संपत्ति का विवरण	मांग नोटिस की तिथि राशि एवं सांकेतिक / भौतिक कब्जा तिथि
01	जी. ई. रोड एम्स टाटीबंध शाखा रायपुर 9109993975	श्री गुरविंदर सिंह और श्रीमती लखविंदर कौर मकान नं. 813/2, छ.ग. हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कुम्हारी, जिला - दुर्ग, पिन कोड - 491001	साम्यिक बंधक मकान से संबंधित मकान नंबर - पलाश डुपलेक्स (एचआईजी डुपलेक्स) - 62, क्षेत्रफल - 311.79 वर्गमीटर स्थित " खारुन ग्रीन, कुम्हारी भिलाई, जिला - दुर्ग (छत्तीसगढ़) हैं जो श्री गुरविंदर सिंह के नाम पर हैं. सीमाएं : उत्तर - मकान नं. - 61, दक्षिण - 7.5 मीटर रोड, पूर्व - 9 मीटर रोड पश्चिम - मकान नं. - 63 पलाश डुप्लेक्स	22.07.2025 रु. 13,02,108.31 + ब्याज + अन्य प्रभार 13.01.2026 सांकेतिक कब्जा

अग्रेतर एतद् द्वारा आम जनता विशेषकर उधारकर्ता एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता हैं कि उपरोक्त संपत्तियों का लेनदेन न करें, उक्त संपत्ति का लेनदेन बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रभार के अधीन होगा। हम ऋणकर्ता का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन (redeem) के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 8 की ओर आकर्षित करते हैं.

दिनांक: 18.01.2026, स्थान: रायपुर, छत्तीसगढ़ — प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI
धमधा शाखा : धमधा, बेमेतरा रोड, मेन रोड, धमधा, जिला दुर्ग - 491331

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि

सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के [नियम 8 (1)] के तहत

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने बैंक ऑफ इंडिया का प्राधिकृत, धमधा शाखा, अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) और प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना जारी की थी तथा ऋणी को मांग सूचना में उल्लेखित धनराशि जिसका विवरण नीचे दिया गया है का भुगतान सूचना प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर करने को कहा गया था। ऋणी के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणी/बंधककर्ता और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का आधिपत्य (कब्जा) नीचे वर्णित दिनांक को ग्रहण कर लिया है तथा जिसका विवरण अधोवर्णित है।

उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (यों) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (18) के प्रावधानों के लिये आमंत्रित किया गया है। ऋणी/बंधककर्ता को विशिष्ट रूप से और सर्वसाधारण को सामान्य रूप से एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से क्रय-विक्रय बैंक ऑफ इंडिया, धमधा शाखा के मूल ब्याज व अन्य व्यय के भार के अधीन होगा जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

उधारकर्ता / जमानतदार	संपत्ति का विवरण	मांग पत्र दिनांक	देय राशि
उधारकर्ता:-श्रीमती पार्वती बाई पति श्री पीलू राम साहू एवं श्री पीलू राम साहू पिता भोंदू साहू जी	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की संपत्ति भूमि एवं भवन खसरा नं. 06, प.ह.नं. 17, ग्राम-नवागांव खुर्द, तहसील - साजा, जिला - बेमेतरा, छत्तीसगढ़ 491888 में स्थित जिसका क्षेत्रफल 4304.00 वर्ग फुट जो श्रीमती पार्वती बाई साहू पति श्री पीलू राम साहू के नाम पर पंजीकृत है। **चौहद्दी:-** उत्तर: देवनाथ की भूमि, दक्षिण: तारकोल रोड (बिरानपुर रोड), पूर्व: पलटन यादव का मकान, पश्चिम: ज्ञान साहू की भूमि।	दिनांक 15.01.2025 कब्जा दिनांक 13.01.2026	₹ 10,26,852.05/- (दस लाख छब्बीस हजार आठ सौ बावन रुपये एवं पांच पैसे) + ब्याज + अन्य व्यय।
उधारकर्ता:-1. मेसर्स नवीन ड्रेसेज के प्रो. श्री भूपेन्द्र कुमार सिन्हा पिता श्री रामू राम सिन्हा 2. मेसर्स नवीन सोसाइटी प्रो. श्री रामू राम सिन्हा पिता स्व. लेड़गा राम सिन्हा	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की संपत्ति भूमि एवं भवन, खसरा नं. 1719 (भाग), ग्राम धामधा, पीसी क्रमांक 9, आरआई सर्कल धमधा, तहसील धमधा, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ में स्थित, जिसका क्षेत्रफल 2809 वर्ग फुट है, जो श्री भूपेंद्र कुमार सिन्हा पिता श्री रामू राम सिन्हा के नाम पर है। **चौहद्दी:-** उत्तर: गली, दक्षिण: मनोहर का निवास, पूर्व: टॉपसिंह, गणेश सिन्हा एवं रामजी का घर, पश्चिम: विजय शर्मा की बाड़ी।	दिनांक 19.07.2025 कब्जा दिनांक 13.01.2026	₹ 11,65,406.52/- (ग्यारह लाख पैंसठ हजार चार सौ छह रुपये एवं बावन पैसे) + ब्याज + अन्य व्यय।

दिनांक : 18.01.2026, स्थान : धमधा — प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया

ई-नीलामी सूचना

ऋणवसूली अधिकरण

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय वित्तीय सेवायें विभाग (बैंकिंग प्रभाग)
द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन (BSNL बिल्डिंग), रेजीडेंसी रोड, हेड पोस्ट ऑफिस के पास, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर- (मप्र) 482001

Case No.: RC 179/2022/ओ.ए.नं. 1328/2019

ई-नीलामी क्रमांक 323/2025

• UCO BANK वि. SHRI YOGESH SHRIVASTAVA एवं अन्य में पारित वसूली प्रमाणपत्र क्रमांक RC No. RC 179/2022/O.A. No. 1328/2019 में जारी राशि की वसूली हेतु प्रमाण पत्र Rs. 31,91,577.95 (Rupees Thirty One Lakh Ninety One Thousand Five Hundred Seventy Seven & Ninety Five Paise Only) तथा उस पर 9.50 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से दिनांक 31.07.2019 से ब्याज एवं वसूली हेतु निम्नलिखित संपत्ति ऑनलाईन ई-नीलामी प्रकिया के तहत वेबसाईट https://www.bankeauctions.com के माध्यम से की जायेगी।

ई-नीलामी की तिथि एवं समय :- 18.02.2026 दोपहर : 12.00 से 01.00

संपत्ति की अनुसूची

Residential Land & Building bearing Khasra No.-606, House No.-40/30, situated at Malviya Road, Babu Jagjivan Ram Ward No.-40, P.H. No.-106 A, Tehsil & District- Raipur (C.G.), Land Area 561 sq.ft.; Property jointly in the name of Shri Yogesh Shrivastava S/o Late Shri Shailendra Shrivastava, Shri Vishal Shrivastava S/o Late Shri Shailendra Shrivastava, Smt. Kusum Shrivastava W/o Late Shri Shailendra Shrivastava, Shri Vikash Shrivastava S/o Late Shri Shailendra Shrivastava and Shri Sunny Shrivastava S/o Late Shri Shailendra Shrivastava.

प्रारक्षित मूल्य :-Rs..33,40,000.00 ((Rupees Thirty Three Lakh Forty Thousand only);

विक्रय की शर्तें :

1. इच्छुक निविदाकर्ता वैध डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र धारक होना चाहिए। अधिक विवरण हेतु M/s. C-1 India Pvt. Ltd., website : https://www.bankeauctions.com; Helpline No. 0124-4302020/21/22/23/24, for help a bidder in e-auction contact to Mr. Mithalesh Kumar on Mob. No. 7080804466; E-mail id: -mpcg@c1india.com or E-mail ID: support@bankeauctions.com
2. इच्छुक निविदाकर्ता को सूचित किया जाता है कि निविदा जमा करने के पूर्व वेबसाईट https://www.bankeauctions.com में उपलब्ध नीलामी बीड प्रपत्र तथा विस्तृत नियमों व शर्तों का अवलोकन कर लें।
3. बिड केवल ऑनलाईन माध्यम से निर्धारित प्रपत्र पर पहचान पत्र की प्रति साथ संलग्न कर जमा करनी होगी (विस्तृत नियम व शर्तों का संदर्भ लें)
4. अग्रिम जमा धरोहर राशि (ईएमडी) हेतु प्रारक्षित मूल्य की 10 प्रतिशत राशि जो रूपये Rs.3,34,000.00 (Rupees Three Lakh Thirty Four Thousand only); है, RTGS/NEFT/MONEY TRANSFER द्वारा वसूली अधिकारी, ई-नीलामी खाता, ऋण वसूली अधिकरण जबलपुर के नाम से धारित Account No. 5692799461 in the name of Recovery Officer, E-auction account, DRT Jabalpur with CENTRAL BANK, OF INDIA, DHOBIGHAT BRANCH, JABALPUR. (IFSC Code:CBIN0281618) में आवश्यक रूप से जमा करनी होगी तथा उक्त राशि का प्रेषण बिड प्रपत्र में सुस्पष्ट रूप से उल्लेखित करना होगा।
5. निविदा ऑनलाईन माध्यम से दिनांक 16.02.2026 अथवा इसके पूर्व 17.00 बजे तक जमा करनी होगी।
6. ऑनलाईन माध्यम से जमा बिड प्रपत्र तथा अनुलग्नकों की प्रति वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, तृतीय तल, संचार विकास भवन (BSNL बिल्डिंग), रेजीडेंसी रोड, हेड पोस्ट ऑफिस के पास, साउथ सिविल लाईन, जबलपुर को प्रेषित करनी होगी तथा शीघ्र अति शीघ्र भेजने के लिए सर्विस प्रोवाइडर को सूचित किया जाता है और वह, सभी नीलामी के खरीददारों की सूची एवं अन्य दस्तावेज उपलब्ध करावें।
7. ऑनलाईन नीलामी बोली प्राप्त बिड में से अधिकतम बोली से प्रारंभ होगी तथा प्रत्येक बिड वृद्धि राशि न्यूनतम रू. Rs. 40,000.00 (Rupees Forty Thousand only) होगी। ऑनलाईन बिड में समय समाप्त के पूर्व बिड डालने पर सिस्टम द्वारा अपने आप 5 मिनिट का समय बढ़ता रहेगा।
8. असफल बोली कर्ताओं की अग्रिम धरोहर राशि (ईएमडी) वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, जबलपुर द्वारा उसी खाते में वापिस की जायेगी, जिससे कि उस का भुगतान हुआ है तथा इस संबंध में कोई भी पूछताछ स्वीकार्य नहीं होगी। इच्छुक निविदाकर्ता द्वारा अग्रिम धरोहर राशि (ईएमडी) जमा किये जाने के पश्चात वे जब तक असफलत बोली कर्ता घोषित नहीं किये जाते तब तक ईएमडी राशि वापस नहीं ले सकते अन्यथा राशि जप्त कर ली जायेगी।
9. सफल बोलीकर्ता को विक्रय उसके पक्ष में घोषित किये जाने की स्थिति में, 25 प्रतिशत बोली राशि (ईएमडी राशि को समायोजित करते हुए) अगले दिन RTGS/NEFT/MONEY TRANSFER के द्वारा कंडिका-4 में उल्लेखित खाते में जमा करनी होगी।
10. सफल बोली कर्ता को विक्रय मूल्य की शेष 75 प्रतिशत राशि एवं विक्रय मूल्य का 1 प्रतिशत पोन्डेज शुल्क तथा रू. 10 (प्रति संपत्ति अलग-अलग) सहित नीलामी के 15 दिनों के अंदर या यदि 15 वां दिन रविवार अथवा अन्य अवकाश हो तो, 15 वें दिन पश्चात प्रथम कार्यालयीन दिवस को उपरोक्त उल्लेखित क्रमांक 4 में दर्शित खाते में समयावधि में भुगतान करना होगा। भुगतान में चूक करने पर संपत्ति की नई विक्रय उद्घोषणा जारी करने के पश्चात पुन: विक्रय की जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा उक्त राशि शासन के पक्ष में जप्त कर ली जायेगी तथा तत्पश्चात विक्रय होने वाली संपत्ति अथवा राशि के किसी अंश पर चूककर्ता बोलीकर्ता के समस्त दावे समपहृत होंगे।
11. संपत्ति ''जहां है जैसी है तथा बिना किसी शिकायत'' के आधार पर विक्रय की जायेगी।
12. संपत्ति का निरीक्षण दिनांक 02.02.2026 प्रात: 12 बजे से 16 बजे तक किया जा सकेगा।
13. संपत्ति प्रारक्षित मूल्य से कम मूल्य पर विक्रय नहीं की जायेगी।
14. वसूली अधिकारी को किसी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने या बिना कोई कारण बताये नीलामी को आगे बढ़ाने या स्थगित करने का निर्बाध अधिकार होगा।
15. इच्छुक निविदाकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि वे Shri Deepak Chauhan Chief Manager, Mob. No. 7837466215 में उपलब्ध संपत्ति के स्वत्वाधिकार विलेख का निरीक्षण करले तथा संपत्ति की पहचान एवं विवरणी सही होने तथा प्रभारों आदि की पड़ताल कर ले। इस संबंध में वसूली अधिकारी किसी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा। संपत्ति का विवरण बैंक द्वारा प्रदत्त दस्तावेज पर आधारित है।
16. ई-नीलामी के संबंध में विवरण M/s. C-1 India Pvt. Ltd., website: https://www.bankeauctions.com; Helpline No. 0124- 4302020/21/22/23/24, for help a bidder in e-auction contact to Mr. Mithalesh Kumar on Mob. No. 7080804466; E-mail id:-mpcg@c1india.com or E-mail ID: support@bankeauctions.com.
17. संपत्ति से संबंधित अधिक जानकारी Shri Deepak Chauhan Chief Manager, Mob. No. 7837466215 से प्राप्त की जा सकती है।
18. इच्छुक निविदाकर्ता ई-नीलामी प्रकिया में अपने स्वयं के कार्यालय/स्वेच्छा के स्थान से बोली लगाने हेतु सम्मिलित हो सकते हैं। प्रत्येक निविदाकर्ता द्वारा इंटरनेट कनेक्टीविटी स्वत: सुनिश्चित करनी होगी। डीआरटी/बैंक/सेवा प्रदाता किसी भी प्रकार से इंटरनेट कनेक्टीविटी, नेटवर्क समस्या, तंत्र विक्षेप, विद्युत व्यवधान आदि के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

स्थान : जबलपुर
दिनांक- 31.12.2025

(प्रीति देसाई)
वसूली अधिकारी 1

तरकश

-संजय के. दीक्षित

पोस्टिंग की गजब परंपरा

छत्तीसगढ़ में चना-मुर्रा टाईप आयोगों में सरकार बनने के साल-डेढ़ साल के भीतर नियुक्तियां हो जाती हैं, मगर राज्य वित्त आयोग के साथ कुछ ऐसी विडंबना रही कि 25 साल में सिर्फ एक बार पांच साल के लिए वीरेंद्र पाण्डेय इसके अध्यक्ष रहे। वरना, हर सरकार में, तीसरे साल ही अध्यक्ष की नियुक्ति हो पाती है। अजीत जोगी के मुख्यमंत्री रहने के दौरान लगभग आखिरी समय याने विधानसभा चुनाव से जस्ट पहले टीएस सिंहदेव को इस आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। मगर दिसंबर 2003 में सरकार बदल गई। हालांकि, संवैधानिक पद होने के चलते सिंहदेव इस्तीफा ना भी देते तो कुछ नहीं होता। मगर सिंहदेव ने नैतिकता के नाते पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मुख्यमंत्री बने डॉ. रमन सिंह ने वीरेंद्र पाण्डेय को अध्यक्ष बनाया। वे करीब पांच साल इस पद पर रहे। उसके बाद फिर तीसरे साल में नियुक्ति की परंपरा शुरू हो गई। 2011 में अजय चंद्राकर और 2016 में चंद्रशेखर साहू इस आयोग के अध्यक्ष बनाए गए। भूपेश बघेल सरकार ने भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 2022 में सरजियस मिंज की नियुक्ति की थी। चूंकि बीजेपी-04 सरकार का तीसरा साल चालू हो गया है, ऐसे में इस आयोग को लेकर पार्टी नेताओं की उत्सुकता बढ़ गई है। इस आयोग का मूल काम राज्य के कुल कर राजस्व में से स्थानीय निकायों को कितना हिस्सा मिले, इसका तरीका सुझाना है। पंचायतों और नगरपालिकाओं के लिए आय के नए स्त्रोत तलाशने का कार्य भी यह आयोग करता है। चूंकि इसमें दिमाग और बुद्धि का काम है, इसलिए नेताओं में भी पढ़े-लिखे बौद्धिक फेस को ही इस आयोग का चेयरमैन बनाया जाता है। बहरहाल, यह देखना दिलचस्प होगा कि बीजेपी कब और किसकी ताजपोशी करती है।

कटप्पा और आईपीएस प्रमोशन

बाहुबली-2 रिलीज होने से पहले पब्लिक डोमेन में ये बड़ा प्रश्न था कि कटप्पा ने आखिर बाहुबली को क्यों मारा? कुछ इसी तरह के यक्ष प्रश्न आईपीएस लॉबी में भी घूम रहे हैं...बैठक में आखिर पेंच लगाई किसने। दरअसल, डीपीसी तक सब कुछ ठीकठाक चल रहा था। पीएचक्यू ने प्रमोशन का प्रस्ताव तैयार कर भेजा, गृह विभाग ने उसे डीपीसी में सम्मिट किया। बताते हैं, प्रमोशन कमेटी की बैठक जैसे ही शुरू हुई किसी मेंबर ने महादेव ऐप्प का मसला उठा दिया। कहा...6000 करोड़ के स्कैम में तीन अफसरों से पूछताछ के लिए केंद्रीय जांच एजेंसी को 17ए के तहत अनुमति दी गई है, तो फिर प्रमोशन कैसे? इसके बाद पेंच ऐसी फंसी कि हाई लेवल के निर्देश और मार्गदर्शन के बाद भी दूसरी डीपीसी में मामला सुलझ नहीं पाया। विदित है, मुख्य सचिव विकास शील, सीनियर एसीएस के नाते ऋचा शर्मा, एसीएस होम मनोज पिंगुआ और डीजीपी अरुणदेव गौतम मौजूद थे। पुलिस महकमे में सबसे अधिक उत्सुकता यह जानने का लेकर है कि कटप्पा की भूमिका किसने निभाई? और क्यों?

डरे-सहमे मंत्री!

2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सरकार को बड़ा झटका लगा था। भूपेश बघेल के 12 में से नौ मंत्री चुनाव नहीं निकाल पाए। ये चीजें बीजेपी सरकार के कई मंत्रियों को बड़ा परेशान कर रही। लिहाजा, सरकार द्वारा किए जा रहे रिफार्म की कोशिशों से मंत्रीजी लोग घबरा जा रहे। जमीनों के गाइडलाइन की युक्तियुक्तकरण को लेकर कैबिनेट की बैठक में कई मंत्रियों ने कह दिया था, ऐसा रहा तो वे चुनाव हार जाएंगे। और अभी सरकार फर्जी धान खरीदी पर अंकुश लगाने का प्रयास कर रही तो कुछ मंत्रियों ने हाय-तोबा मचा दिया। बता दें, फर्जी धान खरीदी में हर साल करीब 10 हजार करोड़ का खेल किया जाता है। इस खेल के मुख्य खिलाड़ी कई राईस मिलरों पर दबिश बढ़ाई जा रही तो मंत्री समेत पक्ष-विपक्ष के विधायक उससे बेचैन हो रहे हैं।

पोस्टिंग में विलंब

पिछले साल डीएसपी प्रमोट हो जाने के बाद भी 40 से अधिक टीआई को तीन महीने तक थानेदारी करनी पड़ी, तब जाकर पोस्टिंग मिली। कुछ ऐसा ही एडिशनल एसपी प्रमोशन में हो रहा। एक तो कई महीने घूमने-फिरने के बाद प्रमोशन की फाइल क्लियर हो पाई। और अब एडिशनल एसपी बन जाने के बाद भी काम डीएसपी का करना पड़ रहा है। बात छोटी मगर महत्वपूर्ण है। इससे पता चलता है कि सिस्टम कितना चुस्त है।

सरकार को क्रेडिट नहीं

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में 50 लाख से अधिक बच्चे पढ़ते हैं। सरकार उन्हें मुफ्त में पुस्तकें मुहैया कराती है। याने इन आधा करोड़ परिवारों से सरकार सीधे कनेक्ट होती है। मगर लालफीताशाही के चलते पिछले कुछ सालों में पाठ्य पुस्तक निगम का सिस्टम ऐसा डिरेल्ड हुआ कि दिसंबर तक किताबों का वितरण कंप्लीट नहीं हो पा रहा। आखिर करीब 200 करोड़ रुपए जब इस पर खर्च हो रहा है तो क्या ऐसा नहीं किया जा सकता कि अप्रैल में स्कूल खुलने से पहले किताबें शालाओं में पहुंच जाएं। मगर दुर्भाग्यजनक यह है कि सिस्टम का फोकस स्कूल शिक्षा जैसे विभागों पर नहीं होता। वरना, प्रॉपर मानिटरिंग की जाए तो टाईम पर पुस्तकें स्कूल में पहुंच जाएंगी और सरकार को क्रेडिट भी मिलेगा।

एमडी को डबल चार्ज

सरकार ने जिस तरह हेल्थ को ठीक करने के लिए डायरेक्टर और एनएचएम में अलग-अलग आईएएस अधिकारी बिठाया है, उसी तरह बच्चों को टाईम पर पुस्तकें उपलब्ध हो जाए, इसके लिए समग्र शिक्षा और पाठ्य पुस्तक निगम में अलग-अलग एमडी पोस्ट करना चाहिए। दोनों में एक अफसर को बिठाने का नुकसान यह होता है कि फोकस समग्र शिक्षा पर हो जाता है। सही भी है...समग्र का बजट 2000 करोड़ का है। जाहिर है, बजट बड़ा तो मलाई भी ज्यादा ही होगा। उधर, पापुनि का 200 करोड़ का बजट, उसमें भी कई लेवल की नेतागिरी। हालांकि, पापुनि निर्धनता की केटेगरी में नहीं आता...15 परसेंट के हिसाब से लगभग 30 खोखा का बन जाता है। मगर उसमें चार-से-पांच हिस्से लगते हैं। समग्र शिक्षा में ये हिस्से वाला मामला थोड़ा कम है। इसलिए जरूरी है कि पापुनि के लिए अलग से एमडी बनाया जाए।

पीसीसी चीफ को एक्सटेंशन?

पिछले विधानसभा चुनाव के बाद से पीसीसी चीफ दीपक बैज को हटाने की अटकलें चल रही हैं। एक बार तो बात इस लेवल तक पहुंच गई थी कि लगा कि किसी भी दिन टीएस सिंहदेव का आदेश निकल जाएगा। मगर दीपक ने ढाई साल का टेन्योर पूरा कर लिया। जुलाई 2026 में उनका तीन साल कंप्लीट हो जाएगा। सुनने में आ रहा...दीपक को अगर नहीं हटाया गया तो उनके साथ दो कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति हो सकती है। इसके लिए देवेंद्र यादव, उमेश पटेल, शिव डहरिया और प्रेमचंद जायसी का नाम चल रहा है। हालांकि, भीतर की खबर ये भी है कि उमेश पटेल कार्यकारी अध्यक्ष बनने के लिए तैयार नहीं। जुलाई में अगर दीपक बैच को हटाया गया तो अत्यधिक संभावना है कि टीएस सिंहदेव उनकी जगह लें। कांग्रेस के अंदरखाने में चर्चा इस बात का लेकर भी है कि विधानसभा में पार्टी की आक्रमकता बढ़ाने के लिए उमेश पटेल को नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी सौंपी जा सकती है।

प्रमोशन पॉलिसी में खोट

गुड गवर्नेंस और वर्किंग कल्चर बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार कई स्तर पर काम कर रही है। इनमें ई-ऑफिस से लेकर डिजिटल अटेंडेंस तक शामिल है। सरकार को इसके साथ प्रमोशन में विसंगतियों को दूर करने पर भी काम करना चाहिए। खासकर, क्लास टू और क्लास थ्री लेवल पर। प्रमोशन पॉलिसी की विडंबना ही कहें कि मंत्रालय का भृत्य डिप्टी सिकरेट्री तक पहुंच जाता है मगर बाकी जगहों पर बाबू से बडा बाबू और सिपाही से प्रधान सिपाही बनने में सालों लग जाते हैं। कर्मचारियों, अधिकारियों से अगर बढ़ियां काम लेना है तो एचआर पॉलिसी को ठीक करना होगा। प्रमोशन देने से खजाने पर खास भार भी नहीं पड़ता। सीनियरिटी के हिसाब से वेतन लगभग प्रमोशन के रेंज में पहुंच ही जाता है। राज्य के भले के लिए सिस्टम को इस पर काम करना चाहिए।

रेल मंत्री के बैचमेट आईएएस

कचना इलाके में रहने वाले 50 हजार से अधिक लोग पिछले तीन साल से रेलवे ओवरब्रिज की समस्या से जूझ रहे हैं। पीडब्लूडी ने मार्च 24 का टारगेट रखा था। ठेकेदार ने टाईम पर इसे कंप्लीट नहीं किया। उपर से सर्विस रोड की हालत ऐसी दयनीय कि पूछिए मत! पीडब्लूडी के अफसरों ने ऐसा वाला काला चश्मा लगा रखा है कि उन्हें सिर्फ रुपिया दिखता है। आलम यह कि अभी रेलवे साइड का गार्डर लग नहीं पाया है। पूरा मामला इगो का है। रेलवे अधिकारी कोई पाकिस्तानी तो हैं नहीं कि उनसे बात नहीं की जा सकती। अफसर अगर रायपुर डीआरएम या बिलासपुर जीएम से एक बार बात कर लें तो प्राब्लम साल्व हो सकता है। वो भी नहीं तो 94 बैच के कई आईएएस छत्तीसगढ़ में हैं। खुद चीफ सिकरेट्री विकास शील। ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ भी 94 बैच के हैं। इसी बैच के पूर्व आईएएस रेल मंत्री आश्वनी वैष्णव भी हैं। इन तीनों से रेल मंत्री को एक फोन ही काफी होगा। पीडब्लूडी के अधिकारी अगर लेटर-लेटर का खेल करते रहे तो फिर ये साल भी निकल जाए तो आश्चर्य नहीं।

सीएम, जीएम बराबर

राज्य में जो अधिकार मुख्यमंत्री को होता है, रेलवे में वही औरा जीएम का होता है। जीएम चाहे तो क्षेत्रीय जरूरतों का हवाला देते हुए नई लोकल ट्रेन चलवा सकता है, बाद में बोर्ड से एप्रूवल मिल जाता है। सौभाग्य से देश में सबसे अधिक आमदनी देने वाले रेलवे जोन के जीएम बिलासपुर में बैठते हैं। कोआर्डिनेशन अगर ठीक रहता तो दुर्ग से रायपुर के बीच एक 24 कैरेट वाली ट्रेन तो चल ही सकती थी। 24 कैरेट मतलब जिसकी टाईमिंग पर यात्रियों को भरोसा रहे। जब बिलासपुर रेलवे जोन नही बना था, डिवीजन था, तब का एक वाकया बताते हैं। पूर्व मंत्री और कोटा विधायक राजेंद्र प्रसाद शुक्ल को बिलासपुर से पेंड्रा के बीच ट्रेन शुरू करानी थी। कार्यकर्ताओं को लेकर वे खुद ही डीआरएम से मिलने पहुंच गए। डीआरएम ने इधर-उधर से रैक का इंतजाम कर महीने भर के भीतर बिलासपुर-पेंड्रा के बीच ट्रेन चलवा दी थी।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. दुर्ग आईजी रामगोपाल गर्ग को पुलिस कमिश्नर बनाए जाने की चर्चा से रायपुर पुलिस के लोग क्यों घबराए हुए हैं?
2. क्या आईपीएस अंकित गर्ग और बद्री मीणा में से कोई दुर्ग पुलिस रेंज का आईजी बनेगा?

भारत में ऐसे भी गरीब जिनके पास है फ्लैट दुकान से लेकर 7.5 करोड़ की प्रॉपर्टी

सड़क किनारे कटोरा थामे खड़े भिखारी को देखकर आमतौर पर हमारे दिमाग में गरीबी और मजबूरी की तस्वीर बनती है. लेकिन क्या हो अगर वही भिखारी फ्लैट, दुकान और करोड़ों की प्रॉपर्टी का मालिक निकले? सुनने में अजीब लगता है, लेकिन दुनिया में ऐसे कई भिखारी हैं, जिन्होंने भीख मांगकर अमीरी का नया पैमाना लिख दिया है। कहीं करोड़ों की संपत्ति, तो कहीं लग्ज़री ज़िंदगी-इन कहानियों ने गरीबी की हमारी सोच को ही पलट कर रख दिया है। आइए जानते हैं भारत के सबसे अमीर भिखारियों के बारे में....

मिलिए दुनिया के सबसे अमीर भिखारियों से

भरत जैन

दुनिया का सबसे अमीर भिखारी

भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे अमीर भिखारियों में गिने जाने वाले भरत जैन की कहानी सबसे ज्यादा चौंकाने वाली है। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और आजाद मैदान के आसपास भीख मांगते हुए उन्हें करीब 40 साल हो चुके हैं। रोजाना 10 से 12 घंटे तक सड़क पर खड़े रहना, लोगों से पैसे मांगकर आज वह करोड़ों के मालिक बन गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भरत जैन भीख मांगकर महीने में 60 से 75 हजार रुपये कमाते हैं। इतना ही नहीं, भरत के पास 7.5 करोड़ की संपत्ति है। साथ ही, मुंबई में दो फ्लैट खरीदे हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में बताई जाती है। इसके अलावा ठाणे में उनकी दो दुकानें हैं, जिनसे उन्हें हर महीने किराया मिलता है।

बुर्जु चंद्र आजाद

मुंबई के ही एक और भिखारी बुर्जु चंद्र आजाद की कहानी तब सामने आई, जब एक ट्रेन हादसे में उनकी मौत हो गई। रेलवे स्टेशन पर भीख मांगने वाले बुर्जु की असली हैसियत किसी को पता नहीं थी। मौत के बाद जब पुलिस ने गोवंडी स्थित उनके घर की तलाशी ली, तो वहां से 1.5 लाख रुपये कैश और 8.77 लाख रुपये की रकम की फिक्स्ड डिपॉजिट सामने आई।

कृष्ण कुमार गीते : मुंबई में रहने वाले कृष्ण कुमार गीते भी भारत के अमीर भिखारियों की लिस्ट में शुमार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कृष्ण कुमार एक दिन में करीब 1,500 रुपये तक कमा लेते हैं। इतना ही नहीं, उनके पास एक फ्लैट भी है, जिसकी कीमत तकरीबन सात लाख है। हैरानी की बात यह है कि कृष्ण के पैसों को मैनेज करने का काम उनके भाई करते हैं।

लक्ष्मी दासः कोलकाता की करोड़पति भिखारिन : कोलकाता की गलियों में भीख मांगने वाली लक्ष्मी दास ने बहुत कम उम्र में सड़क पर जिंदगी शुरू की थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी महीने की कमाई 30 हजार रुपये से ज्यादा है और कुल संपत्ति करीब 1 करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है।

पप्पू कुमार, उधार भी देते हैं पैसा

पप्पू कुमार की कहानी मजबूरी से शुरू हुई थी। एक हादसे में पैर टूटने के बाद उन्होंने भीख मांगना शुरू किया। धीरे-धीरे उनकी कमाई बढ़ती गई और आज उनकी संपत्ति करीब 1.25 करोड़ रुपये बताई जाती है। उनकी लाइफस्टाइल का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि वह अब छोटे व्यापारियों को उधार तक देते हैं।

रानियों के नहाने के लिए बना था यह तैरता महल, पानी में डूबी हैं 4 मंजिलें

आज भी अंदर जाने की नहीं है अनुमति

एजेंसी ▶▶| जयपुर

राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक बेहद अनोखा महल है। यह महल पानी पर तैरता हुआ दिखाई देता है। हम बात कर रहे हैं ऐतिहासिक जल महल की। यह 300 एकड़ में फैली मानसागर झील के बीच स्थित है। राजा ने इसे अपनी रानियों के नहाने के लिए बनवाया था। इसकी पांच में से चार मंजिलें पानी के अंदर रहती हैं। यह जयपुर आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

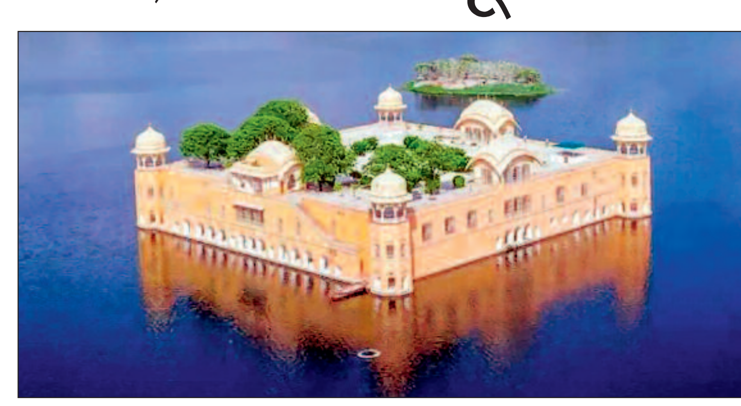

रानियों के लिए बना था समर पैलेस

महाराजा सवाई जयसिंह ने 1799 में इस महल को बनवाया था। उन्होंने जयपुर की पानी की जरूरत के लिए गर्भावती नदी पर बांध बनवाया था। इससे मानसागर झील का निर्माण हुआ। राजा अपनी रानियों के साथ यहां खास वक्त बिताते थे। यह महल रानियों के लिए एक पिकनिक स्पॉट जैसा था। यहां रानियां शाही स्नान करती थीं और अपने वस्त्र बदलती थीं। इसी वजह से महल को झील के बीचों-बीच बनाया गया था।

पानी के अंदर का रहस्य

यह 5 मंजिला इमारत लाल बलुआ पत्थर से बनी है। इसमें से चार मंजिलें हमेशा पानी में डूबी रहती हैं। केवल पांचवीं मंजिल ही बाहर दिखाई देती है। 222 साल से पानी में रहने के बाद भी इसे कोई नुकसान नहीं हुआ है। जयपुर की चिलचिलाती गर्मी में भी यह महल ठंडा रहता है। पर्यटक इसे बाहर से ही देख सकते हैं। महल के अंदर जाने की इजाजत नहीं है।

छत पर उगे हैं हजारों पेड़

जल महल की छत पर एक विशाल नर्सरी है। यहां एक लाख से ज्यादा पेड़-पौधे लगे हुए हैं। इनकी देखभाल के लिए 40 माली काम करते हैं। यह राजस्थान की सबसे ऊंचे पेड़ों वाली नर्सरी मानी जाती है। रात के समय जयपुर का यह महल रोशनी में नहाया हुआ बेहद खूबसूरत लगता है। अरावली की पहाड़ियां इसकी सुंदरता में चार चांद लगा देती हैं।

इंसान है या छिपकली? इस परिवार का सच जानकर कांप जाएगी रूह!

दुनिया अजीब रहस्यों से भरी है। हाल ही में इंडोनेशिया से एक हैरान करने वाली न्यूज सामने आई है। यहाँ मुरांग परिवार का चेहरा हर दिन बदलता है। स्थानीय लोग इन्हें इंसान नहीं, बल्कि 'छिपकली' मानते हैं। डॉक्टरों के लिए भी यह केस एक बड़ी चुनौती बन गया है। विज्ञान भी इस घटना को देखकर सन्न है। मुरांग परिवार के मुखिया सूर्या मुरांग 12 साल तक बिल्कुल सामान्य थे। फिर अचानक उनके चेहरे में बदलाव होने लगा। उनकी आंखें बाहर आ गईं और त्वचा सख्त हो गई। यह मामला वायरल न्यूज इसलिए बना क्योंकि इनका चेहरा रोज बदलता है। दावा किया जाता है कि सुबह इनका चेहरा अलग दिखता है और शाम तक बदल जाता है।

गोवा। गोवा अपनी खूबसूरत समुद्री तटों और नाइटलाइफ के लिए ही नहीं, बल्कि अपने रहस्यमयी किस्सों के लिए भी जाना जाता है। यहां एक ऐसा अनोखा गांव है, जो साल में 11 महीने समय नजर ही नहीं आता है। यह गांव सिर्फ एक महीने ही दिखाई देता है। यही वजह है कि इस गांव को देखने के लिए लोग साल के उसी खास वक्त का इंतजार करते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com